हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,गुरूवार | 22 अगस्त 2024 | वर्ष : 02 | अंक :101 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

'कोलकाता रेप-मर्डर केस में कुछ ही घंटों में हुई गिरफ्तारी, बदलापुर में देरी से दर्ज हुआ मामला',

एजेंसी

बंगाल: तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने बदलापुर में दो किंडरगार्टन छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी को लेकर महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने इस मामले में महाराष्ट्र पुलिस की प्रतिक्रिया और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ हुए जघन्य बलात्कार-हत्याकांड पर कोलकाता पुलिस की कार्रवाई के बीच तुलना की। कोलकाता में बलात्कार-हत्याकांड के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं और तृणमूल प्रमुख तथा बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की जा रही है।महुआ मोइत्रा ने बुधवार को ट्वीट किया, "आरजी कर मामले में पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी की गई थी और कोलकाता पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

बिहार में भारत बंद का व्यापक असर,

अफरातफरी के बाद पटना पुलिस ने किया लाठीचार्ज

पुलिस ने बताया कि जहानाबाद जिले में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-83 पर यातायात रोकने की कोशिश की, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों के साथ उनकी झड़प हो गई। भारत बंद के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस ने पटना में लाठीचार्ज

एजेंसी

नई दिल्ली -बिहार: एससी और एसटी में क्रीमी लेयर श्रेणी के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने बुधवार को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन भारत बंद का आह्वान किया है। इसका असर भी देखने को मिल रहा है। बिहार के कई हिस्सों में इसका व्यापक असर दिखाई दे रहा है। बिहार के कुछ हिस्सों में बुधवार को कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने समुदाय आधारित आरक्षण को लेकर कुछ समूहों द्वारा बुलाए गए भारत बंद के समर्थन में नाकेबंदी कर दी थी। पुलिस ने बताया कि जहानाबाद जिले में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-83 पर यातायात रोकने की कोशिश की, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों के साथ उनकी झड़प हो गई। भारत बंद के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस ने पटना में लाठीचार्ज किया। डाक बंगला चौराहे

पर पुलिस भारत बंद समर्थकों को रोकने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भीम आर्मी के सदस्यों के विभिन्न दिशाओं से आने की आशंका को देखते हुए बैरिकेड्स लगाए गए हैं। प्रदर्शनकारी चौराहे से सिर्फ.50 मीटर की दूरी पर हैं, जिससे संभावित टकराव की आशंका बढ़ गई है। भारत बंद के बीच केंद्रीय मंत्री जयंत सिंह चौधरी ने स्थिति पर बात की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी की थी, जिसके बाद कानून मंत्री ने संसद में स्पष्टीकरण दिया। कैबिनेट ने भी इस मामले पर अपनी राय व्यक्त कर दी है, इसलिए अब इस पर बात करने के लिए कुछ नहीं बचा है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कोर्ट के फैसले के विरोध में पूरे देश में विरोध प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारियों ने दरभंगा रेलवे स्टेशन पर दरभंगा और दिल्ली के बीच चलने वाली बिहार संपर्क क्रांति ट्रेन को रोक दिया। इसके अलावा कई ट्रेनों के संचालन में देरी हो रही है। पुलिस ने बताया कि जहानाबाद जिले में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-83 पर यातायात रोकने की कोशिश की, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों के साथ उनकी झड़प हो गई। भारत बंद के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस ने पटना में लाठीचार्ज किया।दरअसल, भारत बंद के चलते बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. बंध के दौरान पटना में बंद समर्थकों को काबू करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और लोगों को काबू करने की कोशिश की लेकिन इसी बीच एसडीएम पर भी पुलिसवाले ने लाठी भांज दी. इसके बाद तीन पुलिसकर्मी एसडीएम को घेर कर चलते हुए नजर आए.

सिर्फ पांच सांसदों के दम पर मोदी सरकार के लिए यू टर्न फैक्टर बने चिराग

एजेंसी

दिल्ली: लोजपा नेता और एनडीए के अहम सहयोगी चिराग पासवान लगातार सुर्खियों में हैं। हाल में ही एनडीए में होने के बावजूद भी उन्होंने मोदी सरकार के फैसले का खुलकर विरोध किया। लोकसभा में पेश वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर भी चिराग पासवान की राय भाजपा से पूरी तरह से अलग है। सिर्फ पांच सांसदों वाली पार्टी के प्रमुख चिराग ने यह भी कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सहमत नहीं है कि एससी कोटे को उपवर्गीकृत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी।सोमवार को चिराग पासवान ने आरक्षण फामूर्ले का पालन किए बिना 45 पेशेवरों को पार्श्व प्रवेशकों के रूप में नियुक्त करने के सरकार के कदम के खिलाफ फिर से बात की। विरोध के कारण सरकार ने वक्फ संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक निर्णय पारित किया जिसमें कहा गया कि वह एससी कोटे से क्रीमी लेयर को हटाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू नहीं करेगा, और मंगलवार को सरकार ने लेटरल एंट्री विज्ञापन को रद्द करने की भी घोषणा की। बाद में चिराग पासवान ने इस कदम को वापस लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि चिराग पासवान पांच सांसदों के साथ वो काम कैसे कर पा रहे हैं जैसा एनडीए के अन्य सहयोगी नहीं कर पा रहे हैं। टीडीपी (16 सांसद), जेडीयू (12 सांसद) और शिवसेना (7 सांसद) में से पांच सांसदों वाली एलजेपी एनडीए खेमे में सबसे मुखर सहयोगी बन गई है, जिसने सरकार के यू-टर्न में बड़ा रोल निभाया है। चिराग पासवान सरकार में कैबिनेट मंत्री भी हैं। अतीत में, उन्होंने खुद को नरेंद्र मोदी का 'हनुमान' कहा था और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एनडीए में शामिल होने तक उनके मुखर आलोचक थे।

कसाब को दिलवा चुके हैं फांसी, अब बदलापुर की बेटियों को इंसाफ दिलाएंगे उज्जवल निकम,

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के अनुसार, वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम बदलापुर मामले में विशेष सरकारी अभियोजक होंगे। उपमुख्यमंत्री कार्यालय ने मराठी में एक्स पर पोस्ट किया कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि बदलापुर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की तेजी से जांच की जाएगी और मामला फास्ट-ट्रैक कोर्ट में जाएगा। वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम को विशेष सरकारी वकील नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। बदलापुर घटना में विशेष अभियोजक के रूप में उनकी नियुक्ति पर,

अधिवक्ता उज्ज्वल निकम ने आज कहा कि कल मुझे उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की तरफ से मौखिक संदेश मिला कि मुझे उस केस को स्वीकार करना चाहिए और अपराध की गंभीरता को देखते हुए मैंने उस केस में स्पेशल पीपी के तौर पर काम करने की सहमति दे दी है। अभी तक मुझे सरकार की तरफ से आधिकारिक सूचना नहीं मिली है लेकिन मुझे उम्मीद है कि सरकार की जांच एजेंसी बहुत जल्द चार्जशीट दाखिल करेगी। उन्होंने आगे कहा कि तय समय में वे चार्जशीट पूरी कर लेंगे और उसके बाद मेरी भूमिका शुरू होगी। मैं समझ सकता हूं कि लोग गुस्से में थे और रेल रोको आंदोलन करीब 10 घंटे तक चला। आरोपी को भी अपना बचाव करने का उचित मौका मिलना चाहिए। मुझे पूरी उम्मीद है कि जांच एजेंसी बहुत जल्द चार्जशीट दाखिल करेगी और तय समय में ट्रायल पूरा करेगी।

उत्तराखंड मंत्रिमंडल का जल्द होगा विस्तार : मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी

उत्तराखंड: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द ही कभी भी हो सकता है। मीडिया के एक वर्ग में पिछले कुछ समय से राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार की अटकलें चल रही हैं।राज्य विधानसभा के बुधवार से शुरू हो रहे मानूसन सत्र से पहले गैरसैंण में एक समाचार चैनल से बातचीत में धामी ने कहा, इस संबंध में सभी स्तरों पर चर्चा की गयी है। जैसे ही यह प्रक्रिया पूरी होती है, मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द ही किसी भी समय

हो सकता है।प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं की हाल में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ हुई बैठकों ने प्रदेश में इन अटकलों को हवा दी कि प्रदेश में जल्द मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। फिलहाल धामी मंत्रिमंडल में चार रिक्तियां हैं।

अघाड़ी का हल्ला बोल, 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली : बदलापुर घटना के विरोध में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने बुधवार को 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का आह्वान किया। एमवीए ने कहा कि महाविकास अघाड़ी के तीनों दल इस एक दिवसीय बंद में भाग लेंगे। इससे पहले आज एनसीपी (एससीपी) सांसद सुप्रिया सुले ने अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बदलापुर के एक किंडरगार्टन स्कूल में दो युवा लड़कियों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि महाराष्ट्र के ठाणे जिला स्थित एक स्कूल के शौचालय में

चार वर्षीय दो बच्चियों से सफाईकर्मी द्वारा कथित यौन उत्पीड़न किये जाने के बाद, हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने बदलापुर रेलवे स्टेशन की पटरियों को अवरुद्ध कर दिया और विद्यालय परिसर में धावा बोल दिया। पुलिस ने रेल पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्च किया, जो पुलिसकर्मियों पर पथराव कर रहे थे। आक्रोशित अभिभावकों सहित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बच्चियों के यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी नाराजगी जताने के लिए स्कूल भवन में तोड़फोड़ की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को कहा कि दो किंडरगार्टन लड़कियों के कथित यौन शोषण मामले पर ठाणे जिले के बदलापुर में विरोध प्रदर्शन राजनीति से प्रेरित था और इसका उद्देश्य राज्य सरकार को बदनाम करना था।

बिहार में बदमाशों के हौसले बुलंद, हाजीपुर में वार्ड पार्षद पंकज राय की हत्या, तेजस्वी का नीतीश सरकार पर निशाना

एजेंसी

बिहार: बिहार के हाजीपुर में मंगलवार शाम स्थानीय पार्षद पंकज राय अपने घर के पास एक कपड़े की दुकान पर थे। मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग उनके पास आए और उन पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पहली बार पार्षद चुने गए और लालू प्रसाद यादव की राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सदस्य राय खुद को बचाने के लिए अपने घर में भाग गए। हालांकि, हमलावर अपनी बाइक से उतर गए और उनके पीछे-पीछे घर के अंदर घुस गए और उन पर कई गोलियां चला

दीं। वार्ड नंबर 5 के पार्षद को तीन गोलियां लगीं।गोलियों की आवाज सुनकर उनके परिवार और स्थानीय लोग दौड़े और उन्हें अस्पताल ले गए लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरजेडी नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) पर राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया। यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए के गुंडों ने रात में हाजीपुर में वार्ड पार्षद पंकज राय की गोली मारकर हत्या कर दी। मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री चैन की नींद सो रहे हैं, जबकि उनके गुंडे उत्पात मचा रहे हैं।पुलिस के अनुसार, राय ने अपनी हत्या से छह महीने पहले एक विवाद के बारे में शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन उनके परिवार का दावा है ।

फिर मुश्किल में सांसद संजय सिंह, यूपी कोर्ट ने दो दशक पुराने मामले में गिरफ्तारी का दिया आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली: सुल्तानपुर की एक अदालत ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के दो दशक पुराने मामले में पेश न होने पर कड़ी आपत्ति जताई और पुलिस को उन्हें 28 अगस्त को गिरफ्तार कर पेश करने का आदेश दिया। 13 अगस्त को सिंह, सपा नेता अनूप सांडा और चार अन्य के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था, जिसकी सुनवाई मंगलवार को होनी थी। हालांकि आरोपी अदालत में पेश नहीं हुए।

अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि अदालत ने पुलिस को सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर 28 अगस्त तक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है।छह आरोपियों की ओर से पेश हुए मदन सिंह ने कहा कि सिंह और सांडा की जमानत याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में दायर की गई है, जिस पर 22 अगस्त को सुनवाई होगी। यह मामला 19 जून 2001 का है, जब शहर के सब्जी मंडी क्षेत्र के पास एक ओवरब्रिज के पास पूर्व सपा विधायक अनूप सांडा के नेतृत्व में खराब बिजली आपूर्ति को लेकर प्रदर्शन किया गया था। इस प्रदर्शन में संजय सिंह के साथ पूर्व पार्षद कमल श्रीवास्तव, विजय कुमार, संतोष और सुभाष चौधरी ने हिस्सा लिया था।

जमानत के लिए इंजीनियर राशिद ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा, एनआईए को नोटिस जारी

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को सांसद राशिद इंजीनियर की नियमित जमानत की मांग वाली अर्जी पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जवाब मांगा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) चंद्रजीत सिंह ने मामले की सुनवाई 28 अगस्त के लिए निर्धारित की है। इससे पहले इसी अदालत ने 2 जुलाई को राशिद को 5 जुलाई को शपथ लेने के लिए दो घंटे की हिरासत पैरोल दी थी। अवामी इत्तेहाद पार्टी के प्रमुख और दो बार के पूर्व विधायक राशिद को 2019 में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह राष्ट्रीय राजधानी की तिहाड़ जेल में बंद हैं। राशिद ने इस साल की शुरूआत में जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला निर्वाचन क्षेत्र से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ा था और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हराकर 2,04,142 मतों के अंतर से जीत हासिल की थी। एनआईए ने उन्हें कथित आतंकी वित्तपोषण मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत अभ्यारोपित किया है। वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा को बताया जहर, बोले- इसे चाटकर ना देखें, परिणाम सब जानते हैं

एजेंसी

नई दिल्ली: मुंबई में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा पर परोक्ष हमला किया और कहा कि पार्टी एक जहर है जिसे पूरी तरह से खत्म करने की जरूरत है। 'सद्भावना दिवस' के रूप में मनाए गए इस कार्यक्रम में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाग लिया और कांग्रेस को भाजपा की तुलना में बेहतर सहयोगी बताया। ठाकरे ने पहली बार कांग्रेस का स्टोल पहना, जो राजनीतिक गठबंधनों में बदलाव का संकेत था।खड़गे ने भाजपा पर नकारात्मक प्रभाव डालने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा जहर की तरह है। इसका स्वाद चखने की जरूरत नहीं है क्योंकि हम इसके परिणाम जानते हैं। इसे पूरी तरह से खत्म करने की जरूरत है। उन्होंने भाजपा को संविधान में संशोधन करने से रोकने के लिए महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने राज्य सभा सहित विधायी प्रभाव बनाए

रखने के लिए राज्य विधानसभा चुनाव जीतने के महत्व को रेखांकित किया। खड़गे ने वक्फ भूमि के लिए संशोधन विधेयक और अनुबंध के आधार पर लेटरल एंट्री जैसे उदाहरणों का हवाला दिया और कहा, "उन्होंने लेटरल एंट्री के फैसले को वापस ले लिया क्योंकि आप मजबूत हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो वे आरएसएस पृष्ठभूमि के लोगों की भर्ती करते।पहली बार कांग्रेस के किसी कार्यक्रम में शामिल हुए उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस और भाजपा के बीच मतभेदों पर अपना रुख स्पष्ट किया। ठाकरे ने कहा, "किसी व्यक्ति को समझने के बाद हमें खुद को बदलने की जरूरत है। मुझे एहसास हुआ है कि उन्होंने हमारा दुरुपयोग किया और अब हमें कमजोर करना शुरू कर दिया है। राजीव जी (पूर्व पीएम राजीव गांधी) और उनके बीच का अंतर स्पष्ट है।" उन्होंने सराहना की कि कांग्रेस सरकारों ने उनके पिता बाल ठाकरे की कड़ी आलोचना के बावजूद कभी भी शिवसेना के खिलाफ प्रतिशोधात्मक कार्रवाई नहीं की। ठाकरे ने कहा, "बालासाहेब (ठाकरे) राजीव जी की कड़ी आलोचना करते थे, लेकिन मैंने कभी ईडी (प्रवर्तन निदेशालय), सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) और आयकर को किसी शिवसेना कार्यकर्ता के पीछे पड़ते नहीं देखा।" उन्होंने संजय राउत जैसे शिवसेना (यूबीटी) नेताओं को निशाना बनाकर की जा रही केंद्रीय जांच का उल्लेख भाजपा के प्रतिशोधात्मक दृष्टिकोण के उदाहरण के रूप में किया।

एससी-एसटी, ओबीसी आरक्षण पर बढ़ते हमलों के खिलाफ सड़कों पर उतरे छात्र-नौजवान

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- भारत बंद के समर्थन में एआईएसएफ, बहुजन दलित एकता, भीम आर्मी सहित, विभिन्न संगठनों ने सड़क पर उतर किया उग्र प्रदर्शन
- गरखा शहीद इन्द्रेव चौधरी चौक पर जुटे हजारों छात्र-नौजवानों ने भारत बंद को सफल बनाया
- केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा संविधान व उसमें दिए गए आरक्षण को खत्म करने की कोशिश को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे : राहुल कुमार यादव

छपरा/ 21 अगस्त 2024 को एससी-एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले, केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा संविधान व आरक्षण से किए जा रहे खिलवाड़, कॉलेजियम सिस्टम व जातिगत जनगणना नहीं कराए जाने के खिलाफ एआईएसएफ, एससी-एसटी, भीम आर्मी, बहुजन समाज एकता, दलित सेना सहित, विभिन्न संगठनों के नेताओं कार्यकताओं ने शहीद इन्द्रेव चौधरी चौक गरखा पहूंच कर चौक के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका और मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सड़क के चारों-तरफ बांस-बल्ली व गाड़ी, साईकल से पूरे चौक को जाम कर बंद कराया गया. भारत बंद के समर्थन में जुटे हजारों छात्र-नौजवानों का नेतृत्व छात्र नेता राहुल कुमार यादव व मनोहर राम कर रहे थे. भारत बंद के बाद जो दुकानें खुली थी उसे भी मौजूद लोगों ने मिलकर बाजार के सभी सड़कों पर घुमकर दुकानें बंद कर भारत बंद का समर्थन करने का निवेदन करते देखा गया. दुकानदारों व गाड़ी, ट्रक, बाईक, व रिक्शा चालकों ने भी भरपूर समर्थन दिया. गरखा बाजार बंद से पूरी तरह प्रभावित रहा. बंद समर्थकों का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता राहुल कुमार यादव ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा संविधान व आरक्षण पर बढ़ते हमलों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. मोदी लगातार एससी-एसटी, ओबीसी एकता को खंडित करने के प्रयास में लगी हुई है. हम एससी-एसटी, ओबीसी के वर्गीकरण करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को वापस लेने, कॉलेजियम सिस्टम को समाप्त करने व जातिगत जनगणना कराए जाने, संविधान व आरक्षण पर हमले बंद करने की मांग करते हैं. केंद्र की मोदी सरकार अपने संविधान व आरक्षण विरोधी नीतियों पर रोक नहीं लगाई तो सड़क से लेकर सदन तक और उग्र आंदोलन करेंगे.युवा दलित नेता मनोहर राम ने कहा कि एससी-एसटी में वर्गीकरण के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पुनर्विचार कर बदलाव करने की आवश्यकता है. बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर द्वारा लिखे गए संविधान पर किसी तरह की बदलाव, संविधान पर हमले को बर्दाश्त नहीं करेंगे. आगे आने वाले दिनों में अपनी बहुजन चट्टानी एकता के बल पर संविधान व आरक्षण विरोधी मोदी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने का संकल्प लेते हैं.भारत बंद के समर्थन में मुख्य रूप से एआईएसएफ के राज्य नेता राहुल कुमार यादव, युवा दलित नेता मनोहर राम, शिव प्रसाद मांझी, पन्नालाल मांझी, सतेन्द्र मांझी, राकेश चौधरी, चन्दन पासवान डिक्कू, मोहन राम, शशि रंजन पासवान, मुन्ना राम, सोनू सागर, शाहबुद्दीन अंसारी, राजीव राम, गौतम राम, सुनिल राम, रामबली, विकाश कुमार राम, राजु कुमार राम, सहाबुद्दीन मंसूरी, मुन्ना कुमार राम, चंदन कुमार राम, उमाशंकर राम, परशुराम राम,उपेंद्र कुमार राम, राजदेव राम,मुरलीधर राम,विष्णु कुमार राम, विशाल कुमार राम, राजीव कुमार राम, इंद्रजीत कुमार राम,राजीव राम,मधुसूदन कुमार ठाकुर, बासुदेव राम सहित, सैकड़ो लोग मौजूद थे.

?? राहुल कुमार यादव

भारत बंद के फैसले का मैं और मेरी पार्टी अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पक्ष में नैतिक रूप से समर्थन करती है: चिराग पासवान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान ने अपने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि SC-ST आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में शांतिपूर्ण तरीके से भारत बंद के फैसले का मैं और मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पक्ष में नैतिक रूप से समर्थन करती है । समाज के शोषितों और वंचितों के हक की आवाज बनना हमारा कर्तव्य है। पार्टी के संस्थापक पद्म भूषण श्रद्धेय रामविलास पासवान जी भी सड़क से लेकर सदन तक सदैव अनुसूचित जाति एवं जनजाति के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली केंद्र की एनडीए सरकार भी शोषितों और वंचितों के विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है। विगत दिनों आदरणीय प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट में यह फैसला किया गया था कि जैसे बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर जी ने आरक्षण के प्रावधान रखे थे, ठीक वैसे ही रहेगा। आरक्षण से किसी भी प्रकार की छेड़-छाड़ नहीं की जाएगी। इस फैसले का मैं और मेरी पार्टी स्वागत करती है। मैं आश्वस्त करता हूं कि जब तक मैं हूं तब तक आरक्षण में किसी भी प्रकार का बदलाव संभव नहीं है। श्रद्धेय रामविलास पासवान जी के सिद्धांतों पर चलने वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) दलितों के हक और अधिकार के लिए लड़ाई लड़ती रहेगी।

इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दिया।

-कोलकाता में डाक्टर बिटिया के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के विरोध में रोटरी क्लब आफ सिवान ने निकाला कैंडल मार्च,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अतुल कुमार श्रीवास्तव

सिवान :- सिवानः विगत दिनों कोलकाता मे डाक्टर बिटिया भौमिता देवनाथ के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के विरोध में मंगलवारकी देर शाम में रोटरी क्लब आफ सिवान संकल्प द्वारा कैंडल मार्च निकाल आक्रोश व्यक्त किया गया। कैंडल मार्च पाथीभरा असपताल से शुरू हो गोपालगंज मोड़, जेपी चौक, बबुनिया मोड़ होते हुए फिर से जेपी चौक पहूंचा, जहां पर दिवगंत डाक्टर बिटिया के आत्मा के शांति के दो मिनट का मौन रखा गया। मार्च मे सभी अपने-अपने हाथों तख्तियों पर वी वांट जस्टिस, वी सेफ्टी जस्टिस सहित विभिन्न तरह की तख्तियां पर लिखें नारों से रोष प्रकट किया गया। सभी का कहना था कि डाक्टर को धरती पर दूसरा भगवान कहा जाता हैं और उसी डाक्टर के साथ घिनौनी हरकत करनेवालों को धरती पर जीने का कोई अधिकार नहीं। अपराधियों को ऐसी सजा मिले की कोई अपराधी अपराध करने से पहले सौ वार सोंचे। वहीं रोटरी क्लब आफ सिवान संकल्प के चार्टेड प्रेसिडेंट डाक्टर संजय सिंह ने कहा कि हमलोग अपने बच्चों को एडुकेट नहीं करतें हैं।हमें अपने बच्चों को समझना पड़ेगा की ऐसी घिनौनी काम नही करें। सारी लड़कियों को अपनी बहन की तरह ट्रीट करें तो इस तरह की घटनाएं नहीं होगी। उन्होंने कहा कि खासकर लड़कों को समझने की जरूरत हैं। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होना जरुरी है। रोटरी प्रसिडेंट डाक्टर प्रदीप कुमार का कहना था कि आएं दिन समाज मे ऐसी घटनाएं हो रही हैं और हम बर्दाश्त कर लेतें है साथ ही ऐसी घटनाओं से बहुत सारे लोग घूंट-घूंट कर जीते है।लड़ते नहीं है। उन्होंने कहा हम महिलाओं से आग्रह करेंगे कि वे अपने अधिकार को समझें व जागरूक हो लड़ना सिखें। रोटरी के पूर्व प्रसीडेंट डाक्टर पंकज कुमार का कहना था कि हम अपनी बच्चियों को सूरक्षा को लेकर विभिन्न तरह की सलाह देतें कि अपनी इज्जत को कैसे बचाना है, परंतु अपने बेटों को सलाह नहीं देतें कि किसी के बहन-बेटी को अच्छे द्दष्टि से देखो और उन्हें भी अपनी बहन-बेटी समझों। कैंडल मार्च मे रोटरी एडवोकेट मनोज कुमार सिंह, डाक्टर सुमित कुमार सिंह, डॉक्टर रामाकांत सिंह, रोटरियन नीलेश बर्मा निल, भारत भूषण पांडेय, सुधीर कुमार पाठक, राजीव रंजन, अतुल कुमार श्रीवास्तव, रंजीत सहित काफी संख्या मे रोटरियन शामिल थें।

मोतिहारी में दिखा भारत बंद का व्यापक असर ,आदोलन को बंग्लादेश के तर्ज पर ले जाने का प्रयास,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफील एकबाल

सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ जनाक्रोश उबाल पर

मोतिहारीः 21 अगस्त भारत बंद का व्यापक असर रहा। भीम आर्मी एवं समर्थकों ने हिंदी बाजार ,छतौनी, चांदमारी, कुमारी देवी चौक , बलुआ के अलावा शहर के तमाम प्रवेश द्वारो को जाम कर दिया,बास बल्ला लगाकर आवागमन को बाधित किया । बंद समर्थक मोटरसाइकिल एवं समूह में झंडा लिए दिनभर पूरे शहर में नारेबाजी करते रहे तथा खुले हुए दुकानों को जबरन बंद करवाया। शहर में छोटे वाहनो का आवागमन जारी रहा कहीं भी किसी भी छोटी सवारी को बंद समर्थकों ने नहीं रोका इसलिए कोई टकराहट नहीं हुई। बावजूद नगर में 80% दुकाने बंद रही पुलिस की भारी व्यवस्था की गई थी महिला पुलिस की संख्या ज्यादा थी लेकिन कही भी कोई टकराहट नहीं हुई और बंद समर्थक ने अपना कार्यक्रम दिन भर चलाया।एन एच 28 छतौनी, चांदमारी चौक पर भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच बंद समर्थक बास बल्ला लगाकर आवागमन को चंद घंटो के लिये रोक दिया।एन एच पर जाम के कारण सैकडो बडे वाहन घंटो खडे रहे

सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लेकर भारत बंद के आह्वान का पूरा असर रहा।मोतिहारी में सुबह से ही आरक्षण बचाओ संघर्ष मोर्चा और भीम आर्मी के सदस्यों द्वारा सड़कों पर पहुंच कर आगजनी और नारे बाजी करते हुए पूरी तरह चक्का जाम कर दिया गया । हालांकि इस दौरान परीक्षार्थी, मेडिकल सेवा और अन्य जरूरी सेवा को बाधित नहीं गया ।राजद के मनोज अकेला अपनी टीम के साथ दिनभर नगर मे भ्रमण कर दुकानो को बंद कराया।

[21/08, 18:12] अरँङ्क' ङ४ं१ शी१ें: माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने का फैसला संविधान सम्मत नहीं होने के कारण इस फैसले के खिलाफ भारत के दलित संगठनों के द्वारा भारत बंद का आह्वान किया गया था जिसके तहत आज पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में भारत बंद का असर पूरी तरह व्यापक असर रहा मोतिहारी की सभी दुकानें बंद रही । इस बंदी में सभी आवश्यक सेवाएं जैसे एंबुलेंस ,गैस ,दवा दुकानों को बंद से बाहर रखा गया। मोतिहारी की सभी चौक चौराहा पर सन्नाटा छाया रहा बंद का मोतिहारी शहर में व्यापक असर रहा इस बंदी में मोतिहारी शहर के सभी व्यवसाईयों ने संपूर्ण सहयोग किया और अपनी अपनी दुकान बंद रखें । बंद का नेतृत्व दलित संगठनों के साथ-साथ राजद के जिला प्रवक्ता मनोज कुमार अकेला, राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव पप्पू साहनी ,राजद किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव लालबाबू यादव युवा राजद के अध्यक्ष मोहम्मद असलम ,अधिवक्ता पर प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव मोहम्मद चांद विद्रोही राजद नेता मुमताज कादरी राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष भोला साह तुरहा, कन्हैयालाल निराला ,दिलीप कुमार हरेंद्र राम, रमेश कुमार ,विक्की राम ,उपेंद्र राम आलोक कुमार ,वीरेंद्र राम ,राहुल कुमार आदि सैकड़ो लोग कर रहे थे।रजत के जिला प्रवक्ता मनोज कुमार अकेला ने कहा कि इस बंदी को सफल बनाने के लिए मोतिहारी शहर के सभी व्यवसायी भाइयों को सहयोग करने के लिए और शांतिपूर्ण बंदी को सफल बनाने के लिए सभी व्यवसायी भाइयों के प्रति आभार व्यक्त किया ।

राष्ट्रीय खाद उपभोक्ता वितरण प्रणाली विक्रेता की दुकान पर संधारिती ePOS यंत्र के माध्यम से नि:शुल्क आधार सीडिंग (eKYC) करा सकते है।

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत उपभोक्ता मामले, सरकार के सचिव, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार पटना के पत्रांक-3176/खारा दिनांक-03. 07.2024 के द्वारा सभी संबंधित को 30 सितम्बर 2024 तक आधार सीडिंग का निदेश प्राप्त हुआ है। प्राप्त निदेश के आलोक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत आच्छादित सदस्य किसी भी लक्ष्यित जन वितरण प्रणाली विक्रेता की दुकान पर संधारित िढडर यंत्र के माध्यम से निःशुल्क आधार सीडिंग (िङ उ) करा सकते है।

साथ हीं विशेष कार्य पदाधिकारी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार पटना के पत्रांक-3026/खाद्य, दिनांक-21.06.2024 के द्वारा निदेश प्राप्त है कि राज्य के वैसे राशन कार्डधारी जो अपनी आजीविका/अन्य कारणों से राज्य से बाहर (इन बारह राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों यथा गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, उड़ीसा, पुडुचेरी, राजस्थान, तामिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल को छोड़कर) कार्य / निवास कर रहे हैं, वे भी उक्त राज्य में ही अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली विक्रेता के पास जाकर अपना ई० के०वाई०सी ी-ङ उ आधार सीडिंग करा सकते हैं।यदि किसी उचित मूल्य विक्रेता द्वारा उक्त निर्णय के अनुसार मुफ्त ीङ उ नहीं किया जाता है, तो निकटवर्ती अनुमंडल पदाधिकारी से या विभागीय टॉल फ्री सं०-1800-3456-194 एवं 1967 पर शिकायत करें।

मुखिया शशिनाथ झा हत्याकांड मामले में आठ आरोपियों को आजीवन कारावास

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिला के सराए रनजन क्षेत्र अंतर्गत बखरी बुजुर्ग पंचायत के पूर्व मुखिया शशिनाथ झा हत्याकांड मामले में आठ आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनायी गयी है। अपर व जिला सत्र न्यायाधीश सोनेलाल रजक ने मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद आरोपियों को आजीवन कारावास के साथ साथ दस दस हजार रुपये आर्थिक दंड भी दिया। सजा पाने वाले आरोपियों में मुख्य आरोपी राजेश पाल के अलावा धीरेन्द्र राय उर्फ बड़का बउआ, हिमांशु राय, अर्जुन दास उर्फ करिया, सुमित कुमार उर्फ फुचिया, चंदन कुमार, निलेन्दु गिरि व सुनील राय शामिल है।घटना के सूचक की ओर से वरीय अधिवक्ता गौरीशंकर मिश्र व बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता रजनी रंजन, विमल किशोर राय, विक्रम ठाकुर, विनोद कुमार सिंह, रमेश प्रसाद सिंह व अमिताभ भारद्वाज की टीम ने बहस में भाग लिया। सरकार की ओर से लोक अभियोजक विनोद कुमार ने न्यायालय में पक्ष रखा।

विदित हो कि एक पंचायत के दौरान बदमाशों ने पूर्व मुखिया शशिनाथ झा की गोलियों से भून कर हत्या कर दी थी। इस मामले में उनकी पत्नी माधुरी देवी ने मुसरीघरारी थाना में कांड संख्या 97/21 के तहत 8 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज की थी। इसमें राजेश पाल, हिमांशु राय, धीरेन्द्र राय व अर्जुन दास को नामजद करने के साथ अन्य अज्ञात पर अपने पति की हत्या करने का आरोप लगाया था। गौरतलब है कि शशिनाथ झा की हत्या से जिले में हलचल मच गयी थी।

समस्तीपुर जिले के पटोरी अनुमंडलीय अस्पताल में जीविका दीदी की रसोई का उद्धघाटन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिले के पटोरी अनुमंडलीय अस्पताल में जीविका दीदी की रसोई का उद्धघाटन विकाश पांडेय रऊड पटोरी द्वारा किया गया। रसोई का संचालन अधिकार जीविका महिला संकुल संघ, पटोरी द्वारा किया जाएगा। अब अनुमंडलीय अस्पताल में लोगों को घर के जैसा बना भोजन प्राप्त होगा जो सस्ता पौष्टिक और स्वादिष्ट होगा। दीदी के रसोई से अस्पताल के मरीजों को नियमित मेनू के अनुसार भोजन दिया जाएगा । दीदी की रसोई का संचालन जीविका की दीदियों द्वारा किया जाएगा। जीविका दीदी की रसोई से स्वयं सहायता समूहों की दीदियों को रोजगार भी प्राप्त होगा। साथ ही मरीजों को पौष्टिक भोजन प्राप्त होगा। साथ ही पटोरी प्रखंड परिसर में दीदी अधिकार केंद्र एवं सामुदायिक पुस्तकालय सह कैरियर विकास केंद्र (CLCDC) भवन का उद्घाटन विकाश पांडेय रऊड पटोरी द्वारा किया गया। उनके द्वारा पुस्तकालय के बच्चों के साथ संवाद किया एवं जीविका दीदीयों से अधिकार केंद्र के कार्य की जानकारी ली। इस कार्यक्रम में अंजनी सिंह रऊ पटोरी, बिक्रांत शंकर सिंह (उढट जीविका), कुंदन कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी, पटोरी, अमिताभ रंजन सिंह चिकित्सा पदाधिकारी पटोरी एवं जीविका से संतोष कुमार (संचार प्रबंधक), नीरज कुमार (स्वास्थ प्रबंधक) सतेंद्र पांडेय (अधिप्राप्ति प्रबंधक), ऋषभ श्रीवास्तव (युवा पेशेवर स्वास्थ सह प्रखंड मेंटर) आतिफ सहरयार (प्रखंड परियोजना प्रबंधक), जीविका कर्मी एवं दर्जनों जीविका दीदी शामिल हुई।

मधुबनी जिले में 24 अगस्त को उर्दू वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

- नगर के डीआरडीए भवन के सभाकक्ष में सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक होगी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन.
- जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने वाद-विवाद प्रतियोगिता के सफल संचालन को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिए कई आवश्यक दिशानिर्देश.

मधुबनी जिले के डीआरडीए सभा भवन में उर्दू कोषांग के तत्त्वावधान में 24 अगस्त को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन होगा। प्रतियोगिता का आयोजन उर्दू भाषी विद्यार्थी प्रोत्साहन राज्य योजना के अंतर्गत उर्दू भाषी छात्र एवं छात्राओं के बीच जिला उर्दू भाषा कोषांग, मधुबनी द्वारा किया जाना है। 24 अगस्त को इस वाद-विवाद प्रतियोगिता का सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक आयोजन होगा. जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने वाद-विवाद प्रतियोगिता के सफल संचालन को लेकर संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए हैं.

BRIEF NEWS

मुजफ्फरपुर में फर्जी दरोगा चालान काटते गिरफ्तार

MUZAFFARPUR : बिहार के मुजफ्फरपुर में पुलिस ने एक युवक को फर्जी दरोगा बनकर अवैध वसूली करने पर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस को सूचना मिली थी एक युवक फर्जी दरोगा बनकर अवैध उगाही कर रहा है जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। मुजफ्फरपुर के थाना क्षेत्र में एक युवक फर्जी दरोगा बनकर सड़क पर अवैध उगाही कर रहा था। जिसकी सूचना पुलिस को मिले तो पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी दरोगा को रंगे हाथ पकड़ा। यह पूरा मामला जिले के बोचहा थाना क्षेत्र के सर्फुद्दीनपुर का है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बोचहा थाना क्षेत्र के रोशी गांव का रहने वाला श्रवण कुमार है। जो दरोगा की फर्जी वर्दी पहन कर सड़कों पर वाहन चालकों से अवैध वसूली कर रहा था। जब फर्जी दरोगा पर संदेह हुआ तो लोगों ने इसकी जानकरी पुलिस को दी। इस मामले की जानकरी मिलते ही पुलिस की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जिस पर अभी आगे की कार्रवाई चल रही है।

सीढ़ी के मलबे में दबकर बुजुर्ग महिला की मौत

NALANDA : नालंदा जिले के दीपनगर थानाक्षेत्र के मेहनौर गांव में सीढ़ी के मलबे में दबकर 50 वर्षीय बुजुर्ग महिला क मौत हो गयी। यह घटना मंगलवार की सुबह की है। मृतक महिला मेहनौर गांव निवासी स्व. राजो यादव की पत्नी निरो देवी है। बताया जाता है कि निरो देवी अपने घर में वर्षा से बचने के लिए घर में बनी कच्ची सीढी के पास छुप गई तेज वर्षा से मिट्टी का बना सीढी गिर गया। उसी मलबे में निरो दब गयी, जहां से परिवार वालों ने मलवा हटाकर निरो को बाहर निकाला, जिसे ईलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां ईलाज के दौरान ही महिला की मौत हो गयी। दीपनगर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया है।

आरक्षण और क्रीमी लेयर: एक अभियोग या आवश्यकता?

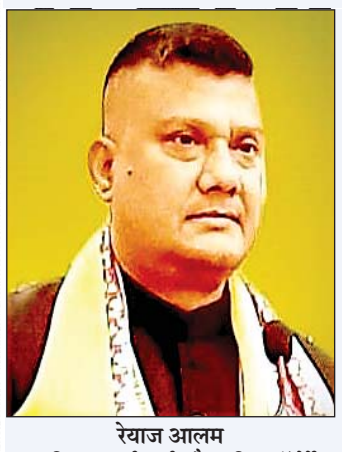

रेयाज आलम
सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ कॉपोरेट प्रोफेशनल ,

■ 1947 में आजादी के बाद जब नया भारत आकार ले रहा था, सामाजिक और आर्थिक समानता की नींव रखने के उद्देश्य से आरक्षण नीति की शुरूआत की गई। इसका मुख्य उद्देश्य था कि उन वर्गों को मुख्य धारा में लाया जाए, जिन्होंने सदियों से सामाजिक असमानता और भेदभाव सहा। हालाँकि, यह एक लंबी और कठिन यात्रा रही है, लेकिन सवाल उठता है : क्या ये जातियां हर क्षेत्र में अपेक्षित प्रतिनिधित्व पा चुकी हैं?

■ क्रीमी लेयर : विलेन या नायक?

आरक्षण नीति के तहत अंतर्गत 'क्रीमी लेयर' की अवधारणा आई, जिसका अर्थ है कि अगर आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के अंदर कुछ व्यक्ति आर्थिक दृष्टि से सक्षम हो गए हैं, तो उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इसका उद्देश्य यह था कि आरक्षण का लाभ केवल उन्ही लोगों को मिले जो वास्तव में जरूरतमंद हैं।

■ यहाँ सवाल उठता है कि क्या क्रीमी लेयर पर आधारित ये निर्णय सही हैं या नहीं? कुछ लोग इसे आरक्षण पर हमला मानते हैं, जबकि अन्य इसे एक नजरिए से देखते हैं कि यही नीति आरक्षण के वास्तविक उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम है।

■ निजीकरण और लेटरल एंट्री : आरक्षण का खतरा?

■ निजीकरण और लेटरल एंट्री जैसे कदमों को आरक्षण के खिलाफ माना गया है। कई लोग इसे आरक्षण की नीति को कमजोर करने वाला मानते हैं। जबकि सरकारी नौकरियों में आरक्षण लागू होता है, निजीकरण और लेटरल एंट्री के माध्यम से उन नीतियों के प्रभाव को कम करने का प्रयास समझा जाता है। इससे वंचित समुदायों को सरकारी क्षेत्र में नौकरी पाने के अवसर कम हो सकते हैं, जो उनके समग्र विकास के लिए नुकसान पहुँचा सकता है।

■ सामाजिक ढांचे में बदलाव और आरक्षण

■ एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है कि जो लोग आरक्षण के माध्यम से आगे बढ़ गए हैं, वे अपने ही समाज से 'बेटी-रोटी' का रिश्ता काफी हद तक तोड़ लेते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि आरक्षण का लाभ उन वर्गों तक नहीं पहुँच पाता जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। असल में, यह आरक्षण का सामाजिक और वैचारिक स्तर पर अधूरा रह जाने का परिणाम है, जबकि राजनीतिक रूप से यह पूरा हो सकता है।

■ आरक्षण और क्रीमी लेयर : एक अदृश्य संघर्ष

■ भारत में आरक्षण हमेशा से ही एक संवेदनशील और संघर्षपूर्ण मुद्दा रहा है। जहाँ एक वर्ग इसे समता और न्याय का माध्यम मानता है, वहीं दूसरा वर्ग इसे अपने लिए एक स्थाई दुश्मन के रूप में देखता है। आरक्षण नीति और इसके इर्द-गिर्द बने संघर्ष पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक हो गया है, खासकर तब जब क्रीमी लेयर और एक परिवार-एक लाभार्थी जैसे सिद्धांतों की चर्चा हो रही है।

■ क्रीमी लेयर की अवधारणा और कोर्ट का निर्णय

■ क्रीमी लेयर का सिद्धांत यह सुनिश्चित करने के लिए लाया गया था कि आरक्षण का वास्तविक लाभ उन्हीं लोगों तक पहुँचे जिन्हें इसकी जरूरत है। कोर्ट का निर्णय भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। स्वर्ण जातियों को इस निर्णय से उम्मीद जगी थी क्योंकि उन्हें लगा कि इससे धीरे-धीरे आरक्षण का दायरा संकुचित होगा और उन्हें इससे मुक्ति मिलेगी। क्रीमी लेयर और एक परिवार-एक लाभार्थी जैसे सिद्धांतों को कई लोग आरक्षण की नीतियों में सुधार के रूप में देख रहे थे।

■ आरक्षण : मुक्ति या स्थायित्व?

■ हालांकि, आरक्षण के खत्म होने की कोई तत्कालिक सूरत नजर नहीं आ रही है। यह एक ऐसी नीति है जो संपूर्ण सामाजिक और आर्थिक परिसरों में गहरी जड़ें जमा चुकी है। आरक्षण का मूल उद्देश्य आज भी प्रासंगिक है, लेकिन इसे कैसे लागू किया जाए यह एक बड़ी बहस का विषय है।

■ नए वर्ग संघर्ष की नींव

■ आज का बंद और इसके पीछे का सामाजिक विस्फोट एक नए वर्ग संघर्ष की नींव डाल सकता है। यह संघर्ष केवल आरक्षण की नीतियों को लेकर नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक समानता की ओर बढ़ने का प्रयास भी है।

■ जब एक वर्ग आरक्षण को अपने लिए स्थाई दुश्मन मान लेता है, तो यह समाज में विभाजन और तनाव को बढ़ावा देता है। ऐसे में, क्रीमी लेयर और एक परिवार-एक लाभार्थी जैसे सिद्धांतों के माध्यम से एक संतुलन बनाना अत्यावश्यक हो जाता है, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों को फायदा मिल सके और समाज में समानता कायम हो सके।

■ निष्कर्ष

आरक्षण एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है, जिसका समग्र समाधान खोजना आसान नहीं है। यह स्पष्ट है कि क्रीमी लेयर, निजीकरण, और लेटरल एंट्री जैसे मुद्दे आरक्षण की नीतियों पर असर डालते हैं। हालांकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि हम इस पर गहराई से विचार करें कि कैसे इन नीतियों को और अधिक न्यायसंगत और प्रभावी बनाया जा सकता है। समाज के हर वर्ग को समानता और अवसर प्रदान करना एक राष्ट्रीय दायित्व होना चाहिए और इसके लिए लगातार समर्पण और सही नीतियों की आवश्यकता है।

■ , एक सशक्त और एकजुट भारत के निर्माण में अपना योगदान दें, जहां सभी को समान अवसर और सम्मान मिले

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला कृषि टास्क फोर्स एवं जिलास्तरीय बागवानी समिति की बैठक

■ मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला कृषि टास्क फोर्स एवं जिलास्तरीय बागवानी समिति की बैठक हुई आयोजित.

■ जिलाधिकारी द्वारा वर्षापात, धान आच्छादन, डीजल अनुदान, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, मिट्टी जांच, पश्चिमी कोशी नहर से सिंचाई की अद्यतन स्थिति इत्यादि बिंदुओं की हुई समीक्षा.।

■ जिले में मखाना उत्पादक किसानों को भी डीजल अनुदान दिलवाने को लेकर विभाग से पत्राचार करने का दिया निर्देश।.

■ जिले में निर्धारित लक्ष्य के 95% तक हुई रोपनी.।

■ जिलाधिकारी ने उद्यान निदेशालय, पटना द्वारा आयोजित मखाना महोत्सव में भाग लेने वाले किसानों को दिया प्रशिक्षण प्रमाणपत्र. –

संवाददाता
अबु बकर

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय कृषि टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई. बैठक में जिलाधिकारी द्वारा वर्षापात, धान आच्छादन, डीजल अनुदान, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, मिट्टी जांच , पश्चिमी कोशी नहर से सिंचाई की अद्यतन स्थिति इत्यादि बिंदुओं की समीक्षा की गई. समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि अभी तक जिले में लक्ष्य का 95% रोपनी हुई है. डीजल अनुदान की समीक्षा के क्रम में बैठक में उपस्थित किसानों के द्वारा जिला पदाधिकारी से अनुरोध किया गया कि मखाना उत्पादक

किसानों को भी डीजल अनुदान का लाभ मिलना चाहिए. इस पर जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सहायक निदेशक, कृषि अभियंत्रण को निर्देश दिया कि विभाग को मखाना उत्पादक किसानों को भी डीजल अनुदान का लाभ देने हेतु विभाग को पत्राचार किया जाए.

मिट्टी जांच के समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी ने सहायक निदेशक, रसायन को निर्देश दिया कि संग्रहित किए गए मिट्टी नमूने को विश्लेषित कर मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों को जल्द उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे.

लघु सिंचाई विभाग की समीक्षा के क्रम में किसानों के द्वारा बताया गया कि कुसमार, खुटौना, महिनाथपुर , रामपट्टी, राजनगर में नहर के पानी से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है. इस पर जिला पदाधिकारी ने पश्चिमी कोशी नहर प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि किसानों को पाइप लगाकर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे किसानों के खेत की पर्याप्त सिंचाई हो सके.

किसानों के द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड नवीनीकरण एवं नए किसान क्रेडिट कार्ड बैंकों के द्वारा नहीं बनाए जाने के संबंध में भी जिला पदाधिकारी को अवगत कराया गया. जिला पदाधिकारी ने महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र को निर्देश दिया के जिला स्तरीय बैंकर्स समिति के बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी को भी बुलाया जाए एवं मत्स्य उत्पादक किसानों तथा फसल उत्पादक किसानों को भी केसीसी का लाभ मिले, इस दिशा में कार्रवाई की जाए. तत्पश्चात जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बागवानी समिति की बैठक आहूत की गई, जिसमें सहायक निदेशक, उद्यान के द्वारा उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया । जिला पदाधिकारी, के द्वारा उद्यान निदेशालय , पटना के द्वारा आयोजित मखाना महोत्सव में भाग लेने वाले किसानों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया. प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किसान महेश्वर ठाकुर, आशुतोष ठाकुर, राम बहादुर मुखिया, बेचन यादव, घूरन यादव, राम सुंदर महतो, अवधेश मिश्र इत्यादि को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र दिया गया.

महिला से चेन की छिनत?ई, बाइक सवार दो युवकों ने घटना को दिया अंजाम

संवाददाता
मोहम्मद जुबैर

टसमस्तीपुर : समस्तीपुर नगर थाना क्षेत्र के गोला बाजार में शीला देवी नामक एक महिला से बदमाशों ने चेन छिन ?त ?ई की घटना को अंजाम दिया है। जानकारी के अनुसार महिला पेठिया गाछी स्थित अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान महिला बाजार में जब पैदल जा रही थी तभी एक बाइक पर सवार दो युवकों ने महिला ने उसके गले से चेन झपट फरार हो गए। चेन का बाजार मूल्य करीब एक लाख रुपए बताया गया है

नालंदा में महिला की गोली मारकर हत्या

BIHARSARIF : जिले में कराय-परसुराय थाना क्षेत्र के चन्द्रकुरा बहियार में सोमवार की रात्रि एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान मखदुमपुर गांव निवासी शिव कुमार यादव की पत्नी बबीता कुमारी बतायी जाती है। घटना रात्री नौ बजे की है। घटना की सूचना कराय-परसुराय थानाध्यक्ष को दी गई। जिसमें बताया गया कि हिलसा-दनियावां पटना रोड से सटे चन्द्रकुरा बहियार के समीप एक महिला को गोली मारकर हत्या कर दी गयी है। सूचना मिलते ही करायपरसुराय थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम, जिसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हिलसा और अंचल निरीक्षक हिलसा भी शामिल थे, तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे जहां घटनास्थल पर बबीता देवी का शव बेहद गंभीर हालत में पड़ा मिला ।

जिलाधिकारी ने 33/11 के0 वी0 शक्ति उपकेन्द्र, वारिसनगर का निरीक्षण किया गया।

संवाददाता
मोहम्मद जुबैर

जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिनांक 21.08.2024 को 33/11 के० वी० शक्ति उपकेन्द्र, वारिसनगर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के कम में महोदय द्वारा सप्लाई टीम एवं ट्रान्समिशन टीम से विस्तृत जानकरी ली गई तथा प्रस्तावित 132/33 के० वी० ग्रिड उपकेन्द्र, वारिसनगर के लिए वारिसनगर प्रखण्ड अन्तर्गत लगभग 08 भूमि के भू-अर्जन के के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मौके पर अंचलाधिकारी, वारिसनगर मौजूद थे।

प्रो. मुसब्बिर आलम बने जनसुराज के जिलाध्यक्ष

KISHANGUNJ : प्रो. मुसब्बिर आलम जनसुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष बनाए गए है, जिसके बाद से उन्हें जमकर बधाइयां मिल रही है। वहीं, ठाकुरगंज की पूर्व प्रमुख रजिया सुल्ताना को पार्टी की महिला जिलाध्यक्ष और इकरामुल हक को पार्टी के युवा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। जानकारी के अनुसार किशनगंज शहर के लाइन उर्दू में जन सुराज कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान जन सुराज पार्टी ने अपने पार्टी का विस्तार किया है। बहादुरगंज के रहनेवाले प्रो. मुसब्बिर आलम को जनसुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष चुना गया है। वहीं राजद प्रखंड अध्यक्ष सह ग्राम पंचायत बंदरझूला के मुखिया इकरामुल हक ने राजद से इस्तीफा देकर जन सुराज पार्टी का दामन थामा है।

ममता बना रहीं घुसपैठियों का आधार कार्ड : गिरिराज

AGENCY PATNA : केंद्रीय मंत्री और बिहार के बेगूसराय से सांसद गिरिराज सिंह ने बंगाल सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। गिरिराज सिंह ने सीधा बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार हमला बोला है।

गिरिराज सिंह ने कहा है कि ममता बनर्जी बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों का आधार कार्ड बना रही हैं। ममता बनर्ती अगर आगे भी सीएम रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पश्चिम बंगाल दूसरा बांग्लादेश बन जाएगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि दिल्ली में जो महिला मेड हैं वह बांग्लादेशी हैं। यहां आराम से घूम रही हैं और काम कर रही हैं। बांग्लादेश की बांग्ला भाषा में बात करती हैं। बंगाल में एक गहन जांच की जरूरत है। ममता बनर्जी वोट की लालच में अवैध घुसपैठियों को रेड कार्पेट दे रही हैं। ममता बनर्जी आज बंगाल के सारे अस्तित्व को खत्म कर रही हैं, इसलिए इस पर जांच होनी चाहिए। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ दुराचार के बाद उसकी हत्या करने की घटना पर गिरिराज सिंह ने कहा कि यह बहुत ही अजीब है। मैं हैरान हूं। बंगाल में लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से खराब हो चुकी है।

अगले 10 साल में 10,000 मेगावाट खरीदने पर भारत हुआ तैयार

नेपाल बेचेगा बिहार को बिजली, मिली मंजूरी

- विद्युत आपूर्ति को लेकर बांग्लादेश से भी चल रही बात
- 12 जलविद्युत परियोजनाओं से 251 मेगावाट अतिरिक्त बिजली निर्यात को हरी झंडी

AGENCY PATNA :

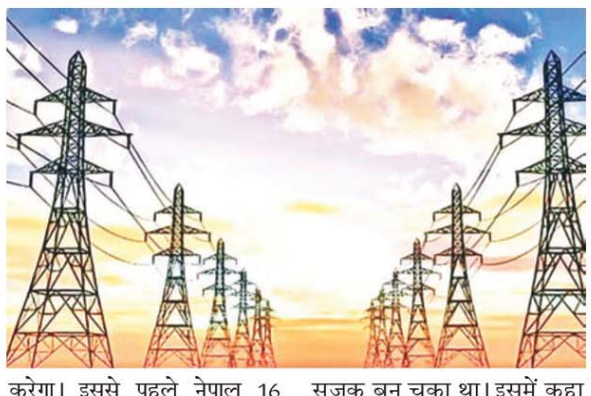

भारत ने नेपाल को 251 मेगावाट अतिरिक्त बिजली निर्यात करने की अनुमति दे दी है। यह पहली बार है जब हिमालयी देश बिहार को मध्यम अवधि के बिक्री समझौते के तहत बिजली की आपूर्ति करेगा। नेपाल में भारतीय दूतावास ने बयान में कहा कि भारत के सीमापार व्यापार के लिए नामित प्राधिकरण ने नेपाल में 12 जलविद्युत परियोजनाओं से 251 मेगावाट अतिरिक्त बिजली निर्यात को मंजूरी दी है। इसके साथ ही नेपाल 28 परियोजनाओं से 941 मेगावाट जलविद्युत का निर्यात करेगा। इससे पहले नेपाल 16 परियोजनाओं से 690 मेगावाट बिजली निर्यात कर रहा था।

2021 में भारत से पहली पहली बार हुआ था सौदा : बयान में कहा गया है कि 251 मेगावाट की इस मंजूरी से पहले ही नेपाल पिछले वित्त वर्ष में 16.93 अरब नेपाली रुपये की बिजली बेचकर बिजली का शुद्ध निर्यातक और शुद्ध राजस्व सृजक बन चुका था। इसमें कहा गया है कि अक्टूबर, 2021 में भारत ने पहली बार नेपाल से 39 मेगावाट बिजली निर्यात को मंजूरी दी। इसमें कहा गया है कि तीन साल से भी कम समय में यह आंकड़ा 24 गुना से अधिक बढ़ गया है। भारत और नेपाल ने दीर्घकालिक बिजली व्यापार के लिए एक समझौता किया है, जिसमें अगले 10 साल में नेपाल से भारत को 10,000 मेगावाट तक बिजली की बिक्री की परिकल्पना की गई है। यह समझौते का पहला वर्ष है और लगभग 1,000 मेगावाट निर्यात पहले ही हो चुका है। बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली की बिक्री के लिए एक समझौते को भी अंतिम रूप दिया गया है और इसपर 28 जुलाई को हस्ताक्षर करने की योजना थी, लेकिन बांग्लादेश में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। इन घटनाक्रमों के साथ, नेपाल अब दक्षिण एशियाई क्षेत्र का अग्रणी जलविद्युत निर्यातक बनने की राह पर है। नेपाल बिजली बेचकर अपने विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी करने की एक वृहत योजना तैयार कर रखी है।

बिहार बोर्ड इंटर में स्पॉट नामांकन की तिथि बढ़ी

PATNA : बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा इंटर सत्र 2024-26 में स्पॉट नामांकन की तिथि 22 अगस्त तक विस्तारित कर दी गई है। पहले नामांकन की अंतिम तिथि 12 से 17 अगस्त तक निर्धारित की गई थी। उसे अब बढ़ा दी गई है। छात्र ओएफएसएस के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जो खाली सीटें बची हैं, उसी पर नामांकन होना है। अब तक किसी कारणवश अगर किसी छात्र या छात्रा का नामांकन नहीं हुआ है तो वे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सीबीएसइ, सीआइएससीइ समेत अन्य सभी बोर्ड से उत्तीर्ण विद्यार्थी स्पॉट नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। ओएफएसएस नामांकन प्रक्रिया के तहत प्रथम, द्वितीय सूची में चयनित तथा नामांकित विद्यार्थी, जिन्होंने नामांकन के बाद स्लाइड-अप का विकल्प दिया था। लेकिन स्लाइड-अप वाले संस्थान में अंतिम रूप से नामांकन नहीं ले सके।

मुख्यमंत्री ने वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय का किया निरीक्षण

AGENCY PATNA : मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैशाली जिला के वैशालीगढ़ स्थित निमार्णाधीन बुद्ध सम्यक दर्शन-सह-बुद्ध स्मृति स्तूप का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पूरे परिसर के विकास कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने बुद्ध स्तूप के भू-तल एवं प्रथम तल का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने पुस्तकालय एवं ध्यान कक्ष का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय एवं बुद्ध स्मृति स्तूप के निर्माण कार्य की प्रगति की अद्यतन जानकारी दी। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हम यहां हमेशा आते रहते हैं और यहां के निर्माण कार्यों

समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

का निरीक्षण करते रहते हैं। योजना के अनुरूप कार्य जल्द-से-जल्द पूर्ण करें। परिसर में पौधरोपण भी कराएं। यहां अच्छे ढंग से वाटर बॉडी का भी निर्माण कराएं। साथ ही परिसर के अंदर भी रास्ते का निर्माण ठीक से कराएं। उन्होंने कहा कि आवागमन को भी बेहतर किया जा रहा है ताकि आसानी से और कम समय में पर्यटक यहां पर पहुंच सकें। अधिक से अधिक संख्या में पर्यटकों के आने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैशाली ऐतिहासिक और पौराणिक जगह है। भगवान बुद्ध के जितने भी अस्थि कलश मिले हैं, उसमें वैशाली में मिला अस्थि कलश सबसे प्रामाणिक है। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-बुद्ध स्मृति स्तूप के बन जाने के बाद यहां बौद्ध भिक्षु के साथ-साथ बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक भी आएंगे। बोधगया और राजगीर आनेवाले श्रद्धालु भी यहां आएंगे। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय में महात्मा बुद्ध के जीवन से संबंधित घटनाओं और बौद्ध धर्म से जुड़े प्रसंगों को यहां दशार्या जाएगा।

तोड़फोड़ के लिए क्यूआर कोड डालकर ऑनलाइन 67 हजार जुटाए

मुजफ्फरपुर। में दलित नाबालिग लड़की की हत्या के बाद रविवार को बहुजन आर्मी के अध्यक्ष गोल्डेन दास ने अपने समर्थकों के साथ आरोपी के घर तोड़फोड़ की। गांव के आसपास के घरों को भी नुकसान पहुंचाया गया। लूटपाट भी हुई। इस मामले में गोल्डेन दास समेत 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मौके से 12 से ज्यादा बाइक, एक फॉर्च्यूनर कार जब्त की है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि 'पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए गोल्डेन दास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें एक क्यूआर कोड डाला गया था।' पुलिस ने आगे बताया कि 'क्यूआर कोड के जरिए करीब 67 हजार रुपए चंदा इकट्ठा हुआ। इसी पैसे से उसने दर्जनों बाइक और एक कार किराए पर ली। इसके बाद कार से वह अपने

समर्थकों के साथ आरोपी संजय राय के गांव पारू पहुंचा। समर्थकों ने तोड़फोड़ और लूटपाट की। पुलिस के मुताबिक, उसने वहां पहले से ही संगठन के लोगों को पैसे देकर जुटाकर रखा था। उसने अपने भाषण से लोगों को उपद्रव के लिए उकसाया। गोल्डेन दास पर पहले से ही 23 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें अधिकांश मुकदमे हमले और उपद्रव के हैं।दरअसल, रविवार को आरोपी संजय राय के घर तोड़फोड़ की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। इस दौरान गोल्डेन के समर्थकों ने ईंट-पत्थर से पुलिस पर भी हमला कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बल का प्रयोग कर इन्हें खदेड़ दिया था। इस बीच गोल्डेन दास का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह कान पकड़कर सभी से माफी मांगते हुए नजर आ रहा है। SSP राकेश कुमार ने बताया कि इस घटना के बाद लगातार राजनीतिक दलों का उस गांव में आना जाना हो रहा था। इसी दौरान रविवार को गोल्डन दास अपने समर्थकों के साथ वहां आया था। वहां पर काफी उग्र तरीके से भाषण दिया। जिससे उसके समर्थक भड़क गए। इसके बाद उसके समर्थकों ने 5 से 6 घरों में जाकर तोड़फोड़ की। ये घर आरोपी संजय राय के कास्ट के बताए जा रहे हैं। तोड़फोड़ के दौरान पुलिस वहीं पर मौजूद थी। जब माहौल खराब होने लगा, तो पुलिस ने कार्रवाई की। बल का प्रयोग कर उपद्रवियों को वहां से भगाया गया। इसी दौरान 16 लोग पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस के मुताबिक, इस पूरे उपद्रव का मुख्य आरोपी गोल्डन दास है। जब पुलिस ने इसका आपराधिक इतिहास देखा, तो कुल मिलाकर 23 केस इनके ऊपर पाए गए। मुजफ्फरपुर में भी गोल्डन के खिलाफ दो केस दर्ज हैं। जिसमें पहला केस आरोपी के घर में तोड़-फोड़ और लूटपाट का है। दूसरा उपद्रव के दौरान पुलिस पर पथराव का।

इस घटना के बाद गोल्डेन दास मीडिया के सामने आया। उसने कहा, 'मैं अब तक जो कुछ भी बिहार पुलिस के में बोलते आया हूं। उसके लिए दोनों कान पकड़कर माफी मांगता हूं। बिहार पुलिस मेरे लिए सम्मानित है। बिहार पुलिस हो या कोई सिपाही किसी के संबंध में कोई भी उल्टा शब्द निकला हो, तो माफी मांगता हूं। औरंगाबाद के रहने वाले गोल्डेन दास का कहना है कि 'सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई गई। इसी के बाद हम यहां पहुंचे। यहां आने पर मुझे सच्चाई का पता चला।' पिछले सोमवार (12 अगस्त) 9वीं क्लास की छात्रा की हत्या कर दी गई थी। उसका शव अगले दिन मंगलवार (13 अगस्त) को धनग्न हालत में पोखर में मिला था। उसके मुंह पर कपड़ा बंधा था। छात्रा के परिवार ने कहा था 'शादी से इनकार करने पर नाबालिग (14) के परिजनों को आरोपियों ने पहले धमकी दी। इसके बाद रविवार (11 अगस्त) को गन पॉइंट पर घर में सो रही लड़की को किडनैप कर लिया। परिवार ने 45 साल के संजय राय और उसके साथियों पर आरोप लगाया था। पहले बताया गया था कि नाबालिग के साथ गैंगरेप हुआ। आरोपियों ने उसके ब्रेस्ट काट दिए। प्राइवेट पार्ट पर भी चाकू से हमला किया। हालांकि, पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट में इसका खुलासा नहीं हुआ है।

संक्षिप्त डायरी

चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

छपरा। शहर के राजेंद्र स्टेडियम में चार दिवसीय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन जिलाधिकारी अमन समीर द्वारा दीप प्रज्जवलित तथा गुब्बारा उड़ाकर विधिवत किया गया। अपने तय समय से 1 घंटे लेट से खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ के साथ ही जिले के अलग-अलग जगहों पर प्रतियोगिता की शुरूआत हो गई है। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन राजेन्द्र स्टेडियम में आयोजित था। जबकि अलग-अलग सभी खेलों का आयोजन अलग अलग जगहों पर किया जाना है। जिला प्रशासन एयर खेल विभाग द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। खेल की शुरूआत 1500 मीटर दौड़ के साथ हुई। डीएम अमन समीर ने दौड़ को झंडा दिखाया। राजेन्द्र स्टेडियम में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में सरकारी विद्यालयों का प्रतिनिधित्व अन्य वर्षों की तुलना में बेहद कम है। जबकि जिले के कोने कोने से निजी विद्यालयों के छात्र विभिन्न खेलो में हिस्सा लेने पहुंच रहे हैं। खेल के शुभारंभ के दौरान मार्च पास्ट में निजी स्कूलों का प्रतिनिधित्व ज्यादा दिखा। यह चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता 20 अगस्त से 24 अगस्त तक होगा। एथलेटिक्स और खो खो खेल की प्रतियोगिता राजेंद्र स्टेडियम में 20 व 21 अगस्त को होगी। कबड्डी की स्पर्धा 20-21 अगस्त, योगा 20 अगस्त को खेल भवन में, वॉलीबॉल 20-21 अगस्त को जिला स्कूल परिसर, कुश्ती 21 अगस्त को खेल भवन, बैडमिंटन 22 अगस्त को राजपूत हाई स्कूल, वुशू व शतरंज 22 अगस्त को खेल भवन, फुटबॉल 22 अगस्त को राजेंद्र स्टेडियम, ताइक्वांडो 23 अगस्त को खेल भवन, क्रिकेट 23 अगस्त को राजेंद्र स्टेडियम, हैंडबॉल 23 अगस्त को उच्च विद्यालय मशरख, रग्बी 24 अगस्त को राजेंद्र स्टेडियम तथा बॉक्सिंग 24 अगस्त को राम जंगल सिंह कॉलेज परिसर में आयोजित किया जाएगा।

लूट की बाइक के साथ दो बदमाश गिरफ्तार ज्वेलरी दूकान में फायरिंग के आरोप में थे नामजद

सीतामढ़ी। के पुपरी थाना पुलिस ने लूट व आर्म्स एक्ट मामले में दो अपराधी को गिरफ्तार किया है। बतादे की थाना क्षेत्र के आवापुर गांव के समीप दोनो बदमाश को लोडेड देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान बाजपट्टी थाना के बाचोपट्टी गांव निवासी उण्डेश्वर मंडल के पुत्र नीतीश कुमार व लक्ष्मी मुखिया के पुत्र सोनेलाल कुमार के रूप में की गई हैं। लूट की बाइक को जाली नंबर डालकर चलाते थे मामले में डीएसपी पुपरी अतनु दत्ता ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी के पास से पल्सर बाइक भी जब्त किया गया है। यह पल्सर बाइक 13 जुलाई 24 को पुपरी थाना क्षेत्र के हरिहरपुर चौक के पास फायरिंग कर लूटी गई थी। जिस बाइक को बरामद करा लिया गया। डीएसपी ने बताया कि अपराधियों ने उक्त बाइक पर जाली नम्बर डालकर उपयोग करते थे। इस बाइक का उपयोग 15 जुलाई 24 को आबापुर में रमेश ज्वेलर्स में लूट के इरादे से घुसकर फायरिंग किया गया था। हालांकि, दुकानदार की बहादुरी से लूट का प्रयास विफल हो गया। किन्तु अपराधी भागने में सफल हुए थे।

देसी पिस्टल के साथ मोबाइल बरामद पुपरी थाने में लूट व आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज कांड संख्या 281/24 व 285/24 के अनुसंधान के क्रम में थानाध्यक्ष चंद्रभूषण कुमार सिंह, एसआई शैलेश कुमार, मनोज कुमार व रंजीत कुमार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से अपराधियों को दबोचा गया है। लूट व आर्म्स एक्ट मामले में अपराधियों से तलाशी के दौरान एक देसी पिस्टल, एक गोली व दो मोबाइल जब्त किया गया है। जबकि तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। घटना में संलिप्त अन्य अपराधियों की खोज सरगर्मी से की जा रही है। गिरफ्तार अपराधी नीतीश कुमार व सोनेलाल कुमार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

हाथीपांव पीड़ित न कराएं ऑपरेशन,दवा ही है बचाव का उपाय

सासाराम। जिला मुख्यालय सासाराम के सदर अस्पताल में मंगलवार को फाइलेरियारोधी दवा से वंचित लोगों को दवा का सेवन कराया गया। बता दें कि सदर अस्पताल में दिव्यांगता सर्टिफिकेट को लेकर लोग पहुंचे हुए थे। फाइलेरिया विभाग के लोगों ने एमडीए अभियान की जानकारी देते हुए दवा सेवन के बारे में जानकारी लिया। जिन लोगों ने दवा नहीं खाया था, उन लोगों को वहां दवा सेवन कराया गया। वहीं कुछ लोगों ने बताया कि वे लोग दवा सेवन कर चुके हैं। बता दें कि फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर 10 अगस्त से सर्वजन दवा सेवन अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें आशा कर्मी घर-घर जाकर लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा सेवन करवा रही हैं। मौके पर सिविल सर्जन डॉक्टर मणिराज रंजन ने बताया कि फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है। इसका लक्षण 12 से 15 वर्ष के बाद दिखाई देता है। एक बार यह लक्षण दिखाई देने के बाद यह बीमारी कभी ठीक नहीं होता है। उन्होंने बताया कि हाथीपांव को ऑपरेशन से भी ठीक नहीं किया जा सकता है। इसलिए इसे अति गंभीर बीमारी माना गया है। हाथीपांव बीमारी से बचने के लिए सिर्फ दवा ही एक उपाय है। इस दवा का सेवन प्रतिवर्ष अभियान चला कर कराया जाता है। हाथीपांव पीड़ित न कराएं सर्जरी वेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी जयप्रकाश गौतम ने भी बताया कि हाथीपांव के लिए कोई ऑपरेशन नहीं है। इसलिए जो लोग भी ऑपरेशन के लिए सोच रहे हैं वे लोग नहीं करवाएं।

उन्होंने बताया कि हाथीपांव पीड़ितों के लिए सरकार द्वारा विशेष चप्पल एवं देखभाल के लिए एमएमडीपी किट मुहैया कराई जाती है। परंतु जो लोग हाथीपांव से पीड़ित नहीं हैं, वे लोग भी अभियान के दौरान दवा का सेवन कर-के खुद के साथ-साथ अपने घर के लोगों को भी इस गंभीर बीमारी से बचा सकते हैं।

दरियापुर में खेत से युवक का शव बरामद छपरा में हत्या कर शव फेंकने का आरोप

छपरा। के परसा नगर पंचायत क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव में एक युवक का शव मकई के खेत से बरामद किया गया। शव मिलने की खबर से घटनास्थल पर स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार युवक सोमवार की रात से लापता था। वहीं मंगलवार को उसका शव बरामद किया गया। युवक के शरीर पर गहरे जख्म और जलने के निशान होने की सूचना है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक की

हत्या कर शव को फेंक दिया गया। मृतक की पहचान दरियापुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव निवासी मुन्ना ठाकुर (32) पिता धर्मदेव ठाकुर के रूप में हुई है। मुन्ना परसा बाजार में सैलून चलाता था। मृतक के पत्नी ने जमीन विवाद में हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए मृतक की पत्नी ने बताया कि उसके शरीर पर गहरे जख्म के निशान है। उसको करंट देकर मार दिया गया है। उसको पहले भी हत्या को लेकर धमकी मिल चुकी थी।वहीं दरियापुर थाना अध्यक्ष ने बताया कि एक व्यक्ति का का शव खेत से बरामद किया गया है। परिजनों के आवेदन पर कार्रवाई की जा रही है।

तमसा नदी में 10 श्रद्धालु फंसे, SSB ने किया रेस्क्यू:वाल्मीकिनगर में फिर बड़ा हादसा टला, 8 दिन पहले भी बचाए गए थे 69 लोग

बगहा (वाल्मिकीनगर)। बगहा के तमसा नदी में एक बार फिर बड़ा हादसा होने से टल गया। इस बार 10 श्रद्धालु वाल्मीकि आश्रम से लौटने के क्रम में नदी में फंस गए। जिन्हें के द्वारा बचाया गया। पूरे स्थिति का वीडियो एसपी के द्वारा जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि जब श्रद्धालु दर्शन कर लौट रहे थे, तभी अचानक पानी के तेज बहाव में फंस गए। सूचना मिलते ही 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कार्मिकों ने त्वरित कार्रवाई की। मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। बलकार्मिकों ने मानव श्रृंखला बनाकर और उपलब्ध संसाधनों का

उपयोग करते हुए सभी 10 श्रद्धालुओं, जिनमें 8 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल थे, को सकुशल नदी से बाहर निकाला।यह दूसरी बार है जब एसएसबी के बलकार्मिकों ने इसी नदी से श्रद्धालुओं को सुरक्षित बचाया है। इससे पहले भी इसी नदी में फंसे 69 श्रद्धालुओं का एसएसबी ने समय रहते रेस्क्यू किया था। मानसून के दौरान नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने-घटने से श्रद्धालुओं को इस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। रेस्क्यू के बाद सभी श्रद्धालु अपने घर की ओर रवाना हो गए। रइ के द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश के महाराजगंज निवासी तुषार गुप्ता के साथ छह श्रद्धालु और वाल्मीकि नगर के राहुल कुमार रजक के साथ चार श्रद्धालु दर्शन के लिए गए थे।इससे पहले 12 अगस्त को बगहा के नदी में पानी बढ़ने से 69 लोग फंस गए थे। रइ और नेपाल की मदद से सभी को रेस्क्यू किया गया था। सभी नेपाल के वाल्मीकि आश्रम में दर्शन के लिए गए थे।

86 साल की उम्र में पायलट बाबा का निधन:PM मोदी और नीतीश भी ले चुके हैं आशीर्वाद, जमीन के नीचे लेते थे समाधि

सासाराम। मंगलवार को पायलट बाबा के नाम से मशहूर महायोगी कपिल अद्वैत सामनाथ गिरी ने अंतिम सांस ली। वे किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। मुंबई के धीरूभाई कोकिला बेन अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। बाबा के देहांत से सासाराम स्थित पायलट बाबा धाम आश्रम और भक्तों में शोक की लहर है। पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार भी बाबा से आशीर्वाद ले चुके हैं।

जमीन के नीचे होती थी समाधि

पायलट बाबा का जन्म रोहतास जिले के बिशनपुरा गांव में 1938 में हुआ था। वे चंद्रमा सिंह और तपेश्वरी देवी के बेटे थे। योग विद्या में सिद्धस्थ थे। वे लंबे समय तक समाधि या मुत्यु जैसी शारीरिक अवस्था में प्रवेश करने के लिए जाने जाते थे। उनकी समाधि हमेशा जमीन के नीचे होती थी।महायोगी पायलट बाबा के भारत के साथ-साथ जापान और यूरोप में आश्रम हैं। भारत में उनके सासाराम, हरिद्वार, नैनीताल और उत्तरकाशी जैसे जगहों पर आश्रम हैं। बाबा ने आधा दर्जन पुस्तकें लिखी है। इसमें 'कैलाश मानसरोवर', 'ज्ञान के मोती', 'हिमालय के रहस्यों को जानें', 'अंतर्यात्रा', 'आप से स्वयं तक की तीर्थयात्रा' और 'हिमालय कह रहा है' आदि शामिल हैं।

बाढ़ में सड़क हादसे में 1 युवक की मौत दूसरा युवक जख्मी

पटना। के बाढ़ अनुमंडल के सवेरा सिनेमा हॉल के नजदीक मंगलवार की सुबह सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि, दूसरा जख्मी। बाढ़ के अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच भेज दिया गया है।

पेड़ से टकराई बाइक दरअसल, मंगलवार की सुबह बाइक से दो युवक जा रहे थे। तेज रफ्तार होने की वजह से बाइक अनियंत्रित हो गई। इसके बाद सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में बाइक चला रहे साहिल कुमार (20) ने दम तोड़ दिया। जबकि, दूसरा युवक अभिनव राज उर्फ बबलू (36) घायल हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना बाढ़ पुलिस को दी। बाढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि बाइक सवार युवक किसी पार्टी से घर लौट रहे थे।

दरभंगा एयरपोर्ट के प्रवेश द्वार पर शेड का काम अधूरा

दरभंगा। एयरपोर्ट के प्रवेश द्वार के पास उतरी भाग में मधुबनी-जयनगर सड़क किनारे यात्री शेड और फेवर ब्लाक का निर्माण होना था। इसकी कार्य अवधि की समय सीमा समाप्त हो गई। इसके बावजूद निर्माण का काम पूरा नहीं हुआ है। जबकि, संवेदक को तीन महीने में काम पूरा करना था। एयरपोर्ट से सफर करने वाले यात्रियों को उम्मीद थी कि दूसरा शेड बन जाएगा। इसके बाद दूसरे जिले से आकर अपने स्वजन का इंतजार करने वालों को कुछ सुविधा मिलेगी। लेकिन, काम पूरा नहीं हो सका है।दरभंगा एयरपोर्ट के दूसरे यात्री शेड और फेवर ब्लाक के निर्माण के लिए स्थानीय क्षेत्र अनियंत्रण संगठन कार्य प्रमंडल-एक से 12 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई थी। इसमें 77 फीट लंबा और 32 फीट चौड़ा शेड का निर्माण करना था। इसका निर्माण मार्च 2024 में शुरू किया गया। जानकारों के अनुसार यात्री शेड की लंबाई और चौड़ाई प्राक्कलन के मुताबिक नहीं है। दरभंगा एयरपोर्ट में अब-तक एक प्रतीक्षालय है, जहां यात्री और उनके परिजन ठहरते हैं।

बारिश के पानी से यात्रियों का बचना मुश्किल लोगों को मौसम खराब होने के कारण परेशानी होती है। यहां पर एक साथ तीन-चार फ्लाइट लैंड करती है, तो यह प्रतीक्षालय छोटा पड़ जाता है। बारिश के पानी से यात्रियों का बचना मुश्किल हो जाता है।

चप्पल के निशान से खुला मर्डर का राज शादी के बाद भी प्रेमिका को साथ रखना चाहता था

मोतिहारी। में 14 अगस्त को घर में घुसकर कुल्हाड़ी से काटकर एक लड़की की हत्या कर दी जाती है। परिजन पड़ोसी प्रेमी चुनचुन पर हत्या का आरोप लगाते हैं। पुलिस छानबीन में जुटती है, लेकिन चुनचुन के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं जुटा पाती है। 15 अगस्त को एक बार फिर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचती है। छानबीन के दौरान घर के पीछे खिड़की के नीचे किसी के चप्पल का निशान पुलिस को दिखता है। पुलिस उस दाग की तस्वीर ले लेती है। ये एक तस्वीर वारदात की पूरी गुत्थी को खोलकर रख देती है। मोतिहारी के

मधुबन थाना क्षेत्र के गुरमिया गांव में पूजा (19) नाम की एक लड़की का शव उसके घर में मिलता है। गला काटकर उसकी हत्या की गई होती है। घर वाले पड़ोस के रहने वाले उसके प्रेमी चुनचुन (24) पर लगाते हैं। पुलिस मौके पर पहुंचती है। जांच करती है, परिजनों का बयान लेती है। बयान के आधार पर पुलिस आरोपी चुनचुन पूछताछ करती है, लेकिन वो साफ मुकर जाता है। पुलिस के पास कोई ठोस सबूत नहीं होता। लिहाजा, पुलिस अपने जांच के दायरे को बढ़ाती है। अब चुनचुन और पूजा की लव स्टोरी जानिए पूजा का घर चुनचुन के घर के बगल था। दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला बढ़ता है और वो आपस में करीब आ जाते हैं। डेढ़ साल से दोनों के बीच अफेयर चल रहा होता है। इस बीच चुनचुन की शादी हो जाती है। वारदात के 7 दिन पहले चुनचुन की पत्नी पूजा से बात करते हुए अपने पति को पकड़ लेती है। वो पूजा से इस बात को लेकर लड़ती है। इसके बाद पूजा चुनचुन का नंबर ब्लॉक कर देती है। चुनचुन इस बात परेशान हो जाता है, लेकिन पूजा अपने फैसला नहीं बदलती है। अब वारदात की वजह समझिए 14 अगस्त को चुनचुन पूजा को मैसेज करता है कि वो उसका वीडियो वायरल कर देगा। इसके बाद पूजा उसे अन ब्लॉक करती है। दोनों में 4 दफे बात होती है। पूजा चुनचुन से कहती है कि वो अब पुलिस के पास जा रही है। पुलिस की बात सुनकर चुनचुन डर जाता है। उसे पता चलता है कि पूजा की नानी गांव में किसी शादी में गई है। वो उसके घर पहुंचता है और पूजा का मोबाइल ढूंढने लगता है, लेकिन पता चलता है कि मोबाइल नानी लेकर गई है। दोनों के बीच बहस होती है। चुनचुन पूजा का गला पकड़ लेता है। वो बचने के लिए चुनचुन के प्राइवेट पार्ट पर पैर से मार देती है। इसके बाद गुस्से में चुनचुन घर में पड़े कुल्हाड़ी से पूजा के गले पर वार कर देता है। वो जमीन पर गिर जाती है और दम तोड़ देती है। फिर वो घर के पीछे की खिड़की से कूदकर भाग जाता है।वारदात के एक दिन बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचती है। घर के कोने-कोने को खंगालती है। उसके बाद पुलिस घर के पीछे जाती है। वहां खिड़की के नीचे उसे एक चप्पल का निशान मिलता है। जानकारी के मुताबिक, 13 अगस्त की रात बारिश हुई थी।

ठा. श्रीराधा दामोदर मंदिर में धूमधाम से संपन्न हुआ गौडीय

सम्प्रदायाचार्य श्रील रूप गोस्वामी महाराज का तिरोभाव महोत्सव

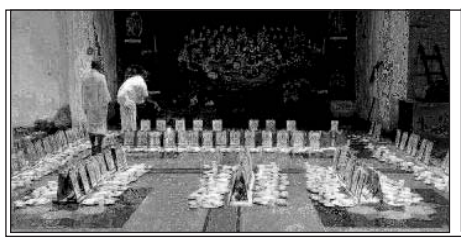

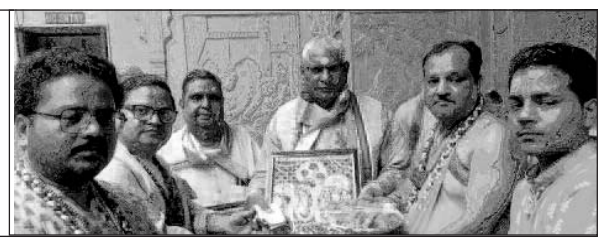

(डॉ. गोपाल चतुवेर्दी)

वृन्दावन। सेवाकुंज क्षेत्र स्थित प्राचीन ठाकुर श्रीराधा दामोदर मंदिर में गौडीय सम्प्रदायाचार्य श्रील श्रीरूप गोस्वामी महाराज का तिरोभाव महोत्सव मंदिर की प्रधान सेवायत आचार्या श्रीमती तरुलता गोस्वामी (मां गुसाईं) की अध्यक्षता में अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ संपन्न हुआ।सर्वप्रथम संतों व भक्तों के द्वारा श्रील श्रीपाद रूप गोस्वामी के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया गया।तत्पश्चात गौडीय संप्रदाय के चौंसठ महंतो के चित्रपट के समक्ष छप्पन-भोग भोजन का अत्यंत श्रद्धा से भोग लगाया गया।साथ ही संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य सूचक गायन किया गया। इस अवसर पर आयोजित संत-विद्वत सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त करते हुए विश्वविख्यात भागवत प्रवक्ता अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कहा कि श्रीपाद रूप गोस्वामी महाराज ब्रज रस भक्ति के परम उपासक थे।उन्होंने अत्यंत साधनामय जीवन जीकर और असंख्य व्यक्तियों का कल्याण कर उन्हें कृष्ण भक्ति की ओर अग्रसर किया। मन्दिर के वरिष्ठ सेवायत आचार्य करुण गोस्वामी एवं आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी महाराज ने कहा कि ठाकुर श्रीराधा दामोदर मंदिर गौडीय संप्रदाय का प्रमुख केंद्र हैं।यह श्रीपाद रूप गोस्वामी महाराज की भजन स्थली रही है।साथ ही यहां उनका समाधि स्थल भी बना हुआ है।जहां असंख्य भक्तों-श्रद्धालुओं के द्वारा श्रीहरिनाम संकीर्तन का कार्यक्रम किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुवेर्दी एवं पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ ने कहा कि श्रीपाद रूप गोस्वामी महाराज गौडीय सम्प्रदाय के षट गोस्वामियों में सर्वप्रमुख थे।कलयुग पावनावतार चैतन्य महाप्रभु से प्रेरित होकर उन्होंने अपना मंत्री पद का त्याग कर अपना समूचा जीवन ब्रज में रह कर श्रीकृष्ण भक्ति में समर्पित कर दिया। इस अवसर पर भागवताचार्य कृष्ण मुरारी शास्त्री, ब्रजवासी जगद्गुरु कृष्ण कन्हैया पदरेणु, आचार्य श्यामबिहारी चतुवेर्दी, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा, आचार्य ईश्वर चंद्र रावत, आचार्य विष्णुकांत भारद्वाज उर्फ ब्रजवासी भैया आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।संचालन डॉ. गोपाल चतुवेर्दी ने किया। मन्दिर के सेवायत आचार्य पूर्णचंद्र गोस्वामी महाराज ने सभी विद्वानों का ठाकुरजी का चित्रपट, पटुका-प्रसादी-माला एवं दक्षिणा आदि भेंट कर सम्मान किया।महोत्सव का समापन संत,ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।

संक्षिप्त डायरी

कुमार स्वामी के खिलाफ हिंदूवादी दिनेश शर्मा ने न्यायालय में वाद दाखिल किया

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर का केस लड़ रहे हिंदूवादी नेता दिनेश शर्मा ने आज कुमार स्वामी के खिलाफ सीजेएम कोर्ट में मुकदमा पेश किया, दिनेश शर्मा ने बताया कि कुमार स्वामी ने भगवान श्री कृष्ण को चरित्रहीन कहा है और कहा है कि 16000 शादियां कर ली और 100-100 बच्चे पैदा कर दिए,यह कृष्णा चरित्रहीन है, हिंदूवादी नेता दिनेश समान बताया कि कुमार स्वामी ने हिंदू शब्द की व्याख्या अलग तरह से की है, उन्होंने हिंदू शब्द को चोर,लुटेरा, डाकू कहा है, उन्होंने कहा कि कुमार स्वामी अंधविश्वास फैलाकर लोगों से ठगी का काम करते हैं, यह लोग भगवान के नाम से खाते हैं और भगवान को ही गाली देते हैं, ऐसे लोगों पर कार्रवाई होना बहुत जरूरी है, उन्होंने कहा कि करोड़ करोड़ हिन्दुओं के भगवान श्री कृष्ण के आराध्य हैं, सभी सनातनी हिंदुओं की भावना को ठेस पहुंचा है, उन्होंने कहा कि मैं भी भगवान श्री कृष्ण का भक्त हूं, मैं भगवान श्री कृष्ण जन्म भूमि मंदिर से मस्जिद को हटाने वाला केस लड़ रहा हूं, मेरी भावना बहुत आहत हुई है, ऐसे लोग आस्था के नाम पर खिलवाड़ करके करोड़ों अरबो रुपए की संपत्ति अर्जित कर लेते हैं, इन लोगों की संपत्ति की जांच भी होनी चाहिए. उन्होंने कहा कुमार स्वामी द्वारा दिए गए बयानों के आधार पर, उनके बयानों की वीडियो के आधार पर, हमने यह मुकदमा न्यायालय में पेश किया है, जिसमें लोगों की भावना आहत होने और अंधविश्वास फैलाने की धाराएं पंजीकृत की जानी चाहिए. आपको बता दें कि यह वही दिनेश शर्मा है जिन्होंने भगवान श्री कृष्ण मंदिर बनने तक अन्न छोड़ दिया है और नंगे पर रहते हैं, इस अवसर पर एडवोकेट मनीष गुप्ता एडवोकेट सौरभ शर्मा एडवोकेट रजत शर्मा और कन्हैयालाल कौशिक, आचार्य सृष्टि सारस्वत,अश्विनी शर्मा,राजेश पाठक, राकेश ठाकुर, बलराम चौधरी आदि मौजूद रहे।

पुण्यतिथि पर हुआ भावपूर्ण स्मरण,दी भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व.ओमवती वर्मा थीं धार्मिक व सामाजिक प्रवृत्ति की महिला

बलदेव(मथुरा)। युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा के पिता जी स्व.रामसिंह वर्मा व माता जी स्व.ओमवती वर्मा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनका भावपूर्ण स्मरण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने कहा कि स्व.रामसिंह वर्मा कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक थे। उनके पढ़ाए बच्चे आज विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पद पर कार्यरत हैं।श्री वर्मा ने विकास खंड बलदेव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय नगलाबली के एनपीआरसी पद अपनी सेवाएं दीं। स्व.ओमवती वर्मा सामाजिक व धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों मैं बढ़चढ़ कर भाग लेती थीं। नगर आयुक्त अलीगढ़ विनोद कुमार,एसडीएम अलीगढ़ सुधीर कुमार, भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के मंडल अध्यक्ष राजकुमार तोमर,डा. एन पी सिंह भरंगर,बलभद्र पीठाधीश्वर आचार्य विष्णु जी महाराज,सपा युवजन सभा के महा नगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय,फार्मासिस्ट एसो. के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार,पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अतुल सारस्वत,अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ 3545 के राष्ट्रीय महासचिव रवि वर्मा,वरिष्ठ समाजसेवी ललित शैल मेरठ,युवा समाजसेवी आनंद स्वर्णकार कानपुर देहात,अनिल वर्मा इगलास, नरहरी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र वर्मा, आर्थो सर्जन डा.गोपाल वर्मा,बैंक ऑफ बड़ौदा के सीनियर ब्रांच मैनेजर हिमांशु वर्मा, रामप्रकाश वर्मा,अजीत वर्मा,ऋषभ वर्मा,आशीष वर्मा,मन्नू पुजारी,भानू पुजारी, आदि ने भावपूर्ण स्मरण कर श्रद्धांजलि दी है।

वृद्धा और उसके नाती से लूट टेंपो चालक और 3 महिलाओं ने वारदात को दिया अंजाम, 4 अरेस्ट

आगरा। के किरावली में अपने गांव जा रही महिला और उसके नाती के साथ टेंपो चालक और उसकी महिला साथियों ने की मारपीट कर सोने की चैन को लूट ली। वहीं टेंपो से ढक्का देकर भाग गए। पुलिस ने टेंपो चालक सहित महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। टेंपो में पहले से सवार थी महिलाएं गोपऊ निवासी रोहित अपनी दादी भूरी देवी के साथ किरावली से घर जा रहा था। रूनकता चौराहे से गोपऊ के लिए वाहन के इंतजार में रूनकता चौराहे पर खड़ा था। तभी एक टेंपो वहां आकर रुका। जिसमें तीन महिलाएं पहले से बैठी हुई थीं। दादी को महिलाओं ने अपने बीच में बैठा लिया और बच्चे को ड्राइवर ने अपने बगल में बैठाया। महिलाओं और चालक ने की मारपीट युवक ने बताया कि रास्ते में महिलाओं ने मेरी दादी से झगड़ा कर दिया। मैंने टोका तो मेरे और दादी के साथ टेंपो चालक और तीनों महिलाओं ने मिलकर मारपीट कर दी। इसके अलावा मेरी दादी के गले से सोने की चेन छीन ली। पुलिस ने चारों को किया गिरफ्तार पीड़ित ने थाना पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने रायभा रोड और दक्षिणी बाइपास आगरा-जयपुर हाईवे पर घेराबंदी की। महुअर के पास पुलिस ने टेंपो चालक सहित महिलाओं को पकड़ लिया।महिलाओं से सोने की चैन बरामद हो गई।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुआ सड़क हादसा:ड्राइवर को झपकी आने से डिवाइडर से टकराई कार

आगरा। के फतेहाबाद में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसा हो गया। कार चला रहे युवक को अचानक झपकी आने से कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार में 5 लोग सवार थे। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। वहीं अन्य घायलों का इलाज किया जा रहा है।सभी लोग गोरखपुर से मेहंदीपुर बालाजी दर्शन करने को जा रहे थे। हादसे में कार सवार अजीत त्रिपाठी, शिव शंकर त्रिपाठी, अभिषेक पांडे और एक अन्य शख्स घायल हुआ। उपचार के दौरान चालक अंकित यादव की मौत हो गई है।सूचना पर मौके पर पहुंची यूपीडा, पुलिस की टीम ने क्षतिग्रस्त कार को एक्सप्रेस-वे से क्रेन द्वारा हटवाया है। इंस्पेक्टर फतेहाबाद वीरेश पाल गिरी ने बताया कि हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंचे।

झूलन पूर्णिमा राखी पूर्णिमा धूमधाम से मनाई

मथुरा। प्रकाशनार्थ वृन्दावन बनखंडी स्थित ठाकुर श्री वेणुगोपाल मन्दिर मे अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा पंजीकृत र185 सन 1941 द्वारा श्रावण मास की झूलन पूर्णिमां राखी पूर्णिमा पर ब्राह्मणो की अधिष्ठात्री देवी वेद माता गायत्री जयन्ती विप्रो भागवताचार्य संन्तो को उपस्थिति मे बडे धूमधाम से मनायी गयी सर्व प्रथम वेद माता गायत्री चित्रपट पूजन अर्चन वेदग्य विप्रो द्वारा वेद ध्वनि द्वारा माल्यार्पण दीप प्रज्वलन कर संगोष्ठी का सुभारम्भ हुआ गोष्ठी मे मन्दिर के सेवायत महन्त श्री नन्ददास जी महाराज ने कहा कि मानव मात्र की सभी शान्त होकर भक्ति मार्ग की ओर ले जाती है महासभा को राष्ट्रीय उपाध्याय पं बिहारी लाल बशिष्ठ ने कहा कि वेद माता गायत्री का अनुष्ठान सभी विप्रो को करना चाहिए

भागवत प्रवक्ता आचार्य श्याम बिहारी चतुवेर्दी कहा कि गायत्री मन्त्र कोई साधारण मन्त्र नही इसका एक एक अक्षर ब्रह्म है इस अवसर पर कृष्ण कन्हैया, पदरेनु राम, विलास चतुवेर्दी, मदन गोपाल, बनर्जी बालो, पन्डित लक्ष्मी कान्त कौशिक, अशोक गोस्वामी, बिष्णु बृजबासी, हरि राबत, करण कृष्ण गोस्वामी, राजेश पाठक,गिरिराज शरण शर्मा, आनंद बिहारी शर्मा ,दिनेश शर्मा,आदि अनेक लोग उपस्थित थे

ब्रज की जीवन-शैली का एक अविभाजित हिस्सा है

झूलन महोत्सव : डॉ. रमेश चंद्राचार्य विधिशास्त्री

(डॉ. गोपाल चतुवेर्दी)

वृन्दावन। केशीघाट क्षेत्र स्थित मुरारी मोहन कुंज में श्रावण मास (हरियाली तीज) के अवसर पर ठाकुरजी का झूलन महोत्सव श्रीशुकाचार्य पीठाधीश्वर डॉ. रमेश चंद्राचार्य विधिशास्त्री महाराज के पावन सानिध्य में अत्यंत श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जिसके अंतर्गत संतों व भक्तों के द्वारा ठाकुर विग्रहों को झूला झुलाया गया।साथ ही झूलों के पदों का संगीतमय गायन किया गया। इस अवसर पर आयोजित संत विद्वत-सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी सच्चिदानंद शास्त्री एवं सिंहपौर हनुमान मंदिर के महंत सुंदर दास महाराज ने कहा कि झूलन महोत्सव ब्रज मंडल की अति प्राचीन परम्परा है।जिसे यहां पर अत्यंत श्रद्धा व धूमधाम के साथ आयोजित किया जाता है।उसी परंपरा का निर्वाह आज हमारे द्वारा दस दिवसीय झूलन महोत्सव के द्वारा हो रहा है। श्रीशुकाचार्य पीठाधीश्वर डॉ. रमेश चंद्राचार्य विधिशास्त्री महाराज एवं पूर्व प्राचार्य डॉ. रामसुदर्शन मिश्र ने कहा कि श्रावण मास में झूलन महोत्सव ब्रज की जीवन-शैली का एक अविभाजित हिस्सा है।यहाँ यह त्योहार भगवान श्रीकृष्ण और उनकी आल्हादिनी शक्ति राधा रानी के झूलनोत्सव के रूप में तीज से लेकर रक्षा बंधन तक पूरे 13 दिनों अत्यंत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ गोपाल चतुवेर्दी एवं महन्त रामदेव चतुवेर्दी ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव को भी अत्यधिक प्रिय है।इस मास में भगवान शिव का पूजन - अर्चन व अभिषेक करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस अवसर पर पंडित सुरेश चंद्र शर्मा, पण्डित महेश भारद्वाज, संगीताचार्य देवकी नन्दन शर्मा, पण्डित छैल बिहारी शर्मा, महंत प्रिया शरण महाराज, महंत संतोष पुजारी महाराज, पण्डित श्याम सुंदर ब्रजवासी, आचार्य मोहन लाल गौड़, डॉ. राधाकांत शर्मा, संजय शर्मा, संदीप कुमार पटवा, श्रीमती शिखा पटवा, विष्णुप्रिया पटवा, प्रधानाचार्य जगमिंदर, किरण देवी, अनिल, गौरव पटवा, सुमित पटवा, श्रीमती कविता भवरा, श्रीमती निधि आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महोत्सव का समापन संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।

कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए केएम

मेडीकल कालेज के चेयरपर्सन डा. एमके तनेजा

मथुरा। वीआरएसआई द्वारा आयोजित मधुमेह रेटिनोपैथी (डीआर) कौशल स्थानांतरण एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें केएम मेडीकल कालेज सहित पांच मेडीकल कालेजों के चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया। यहां आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में केएम मेडीकल एंड हॉस्पिटल की टीम ने प्रथम पुरूस्कार पाकर केएम विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। जिसको लेकर विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए टीम को बधाई दी है। आगरा नेत्र रोग विशेषज्ञ एसोसिएशन (एओएए) ने व्यापक नेत्र रोग विशेषज्ञों को मधुमेह रेटिनोपैथी (डीआर) के प्रबंधन में कौशल के हस्तांतरण के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह रोग दुनिया भर में गंभीर दृष्टि हानि का कारण बनने वाली आम बीमारियों में से एक है और हमारे देश में भी बड़ी आबादी को प्रभावित कर रहा है। विट्रिओ-रेटिनल सोसाइटी ऑफ इंडिया (वीआरएसआई) के तत्वावधान में मधुमेह रेटिनोपैथी कौशल हस्तांतरण कार्यशाला का आयोजन अमर होटल, आगरा में किया गया था। इस प्रतिष्ठित कार्यशाला में मथुरा आगरा के प्रतिष्ठित मेडीकल कालेजों के नेत्र शल्य चिकित्सक एक साथ नजर आए। कार्यशाला का उद्घाटन पदमश्री पुरूस्कार से सम्मानित डा. डीके हाजरा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। केएम मेडीकल कालेज एंड हास्पिटल के चेयरपर्सन डा. एमके तनेजा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा नेत्र विज्ञान में उत्कृष्टता, नवाचार और समावेशिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हम सभी प्रतिबद्ध है। यहां पहुंचे प्रतिनिधियों को ए.ओ.ए.ए. अध्यक्ष डा. प्रदीप साने, डॉ. राजीव रमन, डॉ. मनीषा, डॉ. तिरूपति नाथ, डॉ. मनोज गौतम ने भी संबोधित किया। कार्यशाला के आयोजन डॉ. मनीषा अग्रवाल (महासचिव वीआरएसआई) ने परिचयात्मक भाषण दिया। आगरा नेत्र रोग विशेषज्ञ एसोसिएशन (एओएए) ने मधुमेह रेटिनोपैथी (डीआर) में ज्ञान के आदान-प्रदान, सहयोग और नवाचार के माध्यम से युवा नेत्र शल्य चिकित्सकों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता, सीखने और पेशेवर विकास के लक्ष्य के साथ सभी प्रतिनिधियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया व्यापक सत्रों में डायबिटिक रेटिनोपैथी के लक्षणों की पहचान करने के लिए नैदानिक जांच तकनीक, डायबिटिक रेटिनोपैथी के लिए विभिन्न इमेजिंग तौर-तरीकों की तकनीक और व्याख्या को समझना, डायबिटिक रेटिनोपैथी के लिए चिकित्सा प्रबंधन रणनीतियों को सीखना और डायबिटिक रेटिनोपैथी और डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा के छद्म रूपों का निदान करना शामिल था। विशेषज्ञों के नेतृत्व वाले सत्रों में डायबिटिक रेटिनोपैथी के प्रबंधन के लिए साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देश और सर्वोत्तम अभ्यास प्रदान किए गए, जिसमें डायबिटिक रेटिनोपैथी में जांच, प्रोलिफेरेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी प्रबंधन दिशानिर्देश, लेजर, इंट्राविट्रियल इंजेक्शन और सर्जरी, केस उदाहरणों के साथ पूरक और रोगियों में मोतियाबिंद और डायबिटिक रेटिनोपैथी के सह-प्रबंधन की खोज शामिल थी। सत्र -2 के अध्यक्ष डॉ. एम. के. तनेजा ने एक विशेष सत्र में डीआर के रोगियों के प्रणालीगत प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में नेटवर्किंग के अवसर भी उपलब्ध कराए गए, जिससे प्रतिभागियों को संकाय सदस्यों और सलाहकारों के साथ बातचीत करने का मौका मिला, जिससे सीखने का अनुभव और समृद्ध हुआ। कार्यशाला के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उच्चतम अंक केएम मेडीकल कालेज एडं हॉस्पिटल ने प्राप्त किए। जिसमें केएम मेडीकल कालेज के नेत्र चिकित्सकों डॉ अर्पिता, डॉ. पंकज गायकवाड, डॉ. रवि, डॉ परिधि, डॉ दिलिशा, डॉ. आयुष, डॉ. नितिन, डॉ हिमानी आदि सहित अन्य मेडीकल कालेजों के चिकित्सक मौजूद रहे।

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

सेबी के लिए चुनौती बना 76 हजार 293 करोड़ बकाया वसूलना

- पिछले साल की तुलना में चार फीसदी बढ़ी रकम

नई दिल्ली ।

देश के शेयर बाजार पर नजर रखने वाली संस्था भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को बकाया वसूलने में बड़ी के ठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। 76,000 करोड़ से भी अधिक की बकाया राशि ऐसी हैं, जिन्हें वसूलना सेबी के लिए चुनौती बन गया है। यह रकम पिछले साल की तुलना में चार फीसदी बढ़ गई है। ये पैसे दरअसल उन निवेशकों के हैं, जिन्होंने पीएसीएल और सहारा इंडिया जैसी कंपनियों में निवेश किया था लेकिन ये कंपनियां लोगों के पैसे लेकर रफू चक्कर हो गईं। अब सेबी को इन पैसों को निवेशकों को वापस दिलाने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए सेबी को कहना पड़ा है कि इन्हें वापस पाना लगभग असंभव सा लग रहा है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेबी को मार्च 2024 तक 76,293 करोड़ रुपये की ऐसी रकम मिली है, जिसे वसूलना बेहद मुश्किल हो रहा है। ये रकम पिछले साल के मुकाबले 4 फीसदी ज्यादा है। इस रकम का बड़ा हिस्सा उन मामलों से जुड़ा है, जिनकी सुनवाई अदालतों में चल रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसे कुल 807 मामले हैं, जिनमें से 36 मामले राज्य स्तरीय अदालतों, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) और नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) में लंबित हैं। इन मामलों में अटकी हुई रो शि लगभग 12,199 करोड़ रुपये है।

इसके अलावा 60 मामले अदालत द्वारा नियुक्त समितियों के पास हैं, जिनमें करीब 59,970 करोड़ रुपये अटके हुए हैं। साथ ही लगभग 140 मामले ऐसे हैं, जिनमें संबंधित लोगों का पता ही नहीं चल पा रहा है। इनमें से 131 व्यक्तिगत मामले हैं और 9 कंपनियों से जुड़े हैं। सेबी ने कहा कि अब तक कुल 6,781 रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किए गए हैं, जिनमें से 3,871 अभी भी लंबित हैं। कुल मिलाकर सेबी को करीब एक लाख करोड़ रुपये वसूल करने हैं। इसमें जुर्माना न भरने वाली कंपनियों के साथ-साथ उन निवेशकों का पैसा भी शामिल है, जिन्हें पैसा वापस मिलना था। पीएसीएल और सहारा इंडिया के मामलों में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन दोनों कंपनियों के विरुद्ध निवेश योजना से जुड़े मामले हैं, जिनमें करीब 63,206 करोड़ रुपये अटके हुए हैं।

जुलाई में इलेक्ट्रॉनिक्स, गारमेंट्स और डेयरी उत्पादों निर्यात में वृद्धि हुईः रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

भारत से निर्यात में जुलाई में बढ़ोतरी देखी गई है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स, मीट, डेयरी और ऑयल मील जैसे सेक्टर निर्यात में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक गुड्स का निर्यात 37.3 प्रतिशत, डेयरी और पोल्ट्री 56.2 प्रतिशत, ऑयल मील 22 प्रतिशत, गारमेंट्स 11.8 प्रतिशत, मसाले 13 प्रतिशत, चाय 21.8 प्रतिशत का निर्यात जुलाई में सालाना आधार पर बढ़ा है। डेयरी और पोल्ट्री प्रोडक्ट्स का निर्यात जुलाई में 56.2 प्रतिशत बढ़ा है। इससे पिछले महीने इसमें 13.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी।

हालांकि, कुछ कैटेगरी जैसे हीरे और ज्वेलरी, सिरेमिक और ग्लासवेयर उत्पाद, जैविक और अजैविक केमिकल और चावल के निर्यात में गिरावट हुई है। इसके अलावा अन्य बड़े निर्यात जैसे मानव निर्मित सूत और कपड़े का निर्यात 3.9 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं चमड़ा और उससे बने उत्पाद की कीमतों में नवंबर 2022 के बाद सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत की वृद्धि दर देखने को मिली है। मसाले, चाय और तंबाकू उत्पादों का निर्यात पिछले महीने के मुकाबले बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात शुल्क कम होने के कारण समुद्री उत्पादों का निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। अधिक श्रम उपयोग वाले सेक्टर्स ने जुलाई में लचीलापन दिखाया है। इससे पहले भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया था कि जुलाई में परिधान का निर्यात बढ़कर 1,277.20 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया है, जो कि पिछले वर्ष समान अवधि में 1,141 मिलियन डॉलर था। वहीं, कपड़ों का निर्यात 1,660.36 मिलियन डॉलर हो गया है, जो कि जुलाई में 1,663.06 मिलियन डॉलर था।

एसबीआई अमृत वृष्टि एफडी पर दे रहा 7.25 फीसदी ब्याज

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक कई विशेष फिक्स्ड डिपॉजिट्स चला रहा है। बैंक की ऐसी ही एक स्पेशल एफडी है एसबीआई अमृत वृष्टि एफडी, इस विशेष एफडी को इस साल ही लॉन्च किया गया था। 444 दिनों की इस एफछी पर आम ग्राहक को बैंक 7.25 फीसदी सालाना ब्याज दे रहा है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को सालाना 7.75 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। एसबीआई अमृत वृष्टि एफडी में निवेश आप घर बैठे भी कर सकते हैं। नेट बैंकिंग और एसबीआई योनो ऐप के जरिए आप यह एफडी खरीद सकते हैं। बैंक ब्रांच जाकर भी इस विशेष एफडी में पैसे लगाने का विकल्प आपके पास है। एसबीआई अमृत वृष्टि एफडी में 31 मार्च 2025 तक निवेश किया जा सकता है। भारतीय स्टेट बैंक कई अवधियों वाली एफडी ग्राहकों को उपलब्ध कराता है। भारत के सबसे बड़े बैंक में आप 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि की एफडी करा सकते हैं। अलग-अलग अवधि वाली एफडी की ब्याज दरें भी भिन्न-भिन्न हैं। एसबीआई 7 से 45 दिन की अवधि वाली एफडी पर 3.50 से 4.00 फीसदी 46 से 179 दिन की एफडी पर 5.50 से 6.00 फीसइही, 180 से 210 दिन पर 6.25 से 6.75 फीसदी और 211 से 1 साल से कम अवधि वाली एफडी पर 6.50 से 7.00 फीसदी तक ब्याज दिया जा रहा है। 1 साल से लेकर 2 साल से कम वाली एफडी पर 6.80 से 7.30 फीसदी, 2 साल से लेकर 3 साल से कम वाली पर 7.00 से 7.50 फीसदी, 3 साल से लेकर 5 साल से कम अवधि वाली एफडी पर 6.75 से 7.25 फीसदी और 5 साल से 10 साल तक की अवधि वाली एफडी पर 6.50 से 7.50 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। स्पेशल फिक्स डिपॉजिट स्कीम अमृत कलश के तहत सीनियर सिटिजन्स को एफडी पर 7.60 और आम ग्राहकों को 7.10 फीसदी सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस फिक्स डिपॉजिट स्कीम में 400 दिन के लिए निवेश करना होता है।

2500 से 3500 रुपये क्विंटल तक पहुंचे प्याज के दाम

नई दिल्ली ।

आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले की प्याज मंडी में इस समय प्याज के दाम 2500 रुपये से लेकर 3500 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गए हैं, जो कि पिछले साल के मुकाबले एक बड़ी वृद्धि है। आंध्र प्रदेश में खुले बाजार में प्याज 50 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, जबकि सरकारी रायतू बाजार में प्याज की कीमत 42 से 45 रुपये प्रति किलो के बीच है। इस साल प्याज की कीमतों में वृद्धि पहले ही शुरू हो चुकी है। इस स्थिति का एक बड़ा कारण महाराष्ट्र में प्याज की फसल की खराबी है। बेमौसम बारिश ने महाराष्ट्र की प्याज फसल को बुरी तरह प्रभावित किया है। त्योहारों जैसे रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के पहले प्याज की कीमतें इन दिनों तेजी से बढ़ रही हैं।

कुर्नूल के किसानों के चेहरे पर इन दिनों खुशी की चमक है क्योंकि पिछले साल इसी मंडी में प्याज का भाव मुश्किल से 500 रुपये से 1000 रुपये प्रति क्विंटल था। तब किसानों को अपनी उपज की लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा था और उन्होंने विरोध स्वरूप अपनी प्याज फेंक दी थी। इस बार प्याज के दाम में वृद्धि से किसानों को अच्छी आमदनी हो रही है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि त्योहारी सीजन में मांग और बढ़ेगी जिससे प्याज के दाम और चढ़ सकते हैं।

20 लाख रुपए तक के गिफ्ट पर अब नहीं लगेगा टैक्स!

मुंबई ।

इनकम टैक्स से जुड़े एक मामले में आईटीएटी (इनकम टैक्स अपीलीयेट ट्रिब्यूनल) की मुंबई बेंच ने अपने फैसले में कहा है कि विदेश में रह रहे एनआरआई भाई से मिलने वाली 20 लाख रुपये की रो शि पर किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं लगेगा। यह निर्णय इस बात पर जोर देता है कि भारतीय टैक्स कानून कुछ करदाताओं को अपने रिश्तेदारों से मिलने वाले गिफ्ट पर टैक्स को लेकर छूट देते हैं। हालांकि, अभी तक इनकम टैक्स कानून के तहत किसी रिश्तेदार से मिलने वाले 50,000 रुपये से ज्यादा के गिफ्ट को इनकम फॉम अदर सोर्स माना जाता है और इस पर लागू आयकर की निर्धारित दरों के अनुसार टैक्स कटता है लेकिन कई मामलों में इस पर टैक्स से छूट मिलती है। इनमें नजदीकी रिश्तेदार से मिलने वाले गिफ्ट, शादी में मिलने वाले तोहफे और विरासत में मिलने वाली संपत्ति शामिल है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 56 (2) (एक्स) में भाई से मिलने वाले गिफ्ट पर टैक्स में छूट मिलती है। आयकर अपीलीयेट ट्रिब्यूनल ने यह निर्णय सलाम नाम के एक व्यक्ति के मामले में दिया, जिसे अपने भाई से गिफ्ट मिला था

लेकिन इनकम टैक्स विभाग के अधिकारी ने शुरुआत में इस तोहफे को टैक्सेबल इनकम के तौर पर माना था। इस मामले में इनकम टैक्स कमिश्नर ने भी अधिकारी के फैसले को सही ठहराया और कहा कि टैक्सपेयर यह साबित करने में नाकामयाब रहा कि गिफ्ट के तौर उसे यह पैसा अपने भाई से मिला। इस मामले को लेकर याचिकाकर्ता आईटीएटी के पास पहुंचा, जहां सबूतों के साथ यह साबित किया गया कि उसका भाई, 25 साल से दुबई में रह रहा है और वहां बिजनेस कर रहा है। उसकी ओर से मिली 20 लाख रुपये की यह रकम तोहफे के तौर पर उसे भेजी गई है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ ही 83.87 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में आज रुपया 83.86 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंचा हालांकि फिर 83.87 प्रति डॉलर पर आ गया जो उसके पिछले बंद भाव के बराबर है। वहीं गत दिवस रुपया 83.87 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ ही 101.82 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहाकि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी के बाद भी विदेशी पूंजी की निकासी का दबाव भारतीय मुद्रा पर पड़ा पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने गिरावट रोके रखी। इसकी गिरावट को रोका।

जोमैटो ने एआई जनरेटेड खाने की तस्वीरों को हटाया, लोग कर रहे तारीफ

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड एप जोमैटो पर अब रेस्टोरेंट एआई से बनाई खाने की तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। जोमैटो के फाउंडर दीपिंदर गोयल ने ऐलान किया है कि वह जोमैटो के प्लेटफॉर्म से एआई जनरेटेड खाने की तस्वीरों को हटा रहे हैं साथ ही उन्होंने अपने फूड पार्टनर्स से एआई तस्वीरों का इस्तेमाल बंद करने को भी कहा है। गोयल ने इसकी जानकारी अपने ट्विटर हैंडल पर दी। गोयल ने मिक्रोब्लॉग्गिंग साइट एक्स पर लिखा-ज़ोमैटो में, हम अपने वर्कफ़्लो को अच्छा बनाने के लिए एआई के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करते हैं। एक जगह जहां हम एआई के इस्तेमाल को दृढ़ता से हतोत्साहित करते हैं, वह है रेस्तराँ के मेनू में व्यंजनों के लिए तस्वीरें। एआई द्वारा उत्पन्न भोजन की तस्वीरें भ्रामक हैं और हमें इस मुद्दे पर कई ग्राहकों की शिकायतें मिली हैं। ग्राहकों का कहना है कि इससे विश्वास कमजोर होता है और इससे ज्यादा शिकायतें और रिफंड मिलते हैं और रेटिंग भी कम होती है। हम अपने रेस्तरां भागीदारों से आग्रह करते हैं कि वे अब से रेस्तरां के मेनू में व्यंजन छवियों के लिए एआई का उपयोग करने से बचें। हम इस महीने के अंत तक सक्रिय रूप से मेनू से ऐसी छवियों को हटाना शुरू कर देंगे और एआई द्वारा उत्पन्न व्यंजन छवियों को स्वीकार करना बंद कर देंगे। दीपिंदर आगे लिखा-रेस्टोरेंट मालिक अगर आपने अभी तक अपने मेनू के लिए असली खाने के शॉट्स अपलोड नहीं किए हैं, तो फोटो शूट शेडयूल करने के लिए कैटलॉग सहायता टीम से संपर्क करें। दीपिंदर गोयल के इस कदम की लोग सराहना कर रहे हैं।

एलआईसी ने हिंदुस्तान कॉपर में घटाई हिस्सेदारी

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने खुले बाजार में हिंदुस्तान कॉपर में 2.09 प्रतिशत हिस्सेदारी 447 करोड़ रुपए में बेच दी है। एलआईसी ने शेयर बाजार को यह सूचना दी। उसने हिंदुस्तान कॉपर के कुल 2,01,62,682 शेयर यानी 2.085 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार में लेनदेन के जरिये बेची है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर के शेयरों को 221.64 रुपए प्रति शेयर की औसत कीमत पर बेचा गया। इस तरह सौदे का कुल मूल्य 446.8 करोड़ रुपए रहा। हिस्सेदारी बिक्री के बाद हिंदुस्तान कॉपर में एलआईसी की हिस्सेदारी 8.17 प्रतिशत से घटकर 6.09 प्रतिशत रह गई है। हिंदुस्तान कॉपर देश में तांबा अयस्क के खनन में लगी इकलौती कंपनी है। इसके अलावा यह परिष्कृत तांबे की एकमात्र उत्पादक कंपनी भी है। मंगलवार को बीएसई पर हिंदुस्तान कॉपर का शेयर 1.07 फीसदी की गिरावट के साथ 320.10 रुपए पर आ गया। एलआईसी का शेयर 0.39 फीसदी की तेजी के साथ 1076.10 रुपए पर है। सोमवार को हिंदुस्तान कॉपर का शेयर बीएसई पर 3.06 फीसदी तेजी के साथ 323.55 रुपए पर बंद हुआ। इस वैल्यू पर इसका मार्केट प्राइस 31,288.06 करोड़ रुपए है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 415.60 रुपए और न्यूनतम स्तर 135.70 रुपए है। दूसरी ओर एलआईसी का शेयर 1.34 फीसदी तेजी के साथ 1071.95 रुपए पर बंद हुआ। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,221.50 रुपये और न्यूनतम स्तर 597.65 रुपए है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 378 , निफ्टी 126 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग, वित्त और वाहन शेयरों में जमकर खरीदारी हुई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 378.18 अंक करीब 0.47 फीसदी बढ़कर 80,802.86 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.20 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी ऊपर आकर 24,698.85 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 24 शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। इसमें बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनैंस और कोटक बैंक शामिल रहे। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, एनटीपीसी, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, एसबीआई, टीसीएस, रिलायंस, एलएंडटी, इंफोसिस, मारुति, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एचयूएल, एमएंडएम, पावर ग्रिड और टाटा स्टील के शेयर भी बढ़े।

दूसरी ओर सेंसेक्स के केवल 6 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें भारती एयरटेल, आईटीसी, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील और अल्ट्राटेक सीमेंट शामिल थे। इसके अलावा, टाटा मोटर्स के शेयर भी नीये आये।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी बाजार में मंदी की आशंका कम होने से भी घरेलू बाजार में उछाल आया है।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल और टोक्यो बढ़त पर बंद हुए जबकि शंघाई और हांगकांग के शेयर नीचे आये। यूरोपीय बाजार में बढ़त दर्ज की गयी। अमेरिकी

बाजार गत दिवस बढ़त पर रहे। वहीं गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 297.86 अंक बढ़कर 80,722.54 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी 50 76.25 अंक बढ़कर 24,648.90 के स्तर पर पहुंच गया। एनएसई की कंपनियों में बीपीसीएल, टीसीएस, हीरो मोटोक्रॉप, इंडसइंड बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे जबकि ओएनजीसी, भारती एयरटेल, सीआईपीएलए, एचसीएल टेक और आईटीसी एनएसई गिरावट में कारोबार कर रहे थे। बीएसई की कंपनियों में टीसीएस के शेयर में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई।

हवाई यात्रा करना अब और भी हुआ महंगा!

नई दिल्ली । आगामी त्योहार में अब हवाई यात्रा करना और भी महंगा हो जाएगा। बताया जा रहा है कि हवाई यात्रा के किराए में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है और दिवाली के लिए प्रमुख घरेलू मार्गों पर औसत एकतरफा टिकट की कीमत 10-15 प्रतिशत बढ़ चुकी है। दूसरी ओर ओणम के दौरान केरल के शहरों के लिए कुछ उड़ानों का किराया 20-25 प्रतिशत अधिक है। जानकारी अनुसार, मुंबई-हैदराबाद मार्ग पर टिकट की कीमत 21 प्रतिशत बढ़कर 5,162 रुपये और दिल्ली-गोवा और दिल्ली-अहमदाबाद मार्गों पर 19 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 5,999 रुपये और 4,930 रुपये हो गई है। विश्लेषण में यह सामने आया कि कुछ दूसरे मार्गों पर किराया 1-16 प्रतिशत की सीमा में अधिक है। वहीं केरल में आगामी त्योहार के लिए चुनिंदा रूट्स पर हवाई किराए के रुझानों के विश्लेषण से पता चला है कि कुछ रूट्स पर कीमतों में 1 प्रतिशत से 25 प्रतिशत की सीमा में वृद्धि हुई है। इसी दौरान कुछ मार्गों पर टिकट की कीमतों में लगभग 6-35 प्रतिशत की गिरावट आई है। ये आंकड़े इस साल 6-15 सितंबर की अवधि के दौरान डिपार्चर के लिए नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स के लिए औसत एकतरफा किराया हैं, जबकि 20-29 अगस्त, 2023 की अवधि में ओणम मनाया गया था। इस तुलनात्मक अवधि के लिए हैदराबाद-तिरुवनंतपुरम फ्लाइट के लिए किराए में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो 4,102 रुपये है। मुंबई-कालीकट फ्लाइट के लिए भी इसी तरह की वृद्धि हुई है, जो 4,448 रुपये है।

कंपनी के ऐलान के बाद सीडीएसएल शेयर तूफानी रफ्तार से दौड़ा, छह फीसदी का उछाल

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में सप्ताह के पहले दिन उतार-चढ़ाव देखने को मिला और मार्केट क्लोज होने पर सेनसेक्स लाल निशान पर, निफ्टी-50 हरे निशान पर बंद हुआ। इस बीच सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड का शेयर तूफानी तेजी के साथ भागा और कारोबार के दौरान छह फीसदी तक उछल गया। स्टॉक में आई तेजी के पीछे कंपनी की ओर से किया गया ऐलान है। सीडीएसएल शेयर सोमवार को हरे निशान पर खुला था और 2855 रुपए के स्तर से कारोबार शुरू किया था, लेकिन कुछ ही देर में ये छह फीसदी तक उछलकर 2955 रुपए के हाई लेवल पर पहुंच गया। ये शुरुआती तेजी मार्केट में कारोबार खत्म होते-होते कम हो गई। बाजार बंद होने पर सीडीएसएल का शेयर 3.40 फीसदी की बढ़त लेते हुए 2883 रुपए पर क्लोज हुआ। कंपनी के शेयर में आई जोरदार तेजी के चलते सीडीएसएल का मार्केट कैप भी बढ़कर 30130 करोड़ रुपए हो गया है। इस स्टॉक में अचानक ये जोरदार तेजी कंपनी की ओर से आई एक खबर के बाद देखने को मिली है। बोर्ड ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी शेयर की कि निवेशकों को एक पर एक शेयर बोनस में दिया जाएगा। इसे अप्रूवल मिलने के साथ ही बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड 24 अगस्त तय की गई है। इस खबर का असर कंपनी के शेयर पर तेजी के रूप में दिखाई दिया। सीडीएसएल के शेयर की बीते एक साल की परफॉर्मेंस पर नजर डालें, तो ये अपने निवेशकों के लिए फायदे का सौदा साबित हुआ है। बीते जुलाई 2024 में सीडीएसएल के बोर्ड ने बैठक में कंपनी ने पहली बार एक शेयर पर

एक बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और अब इसकी रिकॉर्ड डेट फिक्स कर दी गई है। बता दें, कंपनियां अपने फ्री रिजर्व का इस्तेमाल करते हुए बोनस शेयर जारी करती हैं और इससे प्रति शेयर आय यानी ईपीएस के साथ-साथ पेड-अप कैपिटल बढ़ता है। सीडीएसएल कंपनी की स्थापना साल 1999 में की गई थी, जो सिक्योरिटीज को इलेक्ट्रिक फॉर्म में अपने पास डिपॉजिट करती है। ये पहली ऐसी कंपनी है, जिसने दस करोड़ डेमट अकाउंट रजिस्टर किए हैं।

वेदांता ने हिंदुस्तान जिंक के ओएफएस से जुटाए 3200 करोड़

नई दिल्ली ।

खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने अपनी सब्सिडियरी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) के शेयरों की बिक्री पेशकश से करीब 3,200 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। सूत्रों ने कहा कि वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) को खुदरा एवं संस्थागत निवेशकों से जोरदार प्रतिक्रिया मिली है। सूत्रों ने कहा कि इस बिक्री पेशकश से वेदांता को करीब 3,200 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। वेदांता ओएफएस से जुटाई गई राशि का उपयोग अपने बही-खाते को दुरुस्त करने और अपनी विस्तार परियोजनाओं में निवेश के लिए करेगी। पिछले महीने पात्र संस्थागत आवंटन से जुटाई गई 8,500 करोड़ रुपये की राशि को मिलाकर वेदांता समूह और एचजेडएल दोनों का कर्ज कम करने में मदद मिलेगी। खुदरा निवेशकों के लिए आधार निर्गम आकार 51.44 लाख शेयरों का था जबकि कुल 93.82 लाख शेयरों की खरीद हुई। सूत्रों के मुताबिक संस्थागत निवेशकों के लिए 4.62 करोड़ शेयर निर्धारित किए गए थे जबकि कुल संस्थागत खरीद 6.36 करोड़ शेयरों की हुई। वेदांता ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि 16-19 अगस्त तक चली ओएफएस प्रक्रिया के बाद हिंदुस्तान जिंक में वेदांता की शेयरधारिता 63.42 प्रतिशत रह गई है।

सरकारी नौकरियों में लैटरल एंट्री पर हंगामा गलत

डॉ. आर.के. सिन्हा

इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी।

केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में अहम पदों को संभालने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में लैटरल एंट्री या कहें कि पार्श्व प्रवेश के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए एक विज्ञापन अखबारों में निकलवाया था। इसी को लेकर देशभर में गैर-जरूरी हंगामा खड़ा हो गया या निहित स्वार्थ से भरे लोगों द्वारा खड़ा कर दिया गया था। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लैटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वो लैटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए।

बात बस इतनी सी थी कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए 'प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों' की तलाश है। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पदों पर भर्ती होनी है। इस विज्ञापन के छपने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सबसे ज्यादा हंगामा काट रहे थे। कह रहे थे कि केन्द्र सरकार सरकारी विभागों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को भर्ती करना चाहती है। हालांकि हमेशा की तरह राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए किसी तरह के प्रमाण देने की जरूरत तक नहीं महसूस नहीं की। वे वैसे भी राहुल गाँधी जी हवाई बातें-दावे करने में माहिर हैं।

काश, राहुल गांधी को यह पता तो होगा ही कि देश के दस सालों तक प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह को देश का वित्त सचिव तक लेटरल एंट्री के माध्यम से ही बनाया गया था। वह तो तब तक तो वे दिल्ली विश्व विद्लाय में पढ़ा रहे थे। इसी तरह से मंटेक सिंह आहलूवालिया को भी कांग्रेस सरकार ने ही योजना आयोग का चेयरमेन बना दिया था। उनकी नियुक्ति भी उसी तरह से हुई थी जिस तरह से डॉ मनमोहन सिंह की खुद की हुई थी। इसलिए यह कहना सरासर गलत है कि मौजूदा सरकार कुछ विभागों के लिए बाहरी अभ्यर्थियों को नौकरी देकर गलत कर रही है।

न जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में

लैटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया 'पीछे के दरवाजे से भर्ती' है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे? उन्हें किस आधार पर सरकार में लैटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी?

अब जान लेते हैं कि लैटरल एंट्री होता क्या है? दरअसल नौकरशाही में लेटरल एंट्री का मतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा कैडर के बाहर के व्यक्तियों को सरकारी विभागों में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर भर्ती करना। इससे पहले लैटरल एंट्री के जरिए 2018 में पहली बार रिक्तियों की घोषणा की गई थी। लैटरल एंट्री करने वाले व्यक्तियों को आमतौर पर तीन से पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसमें प्रदर्शन और सरकार की आवश्यकताओं के आधार पर विस्तार की संभावना होती है। इन व्यक्तियों से ऐसी विशेषज्ञता लाने की उम्मीद की जाती है जो शासन और नीति कार्यान्वयन में जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सके।

यूपीएससी के हालिया विज्ञापन से साफ था कि उसे तीन स्तरों पर योग्य उम्मीदवारों की तलाश थीः संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव। इन पदों पर तैनात अफसर अक्सर विभागों के भीतर विशिष्ट विंगों के प्रशासनिक प्रमुख या उनके सहायक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख निर्णय लेने वाले होते हैं। लैटरल एंट्री के पीछे सरकार का तर्क यह रहा है कि नई प्रतिभा लाना और प्रशासन में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाना।

आप गौर करें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जब बोलते हैं, वे तब सरकार को सदैव कोसते ही रहते हैं। लोकतंत्र में सदा स्वस्थ्य वाद-विवाद और सार्थक संवाद जारी रहना चाहिए। हमेशा ही बेवजह विवाद नहीं खड़े करने चाहिए। खडगे जी कह रहे हैं कि लैटरल एंट्री से सरकारी नौकरियों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों को नुकसान होगा। राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को भी लैटरेल एंट्री पर आपत्ति है। अब इन ज्ञानी नेताओं को कोई बताए कि लैटरल एंट्री का विचार तो सर्वप्रथम कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान ही विकसित किया गया था। लैटरल एंट्री पर महाभारत करने वालों को पता होना चाहिए कि यूपीएससी की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी है।

इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी। यकीन मानिए कि विपक्ष से यह कोई नहीं कह रहा है कि वह सरकार को उसकी किसी जन विरोधी नीतियों पर न घेरे। अवश्य घेरे और उसकी जितनी चाहे निंदा करे। पर विपक्ष को सरकार के फैसलों की सोच-समझकर ही आलोचना करनी चाहिए। अगर उसने यह न किया तो उसकी जनता के बीच छवि तार-तार हो जाएगी और वह एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने से वंचित हो जायेगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

अस्पतालों में सुरक्षा

स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के लिए कानून की मांग कर रहे रेजिडेंट डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को केंद्र सरकार के अस्पतालों की सुरक्षा तैनाती में 25 फीसद वृद्धि को मंजूरी दे दी। कोलकाता के रेप और हत्या मामले में डॉक्टरों की हड़ताल से देश भर में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं, और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़.रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मार्शलों की तैनाती को भी मंजूरी दी जा सकती है बशर्ते सुरक्षा समीक्षा में ऐसा किया जाना जरूरी लगे। हालांकि इस व्यवस्था से स्थिति में कोई ज्यादा अंतर नहीं आएगा क्योंकि पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड़, दिल्ली, हरियाणा, केरल समेत 26 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के लिए पहले से ही कानून पारित किए जा चुके हैं। इसके बावजूद इन राज्यों में स्वास्थ्य पेशेवरों पर हमले जैसी घटनाएं बराबर रिपोर्ट होती रही हैं। वे भी तब जब इन सभी राज्यों में ऐसे अपराध सोय और गैर-जमानती श्रेणी में हैं। जाहिर है कि अस्पतालों में सुरक्षा का मसला लापरवाही का है। सुरक्षा तैनाती और बढ़ाने से पहले यह भी ध्यान में रखना होगा कि अस्पताल 'सार्वजनिक सुविधाएं' हैं, इसलिए उन्हें किले में तब्दील नहीं किया जा सकता। कोलकाता रेप एवं हत्या मामले पर मंगलवार को अस्पताल और पुलिस प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट ने भी फटकार लगाई। स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कोलकाता घटना अपर्याप्त सुरक्षा की बजाय सुरक्षा व्यवस्था में चूक का मामला ज्यादा प्रतीत होता है। आरोपी जिस प्रकार पहले भी अस्पताल में बेरोकटोक आता-जाता देखा गया, उससे लगता है कि सुरक्षा अमला पर्याप्त चौकस नहीं था, अपने कार्य में शिथिलता और लापरवाही का रवैया अपनाए हुए था। यदि मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को ही अच्छे से चाक-चौबंद कर दिया जाए तो चिंता करने का कोई कारण नहीं बच रहेगा। बेशक, कोलकाता की घटना ने देश भर को झकझोर ड़ाला है, और ड़ॉक्टरों तथा स्वास्थ्य पेशेवरों का अपनी सुरक्षा को लेकर आंदोलित हो उठना स्वाभाविक है। उनकी मांग पर सरकार प्रोएक्टिव मोड़ में आ गई है, और सुरक्षा तैनाती में इजाफे को तत्पर है। लेकिन सुरक्षा अमले में लापरवाही का ढर्रा जारी रहा तो इस इजाफे का हासिल क्या होगा। जरूरी है कि सुरक्षा तंत्र को ज्यादा से ज्यादा कसा जाए और कार्य में लापरवाही पर जीरो टोलरेंस की नीति पर चला जाए।

आलोचकों की परवाह न कर अपनी राह चलते हैं प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में कुछ तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं, किंतु विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनुशासन की गाज नहीं गिरने दी, यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है। इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चकित भी करते हैं।

किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार ह्यआलाकमानह्ल सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरूद्ध उन्होंने कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेन्द्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं, जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कारवाई होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाबूलाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाई हुई है, तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया, जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं।

यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरुद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्रवाई ही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गांधी परिवार से आने वाले वरुण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के बाद संगठन में महासचिव का पद दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दिया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जतिन जीत भी गए।

दूसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुध्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय-समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंततः वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस, फिर तृणमूल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी पूर्व केंद्रीयमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंततः पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने लोकसभा का टिकट दिया। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरुद्ध उनके बयान चर्चा में रहे, संप्रति वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

दिग्गज पत्रकार अरुण शौरी, अटल की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि 'नरेन्द्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पूछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे।' तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और प्रधानमंत्री मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटास देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे । हालांकि सुप्रीम कोर्ट से सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी मोदी ने पुणे स्थित अस्पताल में अरुण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा- 'आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनके साथ इस दौरान बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम उनकी दीघार्यु और स्वस्थ्य जीवन की कामना करते हैं।'

अपने तीखे तेवरों के चर्चित सुब्रमण्यम स्वामी कभी जनसंघ- भाजपा से जुड़े रहे। बाद में वे भाजपा से अलग होकर जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। केंद्र में मंत्री भी बने। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने स्वामी

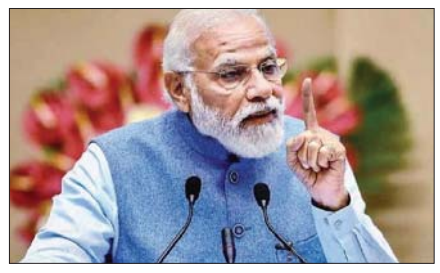

को राज्यसभा के लिए भेजा। स्वामी इससे कुछ अधिक चाहते थे। जाहिर है इन दिनों वे मोदी के प्रखर आलोचक बने हुए हैं। किंतु उनकी आलोचनाओं पर मोदी या भाजपा ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एक साक्षात्कार में स्वामी ने कहा कि 'मैं बीजेपी का हिस्सा हूं...मैं इनके साथ लंबे समय से साथ हूं। मुझे पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से भी दिक्कत थी लेकिन इतनी समस्या नहीं थी, जितनी कि पीएम नरेंद्र मोदी से है।'

भाजपा छोड़कर जा चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान को वापस लाकर मोदी ने उन्हें केरल के राज्यपाल पद से नवाजा। राज्यपाल के पद पर बैठकर मोदी की आलोचना करते रहे सतपाल मलिक को भी प्रधानमंत्री पद से नहीं हटाते, बल्कि कार्यकाल पूरा करने का अवसर देते हैं। जबकि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और उस पद पर बैठे व्यक्ति को केंद्र सरकार की सार्वजनिक आलोचना से बचना चाहिए। किंतु सतपाल मलिक ऐसा करते रहे और मोदी उनकी सुनते रहे। इसी तरह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी नाराज होकर पार्टी से बाहर थे और अपनी पार्टी बनाकर सक्रिय थे। भाजपा ने मोदी के कार्यकाल में न सिर्फ उनकी पार्टी में वापसी सुनिश्चित की बल्कि उन्हें झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी दिया। नाराज होकर भाजपा दो बार छोड़ चुके कल्याण सिंह (अब स्वर्गीय) को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया। उनके पुत्र राजबीर को लोकसभा का टिकट और पौत्र संदीप सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री का पद मिला।

-प्रो.संजय द्विवेदी

चिंतन-मनन

चैन से सोना है तो सोने को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नजर सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नजर लग जाएगी।यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं।

सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।। इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है। पुराणों में कथा है कि कलियुग का प्रवेश भी सोने के माध्यम से हुआ था। कलियुग सोने में निवास करता है इसलिए सोने के कारण विवाद और रिश्तों में दूरियां तक आ जाती है। साधु पुरूष कहते हैं कि सोना चिंता का बड़ा कारण है। जब आप इसे पाने की सोचने लगते हैं तभी से चिंता आपके ऊपर हावी होने लगती है।

ग्लोबल साउथ को नेतृत्व की तलाशः कैसे होगा पूरा?

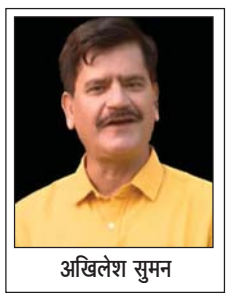

अखिलेश सुमन

दुनिया के विकसित देशों के लिए जी-7 जैसा एक प्रभावशाली संगठन है, जो वैश्विक नीतियों, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के मुद्दों पर गहन विचार विमर्श कर महत्वपूर्ण निर्णय लेता है। लेकिन विकासशील और पिछड़े देशों (जिन्हें ग्लोबल साउथ भी कहा जाता है) के लिए ऐसा कोई ठोस मंच नहीं है जहां वे अपनी आवाज बुलंद कर सकें और अपने हितों की रक्षा के बारे में चर्चा कर सकें। यह स्थिति ग्लोबल साउथ के देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है।

ग्लोबल साउथ की चुनौतियाँ

ग्लोबल साउथ के देशों में अक्सर आर्थिक असमानता, बुनियादी ढांचे की कमी, भ्रष्टाचार और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी नेतृत्व का अभाव जैसी समस्याएं देखी जाती हैं।लोकतंत्र में अनावश्यक टकराव भी ग्लोबल साउथ की एक बड़ी चुनौती है। ये देश कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं, उन्हें जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा, और तकनीकी पिछड़ेपन जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

वायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिटः उम्मीद की एक किरण

भारत ने 17 अगस्त को तीसरे ह्यह्यवायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिटह्लह्ल का आयोजन किया, जिसमें विकासशील देशों के मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। इस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 लाख अमेरिकी डॉलर के ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्ट की घोषणा की, जो इन देशों के विकास, क्षमता निर्माण, और तकनीकी साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस शिखर सम्मेलन में 123 देशों के प्रतिनिधियों ने वर्चुअल माध्यम से शिरकत की। सबसे खास बात तो यह कि इसमें बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस भी शामिल हुए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि शामिल देशों के प्रतिनिधियों ने काफी शिद्दत से अपने विचार पेश किए और अपनी समस्याएं भी बताई। उन्होंने यह भी बताया कि इसमें टकराव भी नहीं दिख रहा था।

यह समिट ग्लोबल साउथ के लिए एक मजबूत नेतृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य में इन देशों के लिए एक प्रभावशाली मंच के रूप में उभर सकता है। इसके पहले भी भारत ने अपनी जी-20 की अध्यक्षता के दौरान की थी, एक जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले 12-13 जनवरी 2023 को और दूसरा जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद 17 नवंबर को। भारत की कोशिश यह थी कि वो जी-20 में ग्लोबल साउथ की आवाज को पेश कर सके और शिखर सम्मेलन के बाद ग्लोबल साउथ के देशों को जी-20 शिखर सम्मेलन में क्या हुआ इसके बारे में बताए। पहले और दूसरे वायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में 125 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

संगठन की जरूरत क्यों

विकसित देशों के प्रभावी संगठनों के मुकाबले, ग्लोबल साउथ के देशों के लिए भी एक मजबूत और प्रभावशाली संगठन की आवश्यकता है। इस संगठन के जरिए ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर अपनी समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी आवाज को और मजबूत बना सकते हैं। यह संगठन ग्लोबल साउथ के देशों के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म बन सकता है, जहां वे अपनी नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को साझा कर सकते हैं और उनके क्रियान्वयन में सहयोग कर सकते हैं।

किसने ली पहल

अभी तक ग्लोबल साउथ को एकजुट करने के बारे में सिर्फ भारत ने पहल ली है। ग्लोबल साउथ के ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, रवांडा, श्री लंका सहित अन्य देशों को सामने आना पड़ेगा। इतिहास ने देखा है कि चीन और पाकिस्तान जैसे देश साझे मंचों पर अपनी अति स्वार्थ वाली बातों के अलावा सामूहिक चिंता में कोई सहयोग नहीं किया है और पाकिस्तान का काम हर संभव मंच पर भारत विरोध करना। लेकिन ग्लोबल साउथ के अन्य देश विकास, रोजगार और लोकतंत्र के लिए कराह रहे हैं। उन्हें जरूरत है वायस ऑफ ग्लोबल साउथ की।

अलग हैं गुटनिरपेक्षता और वायस ऑफ ग्लोबल साउथ

कुछ लोगों का मानना है कि ग्लोबल साउथ की बातों से मौजूदा दौर में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की झलक मिलती है। लेकिन दोनों में काफी फर्क भी है। जहां गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उद्भव शीत युद्ध के समय हुआ था, जब दुनिया दो ध्रुवों में बंटी हुई थी–एक तरफ अमेरिका के नेतृत्व में पूंजीवादी ब्लॉक और दूसरी तरफ सोवियत संघ के नेतृत्व में समाजवादी ब्लॉक–वहीं, ग्लोबल साउथ आज के जटिल वैश्विक परिदृश्य में अपनी प्रासंगिकता तलाश रहा है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उद्भव 1950 और 1960 के दशक में हुआ, जब कई देश उपनिवेशवाद से आजाद हुए थे और वे शीत युद्ध के दो ध्रुवों में से किसी एक के साथ जुड़ने से बचना चाहते थे। उनका उद्देश्य था कि वे स्वतंत्र रूप से अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सकें और वैश्विक राजनीति में अपनी स्वायत्तता बनाए रख सकें। इसके विपरीत, ग्लोबल साउथ का उद्देश्य ध्रुवों के पचड़े से अलग दुनिया के सभी ध्रुवों के साथ मिलकर अपने विकास, आवश्यकताओं और चिंताओं का निराकरण करना है।

जी-20 और ग्लोबल साउथ की प्रासंगिकता

जी20 ने ग्लोबल साउथ और विकसित देशों के बीच एक पुल बनाने की कोशिश की है, लेकिन यह पूरी तरह से ग्लोबल साउथ की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता। इसकी सीमा इस तथ्य में निहित है कि यह संगठन न तो पूरी तरह से जी झ 7 के हितों का प्रतिनिधित्व कर सकता है, न ही ग्लोबल साउथ की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दे सकता है। इस कारण, ग्लोबल साउथ की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है, क्योंकि यह वह मंच है जहां विकासशील देश अपनी आवाज को पूरी ताकत के साथ उठा सकते हैं और अपने मुद्दों पर केंद्रित रह सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

नित्या मेनन ने राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर जाहिर की खुशी

70वें नेशनल अवॉर्ड की हाल ही में घोषणा की गई है। नित्या मेनन को फिल्म थिरुचित्रम्बलम के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। अभिनेत्री ने मानसी पारेख के साथ पुरस्कार साझा किया, जिन्होंने कच्छ एक्सप्रेस (गुजराती) में अपनी भूमिका के लिए पुरस्कार जीता। नित्या ने हाल ही में इस पर प्रतिक्रिया देते हुए खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, ईमानदारी से, मुझे नहीं पता था कि वे राष्ट्रीय पुरस्कारों की घोषणा कर रहे हैं। यह असामान्य लग सकता है। मगर मुझे हलचल से दूर रहना पसंद है। मुझे इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी।

नित्या मेनन ने एक बातचीत में कहा, हे भगवान, यह बहुत ही आश्चर्यचकित कर देने वाला था। क्या इतने सारे लोगों के पास मेरा नंबर है? क्या इतने सारे लोग मेरी परवाह करते हैं? क्या इतने सारे लोग मेरे पुरस्कार जीतने की परवाह करते हैं? जो वास्तव में एक आशीर्वाद था, वह उनकी इच्छाओं की सच्चाई थी। जीत बहुत से लोगों को व्यक्तिगत लगी, और वे इसे ऐसे मना रहे हैं जैसे यह उनकी अपनी जीत हो। इस तरह के किरदार करती हैं नित्या मेनन अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं इस तथ्य से संतुष्ट महसूस करती हूं कि थिरुचित्रम्बलम वह फिल्म है जिसने मुझे यह पुरस्कार दिलाया। बात यह है कि मैं हमेशा ऐसी फिल्में करना चाहती हूं, जो मुझे करते समय खुश रखें और इसे देखते समय दूसरों को भी खुशी मिले। मेरा मानना है कि किसी दूसरे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना या उसे खुश करना, इस उम्मीद में कि यह पुरस्कार से मान्य होगा।

थिरुचित्रम्बलम में धनुष के साथ दिखीं नित्या

थिरुचित्रम्बलम में धनुष और नित्या सबसे अच्छे दोस्त थिरु और शोभना की भूमिका में हैं। फिल्म में धनुष ने थिरु का किरदार निभाया। वह एक डिलीवरी बॉय होते हैं। थिरु अपने दादा (भारतीराजा) के साथ अच्छा तालमेल रखता है। मगर अपने पिता (प्रकाश राज) के साथ संबंध बनाने में संघर्ष करता है, जो एक पुलिस अधिकारी है।

मुझे ओवर एक्सपोजर का डर नहीं सताता

मनोरंजन जगत में तकरीबन 15 साल का वक्त बिता चुकी रसिका दुग्गल कई अहम फिल्मों और लोकप्रिय वेब सीरीज का हिस्सा रही हैं। मिर्जापुर 3 के बाद वे चर्चा में हैं जासूसी थ्रिलर शेखर होम से। रसिका दुग्गल ने मिर्जापुर की बिना के रूप में काफी शोहरत पाई। मगर सीजन 3 में उन्हें उतना स्क्रीन टाइम नहीं मिला। वे कहती हैं, किसी सीजन में आप कम दिखें, तो स्टोरी की डिमांड हो सकती है। कहानी किसी और डायरेक्शन में जा रही है, तो वह एंगल अगर मजबूत है, तो कोई समस्या नहीं है। मैं अपने बारे में न सोचकर, कहानी के बारे में सोचती हूं। हर एक अच्छा एक्टर यही सोचता है। मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है कि स्क्रीन टाइम कम है। मेरी चिंता किरदार के प्रभाव को लेकर ज्यादा होती है और मैं समझती हूं कि बीना का इंपैक्ट हर सीजन में बहुत अच्छा रहा है।

बीना का रोल सामने से मांगा

आज जिस भूमिका ने रसिका को घर -घर लोकप्रिय किया। वह भूमिका उन्होंने खुद जाकर मांगी थी। वे कहती हैं, सीजन वन में करण और अंशुमान भी जुड़े थे इस प्रोजेक्ट से। तो किसी ने मुझे बताया कि वो शो लिख रहे हैं। मैंने कहा, ठीक है, वो मुझे जानते हैं, तो मेरे लिए कुछ रोल होगा तो बोल देंगे। तो मुझसे कहा गया कि ऐसा नहीं होता, याद दिलाना पड़ता है। मुझे शर्म आ रही थी रोल मांगने में, मगर मैंने शर्म को त्याग कर फोन किया। मेरे दिमाग में था कि अगर वो मुझे कास्ट नहीं करना चाहेंगे, तो उनके लिए मुझे ना बोलना काफी मुश्किल हो जाएगा।

तब मेरी ग्रोथ मार खा जाएगी

बीते कुछ समय से रसिका ओटीटी पर काफी नजर आ रही हैं। हाल ही में उनकी फिल्म फेयरी फोक भी आई थी और ओटीटी पर मिर्जापुर 3 के साथ-साथ शेखर होम में भी दिखीं। क्या उन्हें ओवर एक्सपोज होने का डर नहीं सताता? के सवाल पर वे कहती हैं, नहीं, मुझे यह डर नहीं लगता है। अगर मैं यह डर लेकर बैठ जाऊं, तो कहीं न कहीं मेरी एक्सप्लोरेशन और एक्सपेरिमेंट मार खा जाएगी। एक हद तक यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपना किरदार अच्छे से निभाऊं। अगर मुझे उसमें कुछ नया करने का मौका मिल रहा है, तो मैं पीछे नहीं हटूंगी। अब यह सोचकर कि ओवर-एक्सपोज जाऊंगी और काम बंद कर दूं, तो ये ठीक नहीं होगा। एक एक्टर के तौर पर, अगर मैं इस स्ट्रेटजी में उलझ जाऊं, तो मेरी क्रिएटिविटी और ग्रोथ मार खा जाएगी।

जासूसी में फेलूदा पसंदीदा है

रसिका दुग्गल की हालिया सीरीज शिकार होम एक जासूसी सीरीज है। रसिका कहती हैं, मैं जासूसी स्पेस को बहुत इंजॉय करती हूं। मगर डिटेक्टिव कहानियों में मुझे फेलूदा का किरदार बहुत भाता है। सत्यजीत रे रचित इस किरदार में जासूसी की इ अलग दुनिया है। फेलूदा को तो मैं घोट कर पी गई हूं। इस तरह की जासूसी दुनिया का अपना मजा होता है, आप तब तक बंधे रहते हैं, जब तक की गुत्थी सुलझ नहीं जाती। हालांकि मैंने अपनी जिंदगी में कभी जासूसी नहीं की, मगर मैं कह सकती हूं कि मेरा पूर्वाभास कमाल का है। मुझे कई चीजों का अंदाजा हो जाता है।

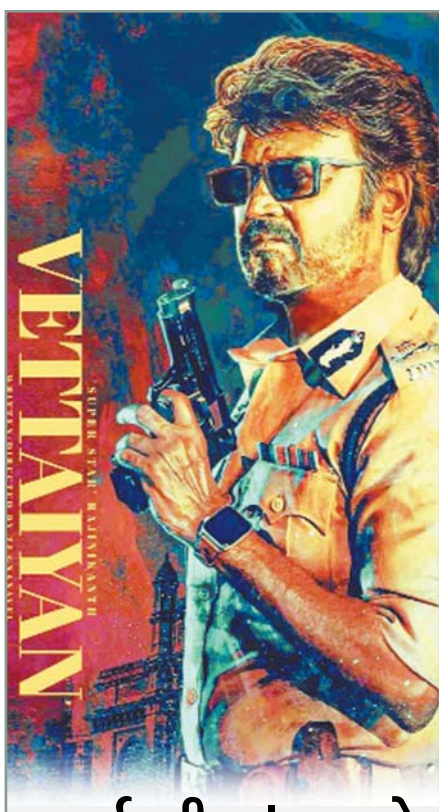

सूर्या की कंगुवा से भिड़ेगी रजनीकांत की वेट्टैयन

रजनीकांत की वेट्टैयन इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के लिए सुपरस्टार ने निर्देशक टीजे ज्ञानवेल के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म की शूटिंग रजनीकांत पहले ही खत्म कर चुके हैं, जिसकी जानकारी उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए दी थी। वहीं, अब प्रशंसकों को बेसब्री से फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार है। आखिरकार अब निर्माताओं ने प्रशंसकों के इंतजार पर विराम लगा दिया है।

उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए आधिकारिक तौर पर फिल्म की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है। निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख के एलान के साथ फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें पुलिस रजनीकांत के किरदार की झलक देखने को मिली है। निर्माताओं ने एलान किया है कि वेट्टैयन इस साल 10 अक्तूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, खबरों के अनुसार, फिल्म की रिलीज डेट का पता पहले ही चल गया था, जिसकी जानकारी रजनीकांत ने अपने आध्यात्मिक दौरे के दौरान दी थी, लेकिन अब निर्माताओं ने इस पर मुहर लगा दी है। फिल्म के नए पोस्टर में रजनीकांत पुलिस की वर्दी पहने धांसू अंदाज में नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने काला चस्मा भी पहना हुआ है। पोस्टर पर प्रदर्शन कर रहे लोगों की भीड़ भी दिखाई गई है। प्रशंसक रिलीज डेट के एलान के बाद से उत्साहित हैं और फिल्म के नए पोस्टर पर जमकर अपना प्यार बरसा रहे हैं। इससे पहले बीते दिन निर्माताओं ने पोस्ट साझा कर जानकारी दी थी कि वे आज, सोमवार को सुबह 10 बजे फिल्म से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणा करेंगे।

वेट्टैयन का निर्देशन जय भीम फेम फिल्म निर्माता टीजे ज्ञानवेल ने किया है, जो रजनीकांत के साथ उनका पहला सहयोग है। फिल्म लाइका प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है और इसमें अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत है। वेट्टैयन कई दिग्गज सितारों से सजी फिल्म होगी, जिसमें विभिन्न उद्योगों के कलाकार शामिल होंगे। रजनीकांत और राणा दग्गुबाती के अलावा, वेट्टैयन में अभिनेता अमिताभ बच्चन, फहद फाजिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, दुशारा विजयन, रितिका सिंह, जीएम सुंदर, रोहिणी, राव रमेश, रमेश थिलक, रक्षण और अन्य शामिल हैं।

ऊंचाई को दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर गदगद हुईं परिणीति चोपड़ा

साल 2022 की फिल्म ऊंचाई को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा में बड़ा मौका मिला क्योंकि इसने दो श्रेणियों में जीत हासिल की। सूरज बड़जात्या ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता, जबकि नीना गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का खिताब दिया गया। फिल्म की बड़ी जीत पर प्रतिक्रिया देने से परिणीति चोपड़ा भी खुद को रोक नहीं पाई हैं। अभिनेत्री भी इस फिल्म का हिस्सा हैं और प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करने पर अपनी टीम पर गर्व व्यक्त करती नजर आई हैं। परिणीति चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सूरज बड़जात्या और नीना गुप्ता की उपलब्धियों के बारे में जानकारी साझा की। ऊंचाई से एक तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, गर्व (मुस्कुराता चेहरा और हाथ जोड़ने वाली इमोजी)। ऊंचाई एक एडवेंचर ड्रामा फिल्म है जिसमें अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, बोमन ईरानी, डैनी डेन्जोंगपा, नीना गुप्ता, परिणीति चोपड़ा और सारिका जैसे कलाकार शामिल हैं। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा के बाद, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक विजेता सूरज बड़जात्या ने एक इंटरव्यू में कहा, 2022 के दौरान देश ने सिनेमा में जो सर्वश्रेष्ठ देखा है, उनमें से सम्मानित होने पर मैं आभारी हूं। उन्होंने अपनी खुशी और कृतज्ञता की भावना के बारे में साझा किया।

शेखर होम में जासूसी के बाद अब मुर्शीद में खूंखार गैंगस्टर बनकर लौट रहे के के मेनन

शेखर होम जैसी जबरदस्त वेब सीरीज देने के बाद एक्टर के के मेनन अब एक और धांसू सीरीज में नजर आने वाले हैं, जिसका नाम है मुर्शीद। मेकर्स ने हाल ही इसका फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज किया, जिसमें के के मेनन के साथ एक्टर तनुज विरवानी भी नजर आ रहे हैं। इस वेब सीरीज की अनाउंसमेंट साल 2021 में की गई थी। के के मेनन ने जहां ह्अज्ञ प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज हुई शेखर होम में एक जासूस का रोल निभाया, वहीं मुर्शीद में वह खूंखार रोल में दिखेंगे। मुर्शीद को 30 अगस्त को स्ट्रीम किया जाएगा। मेकर्स ने इसका पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर कर लिखा है, ये बॉम्बे है मेरी जान, और यहां सरताज-ए-बंबई उर्फ मुर्शीद भाई का सिक्का चलता है।

मुर्शीद की कास्ट और के के मेनन का रोल

इस सीरीज में के के मेनन और तनुज विरवानी के अलावा जाकिर हुसैन, अनंग देसाई, वेदिका भंडारी और राजेश श्रृंगारपुरे नजर आएंगे। यह एक गैंगस्टर-ड्रामा है, जिसमें के के मेनन गैंगस्टर बने हैं। उनका लुक काफी खतरनाक लग रहा है। मुर्शीद के पोस्टर में वह लंबे बाल, सफेद दाढ़ी में नजर आ रहे हैं, और हाथ में पिस्तौल है। वहीं, तनुज विरवानी एक पुलिस अफसर के रोल में होंगे। मेकर्स ने अभी तक मुर्शीद की स्टोरीलाइन रिवील नहीं की है, बस इतना पता चला है कि इस गैंगस्टर-ड्रामा की कहानी मुंबई के इर्द-गिर्द होगी।

मिलन लूथरिया ने डायरेक्ट की है मुर्शीद

मुर्शीद को मिलन लूथरिया ने डायरेक्ट किया है। इससे पहले उन्होंने मुंबई के गैंगस्टर पर आधारित दो फिल्में बनाई थीं। ये थीं वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई और वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा। उन्होंने सुल्तान ऑफ दिल्ली नाम की एक सीरीज भी डायरेक्ट की थी।

करण जौहर पर आरोप लगा बुरा फंसे अभिषेक बनर्जी? बयान साझा कर पेश की सफाई

स्त्री 2 और वेदा के अभिनेता अभिषेक बनर्जी ने हाल ही में खुलासा किया था कि वे अग्निपथ के कास्टिंग डायरेक्टर के पद पर काम कर रहे थे, लेकिन धर्मा प्रोडक्शन से निकाल दिया गया था। अब अभिनेता ने इस पर अपनी सफाई पेश की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके बयान की गलत व्याख्या की गई है। दरअसल अभिषेक ने किस्सा साझा करते हुए बताया था, अग्निपथ से हमने निकाल दिया था। अग्निपथ की कास्टिंग हम लोग कर रहे थे, बाद में जोगी भाई आए। क्यों निकाल दिया? क्योंकि वो कास्टिंग करण सर को पसंद नहीं आई, उनको पसंद नहीं आई, क्योंकि हम लोग कुछ ज्यादा ही अनुराग कश्यप वाले अभिनेता ला रहे थे, जो हमारे जैसे ही थे, जो उन्हें पसंद नहीं आया। फिर उन्होंने बोला कि निकल जाओ हमारी फिल्म से। मुझे लगा करियर बर्बाद, खत्म, धर्मा से निकल गए, अब हो गया सब खत्म, लेकिन शुक्र है कि मैं बच गया।

फिल्म का निर्माण करण जौहर ने किया था और करण मल्होत्रा ने इसका निर्देशन किया था, इसलिए यह स्पष्ट नहीं था कि उन्होंने किस करण की ओर इशारा किया था। अभिषेक ने अब स्पष्ट किया है कि उनका मतलब करण मल्होत्रा से था न कि जौहर से। अभिषेक ने एक बयान जारी किया, जिसमें लिखा था, इस हफ्ते मुझे दो रिलीज और एक विवाद का सामना करना पड़ा है। मैं अग्निपथ (2012) की कास्टिंग प्रक्रिया के दौरान धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा मेरी कंपनी कास्टिंग बे को निकालने के बारे में बहुत सारी रिपोर्ट पढ़ और सुन रहा हूं।

अभिषेक ने आगे कहा, दुर्भाग्य से इस स्थिति को मेरे द्वारा आरोप लगाने के रूप में पूरी तरह से गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। एक पॉडकास्ट में मैंने अपनी बर्खास्तगी का कारण बताया था, यह स्वीकार करते हुए कि मैं अग्निपथ के लिए निर्देशक करण मल्होत्रा के विजन के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ था। मैंने इस बात पर भी जोर दिया कि उस समय अनमोल और मैं काफी युवा थे, लगभग 20 से 23 साल के और किसी बड़ी कमर्शियल फिल्म के लिए कास्टिंग का बहुत कम या बिल्कुल भी अनुभव नहीं था, जिसके कारण शायद हमने प्रोजेक्ट के लिए मिस्टर मल्होत्रा की आवश्यकताओं की गलत व्याख्या की।

अभिषेक ने कहा कि मैंने धर्मा प्रोडक्शंस पर किसी भी तरह के गलत काम का आरोप नहीं लगाया है। वास्तव में, मेरे मन में धर्मा प्रोडक्शंस और करण जौहर के लिए गहरा सम्मान है। मैंने हमारी निकाले जाने के संबंध में कभी भी करण जौहर का उल्लेख नहीं किया, फिर भी कुछ रिपोर्टों में गलत दावा किया गया है कि उन्होंने ही हमें निकाला था। यह निर्णय वास्तव में मिस्टर मल्होत्रा की टीम द्वारा लिया गया था और मैंने अपनी गलतियों को स्वीकार किया। मैंने यह कहानी युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए साझा की कि भले ही आप असफल हों या किसी बाधा का सामना करें, आप हमेशा वापस उछल सकते हैं, जैसा कि मैंने किया। मैंने धर्मा के साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया, जिसमें ओके जानू, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2, कलंक और हाल ही में रिलीज हुई किल और ग्यारह ग्यारह शामिल हैं। इसके अलावा, धर्मा ने मुझे अजीब दास्तां में एक अभिनेता के रूप में भी कास्ट किया।

मुझे फिल्मों से हटना है, रिया चक्रवर्ती के शो में भावुक हुए आमिर खान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले सुपरस्टार आमिर खान कई बार फिल्मों से संन्यास लेने का संकेत दे चुके हैं और अक्सर वे इस बारे में बात भी करते नजर आए हैं। रविवार को अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने अपने पॉडकास्ट चैप्टर 2 के आगामी एपिसोड का टीजर जारी किया। प्रोमो में आमिर खान और रिया के बीच बातचीत देखने को मिली। इस दौरान उन्होंने अपने स्टारडम के बारे में बात करने से लेकर फिल्मों पर विस्तार से चर्चा की। आमिर ने बताया कि वे फिल्मों से खुद को अलग करना चाहते हैं। आमिर ने कहा, मुझे फिल्मों से हटाना है। जवाब में रिया ने कहा, झूठ तो इस पर आमिर ने जवाब दिया, नहीं मैं सच बोल रहा हूं। एक समय पर आमिर भावुक भी हो गए। उन्हें आंसू बहाते और कुछ कहने से पहले रुकते हुए देखा गया। उन्हें यह कहते हुए सुना गया, वहां से मेरा चैप्टर 2 शुरू हुआ... 2022 में अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा की असफलता के बाद आमिर ने अभिनय से ब्रेक लेने की घोषणा की।

विराट कोहली को लेकर पीयूष चावला ने किया बड़ा खुलासा, कहा- विराट आज भी बिल्कुल वैसे...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अक्सर चर्चा में रहते हैं। वहीं कई दिग्गज उनके बारे में कह चुके हैं कि वो समय के साथ बदल गए हैं। युवराज सिंह ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि पहले का विराट कोहली चीकू था और अब चीकू है ही नहीं। वहीं अमित मिश्रा ने तो यहां तक कह दिया था कि सफलता विराट के सिर चढ़ गई थी, और वह बिल्कुल बदल गए। लेकिन पूर्व स्पिनर पीयूष चावला ने कोहली के बारे में बड़ा खुलासा करते हैं सबको चौंका दिया है।

दरअसल, पीयूष चावला का एक पुराना इंटरव्यू फिर से वायरल हो रहा है। जिसमें वह कहते हुए दिख रहे हैं कि विराट कोहली पिछले 10-15 सालों में कोई बदलाव नहीं आया है। 2 स्लॉगर्स पॉडकास्ट पर जब पीयूष से पूछा गया था, कि आप हमें ये बताइए कि विराट कोहली क्यों बदल गए है?

तो इस पर चावला कहते हैं कि मैं तो जितना भी विराट से मिला हूं, जितना भी उनके साथ खेला हूं मेरा बहुत अच्छा अनुभव रहा है। हम लोग जूनियर क्रिकेट साथ खेले हैं और उसके बाद आईपीएल में खेले, टीम इंडिया के लिए साथ खेले हैं। मेरे साथ यही चीज है... देखिए हर किसी का अपना- अपना सोचना होता है, मेरे साथ जितनी भी बातचीत हुई है, हम अभी भी जब मिलते हैं तो बहुत अच्छे से मिलते हैं।

पीयूष चावला ने आगे कहा कि, वो जब एशिया कप में खेल रहे थे, और मैं कॉमेंट्री कर रहा था, मैं बाउंड्री के पास खड़ा हुआ था। इनिंग के बाद जो शो करना होता है, उसके लिए तो वहां पर वो आया और कहा पीसी यार चल कुछ अच्छा सा ऑर्डर करते हैं। क्योंकि हम दोनों ही खाने के बहुत शौकीन हैं, तो इस तरह से आज भी वैसे ही बातचीत होती है। जैसी आज से 10 साल या 15 साल पहले होती थी। पीयूष चावला का ये इंटरव्यू काफी पुराना है, लेकिन इस इंटरव्यू का ये हिस्सा फिलहाल काफी वायरल हो रहा है।

सुमित अंतिल को नीरज चोपड़ा की सलाह, पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा ने सुमित अंतिल को सलाह दी है कि पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना। अंतिल ने पेरिस पैरालिंपिक से पहले नीरज की सलाह साझा करते हुए कहा, 'नीरज भाई कहते हैं कि मुझे कुछ भी नया करने का प्रयास नहीं करना और बस शांत, धैर्यता से अपनी तैयारी पर भरोसा करना चाहिए।% अंतिल का मानना है कि आत्मविश्वास के बावजूद भाला कभी भी चोट पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी पीठ में चोट है, उन्हें पेरिस में प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम इस बार चोट से बचने को लेकर बहुत सतक हैं। चोटिल होने पर यह थ्रो को प्रभावित करता है। अभी मुझे पीठ में मामूली खिंचाव है और मैं नहीं चाहता कि यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित करे। इसके अलावा मेरी तैयारी अच्छी चल रही है और मैं अच्छा प्रदर्शन कर पदक के साथ स्वदेश लौटने का प्रयास करूंगा। आगामी 28 अगस्त से आठ सितंबर तक चलने वाले पैरालिंपिक खेलों में भारतीय दल के ध्वजवाहक में से एक अंतिल ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पेरिस ओलंपिक मे भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा से प्रेरित हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के इस भाला फेंक एथलीट अंतिल ने टोक्यो में अपनी स्पर्धा में तीन बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है और एफ-64 श्रेणी में 68.55 मीटर के दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता था। सोनीपत के 26 वर्षीय स्पोर्ट्स हीरो अंतिल ने 2015 में एक दुर्घटना में अपना बायां पैर खो दिया था।

जय शाह बन सकते हैं अगले आईसीसी चेयरमैन

-30 नवंबर को समाप्त हो रहा बार्कले का कार्यकाल

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अगले आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इसी साल 30 नवंबर को समाप्त हो रहा है। वहीं बार्कले तीसरे कार्यकाल की दौड़ से अलग हो गये हैं। ऐसे में जय शाह के इस पद पर आने की अटकलें हैं। शाह इस पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे या नहीं यह 27 अगस्त तक तय होगा। ये चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है। आईसीसी चेयरमैन के दो-दो साल के तीन कार्यकाल होते हैं और बार्कले के ये साल पूरे हो गये हैं।

आईसीसी ने कहा, ''बार्कले ने बोर्ड से कह दिया है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार नहीं हैं। नवंबर के अंत में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वह पद छोड़ देंगे। बार्कले को नवंबर 2020 में आईसीसी चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें 2022 में फिर से इस पद पर चुना गया।'' आईसीसी के नियमों के अनुसार चेयरमैन के चुनाव में 16 वोट होते हैं और अब विजेता के लिए नौ मत का साधारण बहुमत (51फीसदी) आवश्यक है। इससे पहले चेयरमैन बनने के लिए निवर्तमान के पास दो-तिहाई बहुमत होना आवश्यक था। आईसीसी ने कहा, ''मौजूदा निदेशकों को अब 27 अगस्त 2024 तक अगले अध्यक्ष के लिए नामांकन प्रस्तुत करना होगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवार हैं तो चुनाव होगा और नए चेयरमैन का कार्यकाल एक दिसंबर 2024 से शुरू होगा।'' जय आईसीसी के बोर्ड में सबसे प्रभावशाली सदस्यों में शामिल हैं। वह अभी आईसीसी की शक्तिशाली वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख हैं।

पूर्व बल्लेबाजी कोच बोले, रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी

-मैच को लेकर अपनी रणनीति नहीं भूलते

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मैच को लेकर बनायी रणनीति नहीं भूलते। फिर चाहे वह ये भूल जाएं की टॉस के समय उन्होंने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था या गेंदबाजी का। राठौड़ के अनुसार रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

राठौड़ ने कहा कि वह कोई अन्य बात भूल जाता है पर अपनी योजना कभी नहीं भूलता। उन्होंने 29 जून को बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए टी20 विश्व कप फाइनल में रोहित के रणनीतिक फैसलों को भी याद करते हुए कहा कि उन्होंने जसप्रीत बुमराह को ओवर तेजी से फेंकने को कहा और इसका लाभ टीम को मिला। राठौड़ ने कहा कि वह एक कप्तान के रूप में सामरिक रूप से बहुत अच्छे हैं। टी20 विश्व कप फाइनल में उन्होंने बुमराह का ओवर जल्दी खत्म कर दिया था। बहुत से लोगों ने उस फैसले पर सवाल उठाए होंगे लेकिन उस फैसले ने हमें उस स्थिति में डाल दिया, जहां आखिरी ओवर में 16 रन की जरूरत थी। मैदान पर उनके लिए कई फैसले आमतौर पर सटीक होते हैं।

राठौड़ जोकि सीनियर पुरुष चयन समिति के सदस्य भी रह चुके हैं, ने स्वीकार किया कि उन्हें अभी तक ऐसा कोई कप्तान नहीं मिला है जो रोहित की तरह खेल में ली हो। उन्होंने कहा कि उनकी पहली खूबी यह है कि एक बल्लेबाज के रूप में वह एक असाधारण खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वह ऐसा व्यक्ति है जो अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उनके पास हमेशा एक स्पष्ट रणनीति होती है। एक नेता के रूप में भी आपको आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। राठौर ने कहा कि वह एक खिलाड़ी के कप्तान हैं। किसी कप्तान को मैंने टीम बैठक या रणनीति में इतना शामिल होता नहीं देखा जितना उन्हें देखा है। वह टीम की रणनीति पर काफी समय बिताते हैं। वह गेंदबाजों की बैठक, बल्लेबाजों की बैठक का हिस्सा रहते हैं। वह खिलाड़ियों के साथ समय बताते हैं और इस दौरान बताते हैं कि किससे उन्हें क्या चाहिये।

श्रीजेश को 2 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार देगी केरल सरकार

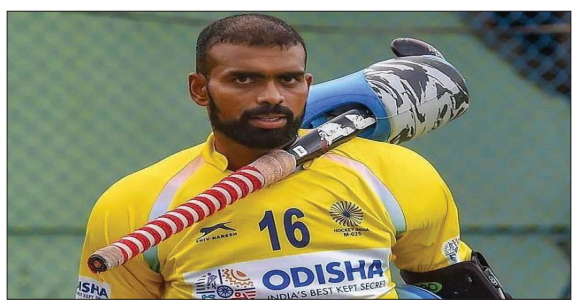

तिरुवनंतपुरम । केरल सरकार ने बुधवार को भारतीय हॉकी के दिग्गज गोलकीपर और पेरिस ओलंपिक में टीम को लगातार दूसरा पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पीआर श्रीजेश के लिए दो करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। इसमें कहा गया, 'पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे पी आर श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।' श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक के बाद खेल से संन्यास ले लिया था।

मनु ने सम्मान समारोह में बच्चों के साथ किया डांस

चेन्नई । पेरिस ओलंपिक निशानेबाजी में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर अब अपने डांस के कारण छायी हुई हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वायरल वीडियो में मनु को एक सम्मान समारोह के दौरान कुछ स्कूली बच्चों के साथ बार-बार देखो फिल्म के मशहूर गाने काला चश्मा पर थिरकते देखा गया। वह इस गाने पर बच्चों के साथ ताल से ताल मिलाते नजर आ रही हैं। मनु ने ओलंपिक के एक ही सत्र दो व्यक्तिगत पदक जीतकर रिकार्ड बनाया था। वह इसके बाद से ही बेहद लोकप्रिय हो गयी हैं। चेन्नई के एक स्कूल में हुए सम्मान समारोह में मनु ने कहा, टोक्यो ओलंपिक से असफल लौटने के बाद मेरे लिए फिर से आत्मविश्वास हासिल करना बहुत कठिन था। मैं दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी थी, लेकिन मैंने इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे हारने और फिर जीतने का स्वाद पता है। यही तो खेलों की खूबसूरती है। एक प्रतियोगिता आप हारते हैं, तो आप दूसरी जीत सकते हैं। लेकिन, यह तभी होगा जब आप कड़ी मेहनत करेंगे। युवा छात्रों से करियर के विकल्प के रूप में खेल को अपनाने को लेकर इस निशानेबाज ने बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें बहुत मेहनत और प्रयास करना चाहिए। हमारे पास करियर के लिए कई विकल्प हैं। आपको डॉक्टर या इंजीनियर ही बनने की जरूरत नहीं है। खेलों को भी चुन सकते हैं।

फिर रिंग में उतरेंगे टायसन

न्यूयॉर्क । पूर्व हैवीवेट चैम्पियन माइक टायसन एक बार फिर रिंग में उतरना चाहते हैं। 58 साल के टायसन पिछले काफी समय से बीमार हैं इस कारण वह बार बार रिंग में अपनी वापसी को टालते रहे हैं। इस बार वह अपने कदम वापसी खींचने के लिए तैयार नहीं हैं हालांकि इससे उनकी जान जरुर खतरे में पड़ सकती है। टायसन को इस बार जैक पॉल से मुकाबला करना है। वहीं जब इस मुक्केबाज से पूछा गया है कि स्वास्थ ठीक नहीं होने के बाद भी वह अपने को खतरे में क्यों डाल रहे हैं तो इस पूर्व विजेता ने कहा कि केवल मैं ही ऐसा कर सकता हूं काई और नहीं । कोई भी इस प्रकार के जोखिम नहीं उठाना चाहेगा पर मुझे ये अच्छे लगते हैं। मेरे अलावा कोई रिंग में उतरने तैयार भी नहीं होगा। इस दौरान टायसन के प्रशंसकों ने उसके समर्थन में नारे लगाए जबकि विरोधी पॉल का मजाक उड़ाया। टायसन और पॉल के बीच की यह मुकाबला पहले 20 जुलाई को होना था पर तब टायसन को अल्सर की समस्या होने के कारण इसे टाल दिया गया था। यह मुकाबला अब 15 नवंबर को टेक्सास के आर्लिंगटन में होगा। टायसन ने कहा कि अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उन्होंने दो या तीन सप्ताह पहले अभ्यास शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं इस मुकाबले के लिए तैयार हूं।

जहीर खान बन सकते हैं लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर, 2 और टीमें कर रही संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। गौतम गंभीर के भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच बनने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स अपने कोचिंग सेटअप में जहीर खान को जोड़ना चाह रही। ऐसा माना जा रहा है कि दो अन्य फ्रेंचाइजी भी जहीर को टीम में शामिल करने के लिए इच्छुक थीं, जो हाल ही मुंबई इंडियंस में वैश्विक विकास के प्रमुख थे इससे पहले वह 2018-2022 तक फ्रेंचाइजी के क्रिकेट डायरेक्ट थे।

पिछले साल के आखिर में गौतम गंभीर के जाने के बाद से लखनऊ सुपर जायंट्स बिना किसी मेंटर के है। गंभीर, जो उस सपोर्ट ग्रुप का हिस्सा थे जिसने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपना तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने में मदद की थी। इसके बाद वो भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच बन गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल, जो एलएसजी के गेंदबाजी कोच थे, अब उसी भूमिका में भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं।

मेंटर की भूमिका के अलावा, लखनऊ सुपर जायंट्स जहीर को और बड़ी भूमिका देना चाहती है। ऑफ सीजन के दौरान टैलेंट स्काउटिंग और खिलाड़ी विकास कार्यक्रम में भी वो शामिल हो सकते हैं। लखनऊ के बैकरूम का नेतृत्व वर्तमान में जस्टिन लैंगर कर रहे हैं। जिन्होंने आईपीएल 2024 से पहले एंडी फ्लावर की जगह मुख्य कोच के रूप में काम किया है, उनके सहायक के रूप में लांसस क्लूजनर और एडम वोजेस हैं। अपने पहले दो सीजन में प्लेऑफ बर्थ हासिल करने के बाद, केएल राहुल की अगुवाई वाली टीम 2024 में टॉप चार में जगह बनाने के लिए नेट रन रेट पर पिछड़ गई।

रौनक दहिया ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

अम्मान (जॉर्डन)। भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अपने आयु वर्ग की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया। यह मौजूद चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कज़ाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को दो मुकाबले जीतने होंगे। उनका पहला मुकाबला अमेरिका के डोमिनिक माइकल मुनारेटो से होगा। अगर वह यह मुकाबला जीत जाते हैं तो उन्हें कांस्य पदक के लिए आर्मेनिया के सर्गिस हारुत्युनन और जॉर्जिया के इउरी चैपिडेज़ के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ना होगा।

महिला टी20 विश्वकप अब यूएई में खेला जाएगा : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए वहां अक्टूबर में में होने वाला आईसीसी महिला टी20 विश्वकप 2024 अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। महिला टी20 विश्व कप का आयोजन 3 से 20 अक्टूबर तक होगा। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ' महिला विश्वप का नौवां संस्करण अब यूएईमें खेला जाएगा हालांकि इसका मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ही रहेगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 के मैच यूएई के दो स्थानों दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसी को इसको लेकर आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी न करना हमारे लिए खेद की बात पर क्योंकि हम जानते हैं कि बीसीबी इसका सफल आयोजन करता पर देश के बदले हुए हालातों में ये संभव नहीं था।' 'साथ ही कहा कि मैं बीसीबी की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस आयोजन को बांग्लादेश में आयोजित करने के लिए सभी संभव प्रयास किये और सुरक्षा के लिए सेना प्रमुख को भी लिखा पर कोई परिणाम नहीं निकलने पर तटस्थ स्थल का विकल्प अपनाया। देश के हालातों को देखते हुए भाग लेने वाली टीमों की सरकारों अपनी टीम भेजने को तैयार नहीं थीं। हम निकट भविष्य में बांग्लादेश में हालात ठीक होने पर वैश्विक आयोजन कराना चाहेंगे ।.' आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में कुल 10 टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड भाग लेंगी।

भारतीय पैरालंपिक एथलीटों का पहला दल हुआ पेरिस रवाना

नई दिल्ली। भारतीय पैरा-एथलीटों और अधिकारियों का पहला दल पेरिस पैरालंपिक 2024 की तैयारी के लिए फ्रांस के लिए रवाना हो गया है। इस दल में चार पैरा-एथलीट शामिल हैं जो विभिन्न एथलेटिक स्पर्धाओं में प्रदर्शन करेंगे। इन एथलीटों में प्रीति पाल (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), सिमरन (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), मोहम्मद यासर (एफ46 शॉट पुट), रवि रंगोली (पुरुष शॉट पुट एफ40) शामिल हैं। एथलीटों के साथ पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण और भारतीय पैरालंपिक समिति के मुख्यकार्यकारी राहुल स्वामी भी हैं। इससे दल को पेरिस में स्थानीय परिस्थितियों और मौसम के अनुकूल ढलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता मिलेगी। इस बार 84 एथलीटों का भारतीय दल 12 स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा। यह अब तक सबसे बड़ा दल है। पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा, 'हमारे एथलीटों ने अपने प्रशिक्षण के दौरान बहुत परिश्रम किया है। समय पूर्व वहां पहुंचकर पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना हमारी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें भरोसा है कि यह तैयारी हमें प्रतियोगिता में बढ़त दिलाएगी।' पीसीआई के मुख्य कार्यकारी राहुल स्वामी ने कहा, 'पैरालिंपिक हमारे एथलीटों की ताकत और प्रदर्शन करने एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें भरोसा है कि पेरिस में यह तैयारी का चरण उन्हें खेलों की शुरुआत में अपने चरम पर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगा।' कोबे एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिमरन ने कहा, 'मुझे पेरिस पैरालिंपिक में अपने कोबे चैंपियनशिप के प्रदर्शन को दोहराने का भरोसा है। तैयारी बहुत अच्छी रही है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं।'

ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के समान महत्वपूर्ण है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह श्रृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण श्रृंखला में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। स्टार्क ने कहा, 'इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे यह एशेज श्रृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है।' ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क न केवल श्रृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

भारत की टीम काफी मजबूत है

उन्होंने कहा, 'हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है।' भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा, 'भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला होने वाली है। उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी।'

संन्यास पर बोले स्टार्क

स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है। उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचो टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा।'

टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता

स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है। आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं। इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे। हमारे लिए ये मैच प्राथमिकता में हैं। हम सभी अभी भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए तैयारी कर रहे हैं।'

संक्षिप्त समाचार

इटली में तूफान के बीच जहाज डूबने के बाद ब्रिटेन के टेक टाइकून माइक लिंच लापता

रोम, एजेंसी। सिसिली के तट के पास सोमवार तड़के तूफान के बीच एक जहाज के डूब जाने से ब्रिटेन के प्रौद्योगिकी कारोबारी माइक लिंच, उनके वकील और चार अन्य लोग लापता हैं। इटली के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लिंच की पत्नी और 14 अन्य लोगों को बचा लिया गया। सिसिली की नागरिक सुरक्षा एजेंसी से जुड़े साल्वो कोकिना ने बताया कि जून में अमेरिका में धोखाधड़ी के एक बड़े मुकदमे में बरी किए गए लिंच उन छह लोगों में शामिल हैं, जिनका अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि पोर्टिसेलो के पास आए तूफान के बीच लिंच का जहाज डूब गया।

अमेरिका में केंटकी कोर्ट के बाहर मां और बेटी की गोली मारकर हत्या

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के केंटकी में एक अदालत के बाहर सोमवार को एक बंदूकधारी ने एक मां और बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी और एक अन्य व्यक्ति को घायल कर दिया। पुलिस के पीछा करने के दौरान उसने राजमार्ग पर खुद को भी गोली मार ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। एलिजाबेथटाउन पुलिस ने बताया कि संदिग्ध क्रिस्टोफर एल्डर (46) की हालत गंभीर बनी हुई है। उसने खुद को गोली मार ली थी। पुलिस के अनुसार, गोली लगने से मारी गई, एलिजाबेथटाउन निवासी एरिका रिले (37) सोमवार को सुबह एल्डर के साथ हार्डिन काउंटी में एक अदालत की सुनवाई में शामिल हुई थी। एलिजाबेथटाउन के पुलिस प्रमुख जेरेमी थॉम्पसन ने बताया कि दोनों के बीच संबंध थे। पुलिस ने सोमवार दोपहर एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि रिले की मां, हार्डिसबर्ग निवासी जेनेट रेली (71) को भी गोली लगी और अस्पताल ले जाने के बाद उनकी मृत्यु हो गई। थॉम्पसन ने बताया कि गोलीबारी पार्किंग स्थल में हुई और फिर एल्डर घटनास्थल से भाग गया। थॉम्पसन ने बताया कि पुलिस को पश्चिमी केंटकी में एक राजमार्ग पर एल्डर का वाहन नजर आया और उसका पीछा करके उसे रोक लिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस के वार्ताकार एल्डर से बात कर रहे थे, इसी दौरान उसने खुद पर बंदूक तान ली। एलिजाबेथटाउन लुइसविले से लगभग 72.4 किलोमीटर दक्षिण में है। थॉम्पसन ने बताया कि जिस व्यक्ति को गोली मारी गई, वह भी रिले का रिश्तेदार था। पुलिस ने बताया कि उसकी हालत स्थिर है। थॉम्पसन ने बताया कि गोलीबारी के बाद आस-पास के इलाके में ''हल्का लॉकडाउन लगाया गया, जिसे बाद में हटा लिया गया।

पाकिस्तान में आतंकवादी हमले में दो पुलिसकर्मियों की मौत, एक घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गोलीबारी में दो पुलिसकर्मी मारे गए और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना प्रांत के लक्की मरवत जिले के बरगई इलाके में हुई, जब अज्ञात आतंकवादियों ने पुलिस के एक वाहन पर हमला कर दिया, जिसमें दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घायल हो गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने पुलिस सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इलाके में नियमित गश्ती के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला किया गया। पुलिस की जवाबी गोलीबारी में दो आतंकवादी भी घायल हो गए। घटना के बाद, बचाव दल के साथ पुलिस की एक अतिरिक्त टुकड़ी घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और हमले में शामिल आतंकवादियों के साथियों को गिरफ्तार करने के लिए आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

शेख हसीना के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक प्राधिकरण में केस दर्ज

आवामी लीग पर प्रतिबंध के लिए याचिका; पूर्व मंत्री गिरफ्तार

ढाका , एजेंसी।
बांग्लादेश के सैन्य शासन ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़ने को विवश करने के बाद देश से भगाने के बाद अब उनका राजनीतिक अस्तित्व मिटाने और उनकी पार्टी को भी खत्म करने का राजनीतिक षड्यंत्र रचा गया है। हसीना की पार्टी अवामी लीग को प्रतिबंधित करने की हाई कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की है। इसके जरिये आवामी लीग पार्टी का पंजीकरण भी रद कराया जाएगा।

पार्टी पर छात्र आंदोलन के लोगों की हत्या के आरोप में यह केस दर्ज किया गया है। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय आपराधिक प्राधिकरण (आइसीटी) में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके पूर्व कैबिनेट मंत्री और 26 अन्य लोगों के खिलाफ एक शिकायत दर्ज की गई है। हसीना और उनके पूर्व मंत्रियों पर मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के आरोप लगाए गए हैं।

शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने के लिए सारदा सोसाइटी नामक एक संगठन के कार्यकारी निदेशक अरिफुर रहमान मुराद ने ढाका स्थित हाई कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की है। उन्होंने अपनी याचिका में यह भी अपील की है कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को कम से कम तीन साल का सेवाविस्तार दिया जाए।

इस बीच, वरिष्ठ बीएनपी नेता के घर में हमला कर पूर्व विदेश मंत्री दिपू मोनी को एक वरिष्ठ बीएनपी नेता के घर पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार 76 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ मामलों की यह ताजा कड़ी है। हाल के छात्र आंदोलन में मारे गए शहरयार हसन अल्वी के पिता मो.अबुल हसन ने शेख हसीना समेत 27 लोगों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय ट्रिब्यूनल में शिकायत की है। मंत्रियों के खिलाफ भी केस दर्ज आइसीटी जांच एजेंसी 500 और अनाम लोगों की पड़ताल कर रही है। इस मामले में अन्य प्रमुख आरोपितों में पूर्व मंत्री अबैदुल कादिर, राशिद खान मेनन, हसनुल हक इनु और पूर्व आइजी अब्लुद अल ममून शामिल हैं। इसके अलावा, सोमवार को ही बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी कैबिनेट के दो पूर्व मंत्रियों के खिलाफ हत्या के दो और मामले दर्ज कर लिए गए हैं। शेख हसीना को अपदस्थ करने के लिए हुए देशव्यापी विरोध-प्रदर्शनों के दौरान मारे गए इन लोगों की मौत का दोष भी अपदस्थ प्रधानमंत्री के सिर ही मढ़ दिया गया है।

हसीना समेत 148 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला: लिटन के भाई ने हसीना समेत 148 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पूर्व मंत्री असदुजमान खान कमाल और पूर्व आइजी अब्लुद अल ममून को भी आरोपित बनाया गया है। तारिक की मां फिदुशी खातून ने हसीना, पूर्व मंत्री अबैदुल कादिर और पूर्व सूचना व प्रसारण मंत्री हसन महमूद समेत 13 अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। ढाका की जिला अदालत इस मामले को देख रही है।

इस बीच, बांग्लादेश के नवनियुक्त सुरक्षा सलाहकार पूर्व ले.जनरल मो.जहांगीर आलम चौधरी ने रोहिंग्या संकट पर बताया कि अंतरिम सरकार ने संयुक्त राष्ट्र से अतिरिक्त सहयोग मांगा है। रोहिंग्या की आबादी हर दिन बढ़ती जा रही है। बांग्लादेश में अब 12 लाख रोहिंग्या हैं। बांग्लादेश में अगले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र का %फैक्ट फाइंडिंग मिशन% आएगा। इधर, ढाका के 32 पुलिस थानों 32 पुलिस प्रमुखों की तैनाती में भारी फेरबदल किया गया है।

पाकिस्तान में एमपॉक्स मरीज में नहीं मिला अफ्रीका में कहर बरपाने वाला स्ट्रेन, कांगो में ले चुका है 548 की जान

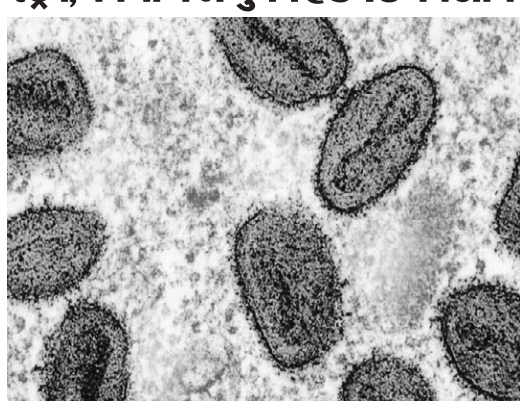

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पड़ोसी देश पाकिस्तान तक एमपॉक्स आ पहुंचा है। इस बीच भारत में सरकार ने निगरानी बढ़ा दी है। राहत की बात यह है कि पिछले हफ्ते पाकिस्तान में मिला एमपॉक्स के केस में वह नया स्ट्रेन नहीं मिला, जो अफ्रीका में तेजी से फैल रहा है। पाकिस्तान में एमपॉक्स से पीड़ित यह 34 वर्षीय व्यक्ति कुछ दिन पहले खड़ी देश से लौटा था। हालांकि अब वह पूरी तरह से ठीक हो गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने स्ट्रेन की जांच भी की। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक मरीज में क्लेड 2बी स्ट्रेन मिला है। वहीं अफ्रीकी देश कांगो में क्लेड 1बी स्ट्रेन ने कहर बरपा रखा है। राहत की बात यह है कि अभी तक पाकिस्तान में क्लेड 1बी का कोई मामला सामने नहीं आया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले हफ्ते अफ्रीका में नए क्लेड 1बी स्ट्रेन के तेजी से फैलने से अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। स्वीडन की स्वास्थ्य एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि उसने क्लेड 1बी सब-क्लेड का एक मामला दर्ज किया है। यह अफ्रीका के बाहर मिला पहला मामला है। एमपॉक्स ने कांगो में कहर मचा रखा हैं। यहां अब तक 16,000 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं 548 लोगों की जान जा चुकी है।

इजरायल ने मंजूर किया युद्धविराम प्रस्ताव, ब्लिंकन बोले- हमास भी इसे स्वीकारे; नहीं तो यह आखिरी मौका

तेल अवीव , एजेंसी।
अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक के बाद कहा कि इजरायल ने गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई में आ रही रुकावटों को दूर करने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने हमास से भी ऐसा करने का आह्वान किया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि प्रस्ताव के मसौदे में हमास द्वारा बताई गई चिंताओं का समाधान किया गया है या नहीं।

ब्लिंकन आगे की बातचीत के लिए मिस्त्र और कतर जाएंगे। तीनों मध्यस्थ गाजा में युद्ध को समाप्त करने की कोशिश में लगे हैं। ताजा दौर की वार्ता से अमेरिका को काफी उम्मीदें हैं। दोहा में गुरुवार और शुक्रवार को दो दिन वार्ता चली, अब आगे की वार्ता काहिरा में अगले हफ्ते शुरू होगी। मध्यस्थों ने वार्ता को सही दिशा में बताया है। हालांकि, हमास ने दोहा वार्ता के ताजा प्रस्ताव में इजरायल की शर्तों को मानने का आरोप लगाते हुए इसकी आलोचना की है।

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से पश्चिम एशिया की अपनी नौवीं यात्रा पर रविवार को इजरायल पहुंच गए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि वर्तमान गाजा युद्धविराम और बंधकों की रिहाई को लेकर इजरायल और हमास के पास संभवत- यह अंतिम मौका है।

गाजा युद्धविराम वार्ता को उसके अंजाम तक पहुंचाने की कोशिश में अमेरिका लगा हुआ है। विदेश मंत्री ब्लिंकन मंगलवार को काहिरा रवाना हो जाएंगे। ब्लिंकन ने इजरायली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से भी मुलाकात की। हर्जोग ने ब्लिंकन से बातचीत की शुरुआत हमास पर यह आरोप लगाते हुए की कि वह बंधकों की रिहाई में आनकानी कर वार्ता को विफल बनाने की कोशिश कर रहा है।

हर्जोग ने वार्ता में सहयोग को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ ही मिस्त्र और कतर की भी प्रशंसा की। वहीं, ब्लिंकन ने कहा कि यह युद्ध का एक महत्वपूर्ण क्षण है।

तेल अवीव में हमास ने किया विस्फोट, एक की मौत: युद्धविराम वार्ता के बीच इजरायल के तेल अवीव में रविवार रात एक शक्तिशाली बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। इजरायल ने इसे आतंकी हमला बताया है। इस विस्फोट की जिम्मेदारी हमास और इस्लामिक जिहाद ने ली है। इजरायली पुलिस घटना की जांच कर रही है। इसी तरह इजरायली सेना ने कहा है कि सोमवार को लेबनान की सीमा से सटे उत्तरी इजरायल में हुए हमले में उसके एक सैनिक की मौत हो गई और एक घायल है।

न्यूयार्क में इंडिया डे परेड में दिखी राम मंदिर की झांकी, सोनाक्षी और जहीर इकबाल भी पहुंचे

न्यूयार्क , एजेंसी।
अमेरिका के न्यूयार्क में भारतवंशियों ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को इंडिया डे परेड निकाली। इसमें भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और धार्मिक विविधता की झलक दिखी। यह 42वीं इंडिया डे परेड थी। इसमें अयोध्या के राम मंदिर की झांकी शामिल की गई। इसके अलावा मुस्लिम, ईसाई और सिखों की झांकियां भी देखने को मिलीं।

परेड में भारतीय यहूदी और बौद्ध समूह के लोग भी शामिल हुए। लोगों ने महाराष्ट्र के पारंपरिक ढोल बजाते हुए राम मंदिर की झांकी का स्वागत किया। हजारों लोगों ने इस परेड में भाग लिया। हालांकि इस दौरान एक मुस्लिम संगठन के नेतृत्व वाले समूह ने परेड को बाधित करने का प्रयास किया, जिसे असफल कर दिया गया।

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल भी परेड में शामिल हुए। न्यूयार्क पुलिस विभाग ने परेड में मार्च करने के लिए अधिकारियों और बैंड की एक टुकड़ी भेजी। पुलिस विभाग ने अपने बैनर के साथ मार्च

किया। भारतीय तिरंगा थामे दो घुड़सवार पुलिसकर्मी भी रहे।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमले को लेकर भी एक झांकी निकाली गई, जिसमें बांग्लादेश में हिंदू नरसंहार रोकने की अपील की गई। इजरायली झंडा लिए एक व्यक्ति भी परेड में शामिल हो गया था। परेड मार्ग के कई स्थानों पर यहूदी और इजरायली लोगों ने राम मंदिर झांकी का समर्थन किया।

दक्षिण अफ्रीका के प्रतिष्ठित वांडरर्स स्टेडियम में इंडिया डे महोत्सव के साथ भारत सप्ताह का समापन हो गया है। इंडिया डे महोत्सव में 10 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस वर्ष इंडिया डे का विषय %स्वतंत्रता का आनंद% था, जिसमें 600 से अधिक कलाकारों ने भारत और दक्षिण अफ्रीका की विविध संस्कृति का प्रदर्शन किया। जोहान्सबर्ग में भारत के महावाणिज्यदूत महेश कुमार, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे।

महिला ने दिया तर्क- मुझे हत्या की कानूनी अनुमति, अदालत ने सुनाई 11 साल की सजा; मिलेगी पांच साल की पैरोल

वाशिंगटन।
अमेरिका के मिल्वौकी की एक महिला को सोमवार को 11 साल की सजा सुनाई गई। महिला ने 2018 में एक व्यक्ति को गोली मारी थी। महिला ने अदालत में तर्क दिया कि कानूनी तौर पर उसे हत्या की अनुमति है, क्योंकि जान गंवाने वाले व्यक्ति ने उसका यौन शोषण किया था।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक केनोशा काउंटी की अदालत ने यह सजा सुनाई है। केनोशा काउंटी के जिला अटॉर्नी माइकल ग्रेवली के मुताबिक महिला को पांच साल की पैरोल भी मिलेगी।

केनोशा काउंटी कोर्ट के अभियोजकों के मुताबिक दोषी महिला किजर ने 34 वर्षीय रैंडल वोलर को 2018 में केनोशा के विस्कॉन्सिन स्थित उसके घर पर जाकर सिर में गोली मारी थी। तब किजर की उम्र महज 17 साल थी। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार

किजर ने व्यक्ति के सिर में गोली मारी थी। बाद में उसका घर जला दिया था। इतना ही नहीं उसकी क्रूज़ कार भी चुरा ली थी। किजर ने हत्या, आगजनी और कार चोरी के आरोपों का सामना किया। किजर का कहना है कि वोलर उसे 16 साल की उम्र में तस्करी करके लाया था। 2022 में विस्कॉन्सिन के सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया था। इसके तहत तस्करी के पीड़ितों को तस्करी के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में किए गए अपराधों के दायित्व से मुक्त कर दिया था। इसमें हत्या जैसे मामले भी शामिल थे। अब किजर को यह साबित करना होगा कि वोलर की हत्या की वजह तस्करी थी।

हमास ने तेल अवीव में बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली, कहा- जब तक हत्या की नीति जारी रहेगी

तेल अवीव, एजेंसी।
इस्राइल में तेल अवीव के एक आराधनालय में हुए बम विस्फोट की जिम्मेदारी हमास और इस्लामिक जिहाद ने ली है। इस हमले में एक व्यक्ती की मौत हो गई थी जबकि एक राहगीर घायल गया था। इस्राइल पुलिस और शिन बेट खुफिया एजेंसी ने पहले ही इसे आतंकवादी हमला बताया था।

इस्राइली सरकार के प्रवक्ता डेविड मेन्सर ने कहा कि शुक्रवार को एक व्यक्ति विस्फोटकों से भरा एक बैग ले जा रहा था, इससे पहले कि वह व्यक्ति विस्फोटक को घनी आबादी के पास ले जाता उससे पहले ही विस्फोट हो गया।

एक संयुक्त बयान में, दोनों फलस्तीनी समूह हमास और इस्लामिक जिहाद ने कहा कि जब तक इस्राइल की कब्जे, नरसंहार और हत्या की नीति जारी रहेगी, तब तक हम शहादत देते रहेंगे। दोनों समूहों ने यह बयान 31 जुलाई को हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या को

लेकर दिया है। हालांकि ईरान की राजधानी तेहरान में हुई हानिया की हत्या के आरोपों को ना तो इस्राइल ने कभी स्वीकार किया है और ना ही इससे इनकार किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्राइल को नए हथियारों की बिक्री के लिए 20 बिलियन डॉलर से ज्यादा की मंजूदी दे दी है। बाइडन प्रशासने यह फैसला गाजा में मानवीय क्षति के कारण हथियारों की आपूर्ति रोकने के दबाव को दरकिनार करते हुए लिया है।

पिछले साल से चल रहा है युद्ध: गाजा में युद्ध पिछले साल 7 अक्टूबर को शुरू हुआ था, जब हमास के बंदूकधारियों ने सीमा पार इस्राइल में प्रवेश किया और लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी। इस्राइली आंकड़ों के अनुसार लगभग 250 बंधकों का अपहरण कर लिया। इसके बाद इस्राइल ने सैन्य अभियान चलाकर गाजा पट्टी के बड़े हिस्से को नष्ट कर दिया। एन्क्लेव के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक तब से अब तक 40 हजार लोग मारे जा चुके हैं।

मध्यस्थता के जरिए युद्ध को रोकने की कोशिश: गाजा में संघर्ष विराम की कोशिश कर रहे मध्यस्थ देशों का कहना है कि ऐसे युद्ध को समाप्त करना जरूरी है, जिसमें स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार 40,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि अब तक 23 लाख से अधिक लोगों को विस्थापित किया जा चुका है। इस वजह से क्षेत्र में मानवता का संकट पैदा हो चुका है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में अकाल और पोलियो जैसी बीमारियां फैल सकतीं हैं। बताया गया है कि रविवार गाजा में इंस्राइल के हमले में जो छह बच्चे मारे गए, उनमें से चार बच्चों ने एक साथ जन्म लिया था। अल-अक्सा शहीद अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि हमले में महिला और इसके छह बच्चे मारे गए हैं। इसके अलावा मध्य गाजा में हुए एक और हमले में नौ लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा शनिवार को खान यूनुस क्षेत्र में एक हवाई हमले में चार लोगों की मौत हो गई।

बेटे की इच्छामृत्यु की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट क्यों पहुंचे दंपत्ति

नई दिल्ली। क्या कोई माता-पिता अपने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की डिमांड कर सकता है? सुनने में थोड़ा अजीब जरुर लेकिन दिल्ली के एक दंपत्ती ने ऐसी ही गुहार लगाई है। उन्होंने अपने 30 साल के बेटे के लिए इच्छामृत्यु की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि करीब 11 साल से ज्यादा हो गया, उनका बेटा वेजिटेटिव स्टेट पर है। वहां मेडिकल सपोर्ट सिस्टम के द्वारा किसी तरह जिंदा है। हालांकि, बेटे का इलाज महंगा है, इसमें उनकी पूरी जमापूंजी खत्म हो गई। डॉक्टरों ने भी उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं जाहिर की है। इसके बाद थककर मां-बाप ने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की अपील लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। हालांकि, सर्वोच्च अदालत ने उनकी मांग को अस्वीकार कर याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने बुजुर्ग माता-पिता के दर्द को समझकर सरकार से कहा कि क्या वे इस मरीज की देखभाल के लिए कोई व्यवस्था कर सकते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पैसिव यूथनेसिया की अनुमति नहीं दे सकते क्योंकि वहां जीवन रक्षक प्रणाली पर नहीं है, भले ही मरीज को राइल्स ट्यूब के जरिए खाना दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह मामला तब उठाया जब पीड़ित के माता-पिता ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पूरा मामला दिल्ली के रहने वाले अशोक राणा (62) और निर्मला देवी (55) के इकलौता बेटे से जुड़ा है। वे पिछले 11 साल से गंभीर हालात में है। हुआ यूं कि साल 2011 में 30 वर्षीय युवक मोहाली में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। तभी एक हादसे में युवक को गंभीर चोटें आईं। वहां वेजीटेटिव स्टेट में चला गया। तब से लेकर आज तक युवक उसी कंडीशन में है। डॉक्टरों के मुताबिक उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं है। बेटे का इलाज कराते-कराते इस बुजुर्ग दंपत्ति की सारी जमा पूंजी खत्म हो चुकी है। अब डॉक्टरों ने भी जवाब दे दिया है।

बक्सर में फिर बढ़ रहा गंगा नदी का जलस्तर... प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर

बक्सर। बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर फिर बढ़कर चेतावनी बिंदू के पास पहुंचा हुआ है। केंद्रीय जल आयोग से बुधवार की सुबह 8 बजे मिली अपडेट के अनुसार नदी का जलस्तर 58.90 मीटर पर पहुंचा है। वहीं, नदी में जलस्तर बढ़ने की रफ्तार प्रति घंटे एक सेंटीमीटर बताया जा रहा है। बक्सर एसडीओ द्वारा नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने की सूचना मिलने पर जिले के गोला घाट पर पहुंच निरीक्षण किया गया। एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा द्वारा बताया गया कि नदी का जलस्तर अभी चेतावनी बिंदू से नीचे है। इसकारण चिंता की कोई बात नहीं है। जिला प्रशासन संभावित बाढ़ क्षेत्र में अपनी राहत बचाव एसएनबी संबंधित तैयारी की हुई है। बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर 8 अगस्त को तेजी से बढ़ते हुए चेतावनी बिंदू को पार कर गया था। 8 अगस्त को नदी का जलस्तर 59.33 के पास पहुंच गया था। वहीं 9 अगस्त को जलस्तर बढ़ते हुए खतरे 59.49 पर पहुंच खतरे के निशान के करीब पहुंच गया था। जिसके कारण बक्सर के दर्जनों घाट का एक दूसरे से संपर्क टूट गया था। प्रसिद्ध रामरेखा घाट की सभी सीढ़ियां जल में समा गई। नदी का पानी विवाह मंडप में प्रवेश कर गया था। हालांकि 10 अगस्त को नदी का जलस्तर 59.49 पर स्थिर होने के बाद 11 अगस्त से घटना शुरू हो गया। जो 16 अगस्त तक घटते हुए 57.94 के पास जा पहुंचा। इसी बीच नदी का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए एक बार फिर से तटवर्तीय लोगों की माथे पर चिंता की लकीर देखा जा रहा है।

आंध्र प्रदेश में फार्मा कंपनी के कारखाने में लगी आग, चार कर्मचारियों की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अचुतापुरम में बुधवार को एक फार्मा कंपनी के कारखाने में आग लग जाने से चार कर्मचारियों की मौत हो गई। अनकापल्ली की जिलाधिकारी विजय कृष्णन ने बताया कि दुर्घटना दोपहर करीब दो बजे एसेंटिया फार्मा कंपनी के संयंत्र में हुई। कृष्णन ने बताया, हमने चार कर्मचारियों को खो दिया। उन्होंने बताया कि घटना में घायल हुए करीब 30लोगों को अनकापल्ली और अचुतापुरम के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा जिलाधिकारी ने कहा कि कपंनी में फंसे 13 लोगों को बचा लिया गया है।

भारतीय वायु सेना के लडाकू विमान से कोई वस्तु गिरी, कोई जानमाल का नुकसान नहीं

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले के पोखरण इलाके में बुधवार को भारतीय वायु सेना के एक लड़ाकू विमान से कोई वस्तु जमीन पर गिरी। वायुसेना ने कहा कि यह घटना सुनसान इलाके में हुई और जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। उसने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज तकनीकी खराबी के कारण पोखरण फायरिंग रेंज के पास भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान से एक 'एयर स्टोर' अनजाने में बाहर आ गया।'' उसने कहा कि इस घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। जान-माल के किसी नुकसान की खबर नहीं है। रामदेवरा थाने के पुलिस उपनिरीक्षक शंकर लाल ने बताया कि गांव से करीब एक किलोमीटर दूर कुछ लोगों ने जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। उनके अनुसार वहां किसी वस्तु के टुकड़े पड़े हुए थे।

कोलकाता में एक और कांड! महिला का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप

कोलकाता। कोलकाता में एक और कांड सामने आया है। आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर संग रेप-मर्डर केस के बाद अब कोलकाता के आनंदपुर इलाके में एक महिला का शव मिला है। महिला का शव खून से लथपथ है। यह महिला कौन है, कहां की है और क्या करती है, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई। फिलहाल, पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पोस्टमॉर्टम के लिए शव को भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा कि आखिर महिला की हत्या कैसे हुई है, क्या रेप भी हुई थी? फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और महिला की जानकारी खंगाल रही है। इस घटना के बाद से लोगों के भीतर और डर बढ़ गया है। बता दें कि कोलकाता रेप कांड को लेकर पहले से ही देशभर में बवाल जारी है। इससे पहले 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल के सेमिनार हॉल में एक ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से यह बात सामने आई कि हत्या से पहले ट्रेनी डॉक्टर का रेप किया गया था। इस मामले में पुलिस ने संजय रॉय को गिरफ्तार किया है। फिलहाल, अब मामले की जांच सीबीआई कर रही है। अब तक कोलाकात डॉक्टर मर्डर केस की गुत्थी नहीं सुलझ पाई है। इसे लेकर हर जगह आक्रोश है।

सीबीआई को डर... दूसरा अक्कू ना बन जाए दरिंदा संजय

कोलकाता। कोलकाता के आरजी अस्पताल मर्डर केस में सीबीआई फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। दरिंदे संजय रॉय को लेकर सीबीआई काफी सतर्क है। दरिंदे रॉय के खिलाफ लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। इसकारण दरिंदे को अदालत में पेश करने के लिए भी सीबीआई को माथापच्ची करनी पड़ रही है। सीबीआई को डर है कि अदालत में पेशी के दौरान दरिंदा संजय रॉय गुस्साई भीड़ के हत्थे न चढ़ जाए। इसकारण सीबीआई हर संभावित समाधानों पर विचार कर रही है। दरअसल सीबीआई को डर हैं कि अक्कू यादव कांड फिर ना हो जाए। दरअसल अक्कू यादव कांड आज से 20 साल पुराना कांड है। अक्कू यादव कोई छोटा-मोटा अपराधी नहीं था। अक्कू सीरियल किलर और रेपिस्ट था। अक्कू ने 40 से अधिक महिलाओं का रेप किया था। अक्कू नागपुर के कस्तूरबा नगर स्लम का रहने वाला था। अक्कू ने सालों तक अपने स्लम एरिया की महिलाओं का रेप किया। अक्कू ने 10 साल की उम्र से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं को हवस का शिकार बनाया। उसके खिलाफ कोई बोलने को तैयार नहीं होता था। मगर अगस्त 2004 में उसके साथ वह हुआ, जिसकी गूंज सालों तक सुनाई दी। उसके ऊपर वेबसीरीज तक बन गई। जी हां, 13 अगस्त 2004 को जब अक्कू को कोर्ट में पेश किया गया, तब वह उसका आखिरी दिन था। कोर्ट रूम में महिलाओं की खचाखच भीड़ थी। जैसे ही दरिंदा अक्कू दिखा, महिलाओं ने कानून को अपने हाथों में लिया। महिलाओं ने एक साथ पुलिसवालों और अक्कू के चेहरे पर लाल मिर्च पाउडर फेंकना शुरू किया। फिर पुलिस की गिरफ्त से अक्कू को अपने बीच कर लिया। गुस्साई महिलाओं की भीड़ के सामने पुलिस भी खौफजदा रह गई। इसके बाद महिलाओं ने अक्कू यादव पर चाकू और पत्थर से ताबड़तोड़ वार किए गए। तब तक वार किए, जब तक कि अक्कू मर न गया। 15 मिनट में ही कोर्ट रूम की सफेद मार्बल वाली फर्श लाल हो चुकी थी और दीवार पर खून ही खून के छींटे थे।

बदलापुर मामले में हुई एफआईआर में चौंकाने वाले खुलासे, आरोपी को दादा कहती थी मासूम

बदलापुर (एजेंसी)। ठाणे जिले के बदलापुर में चार साल की दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटना से उबाल है। स्कूल के शौचालय में चार वर्षीय दो बच्चियों से सफाईकर्मी द्वारा कथित यौन उत्पीड़न किये जाने के बाद, हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को बदलापुर रेलवे स्टेशन की पटरियों को रोक दिया और विद्यालय परिसर में धावा बोल दिया। पुलिस ने रेल पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्च किया, जो पुलिसकर्मियों पर पथराव कर रहे थे। नाराज अभिभावकों सहित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बच्चियों के यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी नाराजगी जताने के लिए स्कूल भवन में तोड़फोड़ की।

इस मामले के आरोपी की पहचान अक्षय शिंदे के तौर पर हुई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसी बीच एक बच्ची के माता-पिता की तरफ से दर्ज कराई शिकायत से सामने आया है कि शिंदे ने कैसे वारदात को अंजाम दिया।एफआईआर में इस बात का जिक्र है कि स्कूल में सफाईकर्मी के तौर पर काम करने वाले ने बच्ची का यौन शोषण किया है। रिपोर्ट में एफआईआर के हवाले से बताया गया है कि घटना 13 अगस्त को सुबह 9 बजे से 12 बजे के बीच हुई। इनमें से एक बच्ची के परिवार को 13 अगस्त को दूसरी बच्ची के परिवार से बात करने के बाद कुछ शक हुआ। दूसरी बच्ची के परिवार ने बताया कि वो यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने जा रहे हैं।

एफआईआर में कहा गया है कि इसके बाद बच्ची के पिता ने भी उसका मेडिकल टेस्ट कराने का फैसला किया। शिकायत में बताया गया है कि मेडिकल रिपोर्ट में बच्ची का हाइमन टूटने की बात सामने आई है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि बच्ची बहुत डरी हुई थी और उसने परिवार को बताया कि स्कूल में दादा ने उसके कपड़े उतारे और निजी अंगों को छुआ था।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि परिवार ने कहा है कि उन्होंने 16 अगस्त को इस घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया था। आरोप लगाए जा रहे हैं कि पुलिस ने 12 घंटों के बाद 16 अगस्त को रात 9 बजे एफआईआर दर्ज की थी।

बदलापुर मामले में टीएमसी सांसद ने की शिंदे सरकार की आलोचना

-बोलीं-महाराष्ट्र पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने से कर दिया था इनकार

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में दो मासूम छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी को लेकर शिंदे

सरकार की आलोचना की है। उन्होंने महाराष्ट्र पुलिस की प्रतिक्रिया और आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप -हत्याकांड पर कोलकाता पुलिस की कार्रवाई के बीच तुलना की। कोलकाता में रेप-हत्याकांड के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और बंगाल सीएम ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की जा रही है। मोइत्रा ने कहा कि बदलापुर मामले के विपरीत जहां महाराष्ट्र पुलिस ने कई दिनों तक प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया था। कोलकाता पुलिस ने ट्रेनी डॉक्टर रेप-हत्याकांड में आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया था। महुआ ने बुधवार को ट्वीट किया कि आरजी कर मामले में पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी की गई थी। महाराष्ट्र में पुलिस ने कई दिनों तक एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। यह असली गैर-लोकतांत्रिक गठबंधन है। बता दें महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल में सफाई कर्मचारी ने तीन और चार साल की दो मासूम छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न के बाद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। गुस्साए लोगों ने स्कूल में तोड़फोड़ की और भीड़ ने ट्रेन सेवाओं को बाधित कर दिया था।

छात्राओं से यौन उत्पीड़न मामले में सांसद सुले ने किया सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

-शहर में तनाव के चलते बंद की गई इंटरनेट सेवाएं बहाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एनसीपी (एससीपी) सांसद सुप्रिया सुले ने कार्यकर्ताओं के साथ बदलापुर के एक स्कूल में दो छात्राओं के साथ हुए यौन उत्पीड़न को लेकर शिंदे सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से इस मामले में आरोपी को सख्त से सख्त सजा दिए जाने की मांग की। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल के सफाईकर्मी ने दो छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न को लेकर तनाव बढ़ने के बाद इंटरनेट को बंद कर दिया गया था, जिसके बाद इसे बहाल कर दिया गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कहा कि वह इस मामले की जांच के लिए बदलापुर एक टीम भेजेगा।

स्कूल के शौचालय में चार साल दो मासूम छात्राओं से सफाईकर्मी द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने के बाद हजारों प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को बदलापुर रेलवे स्टेशन पर हंगामा किया और जिससे कई ट्रेन प्रभावित हुई थीं बदलापुर स्टेशन पर, उग्र प्रदर्शनकारियों को पुलिस अधिकारियों के खिलाफ ''हाय-हाय'' के नारे लगाते और यौन उत्पीड़न में कथित तौर पर संलिप्त सफाईकर्मी को फांसी देने की मांग करते देखा गया। इसके साथ स्कूल परिसर में धावा बोल दिया था। पुलिस ने रेल पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भांजी, क्योंकि वह पुलिसकर्मियों पर पथराव कर रहे थे। आक्रोशित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी नाराजगी जताते हुए स्कूल में तोड़फोड़ भी की थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि उन्होंने आईपीएस आरती सिंह की अध्यक्षता में एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है। सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की त्वरित अदालत में सुनवाई होगी और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

14 साल बाद भारत में मिला पोलियो का मामला... डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। 14 साल बाद पोलियो ने भारत को फिर डराया है। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले के दूरदराज गांव में दो साल के बच्चे में पोलियो के लक्षण मिले है। भारत आधिकारिक तौर पर 2014 से पोलियो मुक्त राज्य है। पोलियो का अंतिम मामला 2011 में सामने आया था। नए मामले के सामने आने के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अलर्ट जारी किया है। भारतीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क रहने और संभावित मामलों की तुरंत जांच करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा टीकाकरण अभियान भी तेज कर दिया गया है। मेघालय और असम के आस-पास के क्षेत्रों में विशेष सावधानी रखी जा रही है, ताकि और कोई बच्चा पोलियो का शिकार ना हो पाए। भारत ने पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। एक समय था जब भारत में पोलियो के मामले काफी अधिक थे, लेकिन 2014 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को पोलियो-मुक्त देश घोषित कर दिया। इसका मतलब है कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में पोलियो का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम- इस कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर पोलियो टीकाकरण अभियान चलाए गए।

अलर्ट रहने की जरूरत

हालांकि भारत को पोलियो-मुक्त घोषित किया गया है, लेकिन पोलियो वायरस का खतरा अब भी बना हुआ है। इसलिए, पोलियो के खिलाफ टीकाकरण अभियान लगातार जारी हैं, और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाए। पोलियो-मुक्त स्थिति को बनाए रखने के लिए सतर्कता और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है, और सरकार इस दिशा में निरंतर कार्यरत है। दुनिया के कुछ हिस्सों में पोलियो वायरस अभी भी सक्रिय है, इसलिए सतर्कता और सावधानी की जरूरत है।

अमेरिका के दौरे पर जा रहे राजनाथ... जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन मुख्य मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 अगस्त को अमेरिका जाएंगे। वे अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड आस्टिन के निमंत्रण पर अमेरिका जा रहे है। इस दौरान वे अमेरिकी रक्षा सचिव के साथ बैठक कर रक्षा सहयोग की मजबूती पर चर्चा होगी। इसके अलावा रक्षा मंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक जेक सुलविन से मुलाकात करने वाले है।

पीएम मोदी की न्यूयॉर्क यात्रा से पहले रक्षा मंत्री सिंह का अमेरिका दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इससे अमेरिका-भारत संबंधों को नई गति मिलेगी। इसके अलावा अमेरिका दौरे से दोनों देशों के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के व्यापक होने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री श्री सिंह भारतीय समुदाय से भी बातचीत कर सकते है।

सूत्रों का कहना है कि अपने दौरे में रक्षा मंत्री अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की आपूर्ति में हो रही देरी के मुद्दे को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। भारतीय वायुसेना को तेजस एमके1ए की डिलीवरी इंजनों की सप्लाई में देरी के चलते लटक रही है। भारतीय वायु सेना को 31 मार्च 2024 तक पहले तेजस एमके1ए की डिलीवरी होनी थी, लेकिन इसमें लगभग 10 महीने की देरी हो रही है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारत तेजस मार्क-2 वर्जन लाने की भी तैयारी कर रहा है। इसमें भी जीई एफ414 जेट इंजन लगाया जाना है। भारत की कोशिश रहेगी कि भारत-अमेरिका मिल कर इस इंजन का संयुक्त उत्पादन करें। दोनों देश जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल जैसे प्रमुख रक्षा प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को लेकर भी बात होगी।

'कानून में बदलाव वक्त और वक्फ दोनों की जरूरत', नकवी बोले- 'टच मी नॉट' की राजनीति से आना होगा बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर जारी राजनीतिक विवाद के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि यह विधेयक समय की मांग है। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गुरुवार (22 अगस्त) को पहली बार बैठक करने की तैयारी कर रही है, जिसमें हाल ही में संपन्न संसद सत्र के दौरान मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा की जाएगी।

यह विधेयक भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है और पार्टी के रणनीतिकार चाहते हैं कि इसे संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पारित कर दिया जाए। हालांकि, बहुत कुछ जेपीसी की रिपोर्ट पर भी निर्भर करता है। भाजपा को न केवल विपक्षी दलों को साथ लाना है, बल्कि चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान जैसे सहयोगियों को भी विधेयक का समर्थन करने के लिए राजी करना है। नकवी ने कहा कि इस पूरी व्यवस्था (वक्फ बोर्ड की) को 'छूओ मत' की राजनीति से बाहर आना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार वक्फ व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह विधेयक लेकर आई है।

विपक्षी दलों और कुछ सहयोगी दलों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए नकवी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि वक्फ कानूनों में संशोधन किया जा रहा है, पहले भी संशोधन किए गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान संशोधन किए गए थे। सरकार द्वारा पेश किए गए विधेयक पर विस्तार से चर्चा, विचार-विमर्श और विश्लेषण होना चाहिए, इसीलिए इसे जेपीसी के पास भेजा गया है। जेपीसी एक संवैधानिक संस्था है और इसकी बैठकों में इस विधेयक पर खुले मन से चर्चा होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल के पास जो भी तर्क होंगे, वे जेपीसी की बैठकों में सामने आएंगे।

विधेयक को सांप्रदायिक रंग देने के 'प्रयासों' का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि इसे लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं और भ्रम पैदा करने की कोशिश की जा रही है, इसलिए सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए इस पर गहन चर्चा के लिए इसे जेपीसी के पास भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन समय की मांग है और यह नहीं माना जाना चाहिए कि किसी पर हमला किया जा रहा है या यह विधेयक किसी के खिलाफ है।

नक्सलवाद पर फाइनल चोट करने की तैयारी, दो दिन के दौरे पर छत्तीसगढ़ जाएंगे अमित शाह, प्रभावित राज्यों के साथ करेंगे बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 24 और 25 अगस्त को छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे नक्सल विरोधी अभियानों, रणनीतियों और माओवाद प्रभावित राज्यों में विकास पर उच्च स्तरीय बैठकें करेंगे। शाह अपने दौरे के दौरान पुलिस, अर्धसैनिक बलों और अन्य विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक करेंगे। शाह के दौरे का विस्तृत प्रोटोकॉल जल्द ही पार्टी द्वारा जारी किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री 23 अगस्त की शाम को छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे और 24 और 25 अगस्त को बैठकें करेंगे, जिसके बाद वे 25 की शाम को वापस लौटेंगे।

इस बैठक में छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के पुलिस प्रमुखों के शामिल होने की संभावना है। इन राज्यों में नक्सलवाद पर लगाम लगी है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के प्रमुख अनीश दयाल सिंह के भी इन दोनों बैठकों में शामिल होने की उम्मीद है। 25 अगस्त को गृह मंत्री सुबह समीक्षा बैठक के बाद रायपुर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। गृह मंत्री 24 अगस्त को छत्तीसगढ़ में सहकारिता के विस्तार पर एक बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

नक्सल विरोधी बैठक ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब गृह मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वामपंथी उग्रवाद हिंसा का भौगोलिक प्रसार काफी हद तक कम हो गया है। 2013 में 10 राज्यों में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी, जो 2024 में घटकर केवल 38 रह गई है (अप्रैल-2024 से) जो नौ राज्यों में है- छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल।

बताया जा रहा है कि शाह नया रायपुर में कई विभागों के प्रमुख सचिवों और सचिवों, डीजीपी और राज्य तथा देश के अन्य नक्सल प्रभावित

राज्यों के पुलिस प्रमुखों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात अर्धसैनिक बलों के अधिकारी भी शामिल होंगे। गृह मंत्री के दौरे की तैयारियां जोरों पर हैं।